THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 80 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्योष्ठ.6 2081 बुधवार, 12 जून-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मानव तस्करी नेटवर्क के तीन सदस्यों के खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। भारतीय को रूस-यूक्रेन युद्ध जोन में धकेलने के लिए मानव तस्करी करने वाले नेटवर्क के तीन सदस्यों के खिलाफ सीबीआई इंटरपोल रेड नोटिस जारी करेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए हवाला ऑपरेटर रमेश कुमार, पलानीसामी, मोहम्मद मोइनुद्दीन चिप्पा और फैसल अब्दुल मुतालिब खान से हिरासत में पूछताछ करना चाहती है। दरअसल, इंटरपोल रेड नोटिस 196 सदस्य देशों की कानून पवर्तन एजेंसियों से आत्मसमर्पण या कानूनी कार्रवाई के लिए लंबित किसी व्यक्ति का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने का एक अनुरोध है। >14

चंद्रबाबू एनडीए विधायक दल के नेता

> आंध्र प्रदेश गवर्नर से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया > आज सुबह 11:27 बजे शपथ

अमरावती, 11 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में नई सरकार बनाने के लिए मंगलवार (11 जून) को एनडीए की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), जनसेना और भाजपा विधायकों ने विजयवाड़ा में मीटिंग की। इसमें टीडीपी अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायुडू को सर्वसम्मति से एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया। एक्टर से नेता बने जनसेना प्रमुख पवन कल्याण को विधानसभा में फ्लोर लीडर चुना गया। इसके बाद नायुडू और कल्याण राज्यपाल एस अब्दुल नजीर से मिलने राजभवन पहुंचे। उन्होंने राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। सूत्रों के मुताबिक, नायुडू 12 जून को विजयवाड़ा में गन्नावरम एयरपोर्ट के पास केसरपल्ली आईटी पार्क में सुबह 11.27 बजे शपथ लेंगे। सीएम के तौर पर यह उनका चौथा

कार्यकाल होगा। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई बड़े नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। चर्चा है कि नायुडू के साथ पवन कल्याण डिप्टी सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। इसके अलावा टीडीपी महासचिव और नायुडू के बेटे नारा लोकेश और जनसेना नेता एन मनोहर के भी शपथ लेने की संभावना है। नायुडू के मंत्रिमंडल में टीडीपी को 20, जनसेना को तीन और भाजपा को दो मंत्री पद मिल सकता है।

आंध्र प्रदेश में 4 जून को लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव के रिजल्ट आए थे। विधानसभा में एनडीए ने 175 में से 164 सीटें जीतकर एकतरफा जीत हासिल की। इसमें नायुडू की टीडीपी को 135, पवन कल्याण की जनसेना को 21 और भाजपा को 8 सीटें मिली हैं। >14

2024 के चुनाव में जनता ने हिंसा, झूठ और अहंकार के खिलाफ वोट दिया : राहुल

रायबरेली, 11 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 के चुनाव में जनता ने हिंसा, झूठ और अहंकार के खिलाफ वोट किया है।

भाजपा के लोग संविधान को बदलने की बात कर रहे थे पर जनता ने उन्हें संविधान को माथे से लगाने के लिए मजबूर कर दिया है। राहुल ने कहा कि यूपी की जनता ने नरेंद्र मोदी को संदेश दे दिया है कि हमें आपका विजन पसंद नहीं आया है क्योंकि वो कुछ उद्योगपति के लिए काम करते हैं। जनता ने बता दिया है कि वो नफरत के खिलाफ है। बेरोजगारी के खिलाफ हैं। रायबरेली की जनता ने इस बदलाव की शुरूआत हुई है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि रायबरेली व अमेठी लोकसभा सीट पर जीत कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। इस जीत से साबित हो गया है कि प्रदेश व देश के लोग साफ सुथरी राजनीति चाहते हैं। ये सब आप कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। दोनों सीटों पर जीत के लिए राहुल-प्रियंका कार्यकर्ताओं को आभार जताने के लिए पहुंचे हैं।

लोकसभा स्पीकर के लिए पुरंदेश्वरी के नाम की चर्चा

* इंडिया ब्लॉक बोला-टीडीपी कैंडिडेट का समर्थन करेंगे

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। लोकसभा के अंक गणित और सत्ता-विपक्ष के बीच जारी खींचतान को देखते हुए स्पीकर का पद इस बार अहम हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली एनडीए सरकार दो बड़े घटक दल टीडीपी और जदयू भी इस होड़ में शामिल दिख रहे हैं। टीडीपी नेता एन. चंद्रबाबू नायुडू और जदयू नेता नीतीश कुमार को लगता है कि अगर उनकी पार्टी में तोड़फोड़ की

कोशिश होगी तो स्पीकर पद उस समय जीवन बीमा होगा। इंडिया ब्लॉक ने भी कहा है कि स्पीकर पद टीडीपी के पास जाता है, तो वे समर्थन देने तैयार है। हालांकि, मोदी के दूसरे कार्यकाल में स्पीकर रहे कोटा सांसद ओम बिड़ला फिर दावेदारी में आगे हैं। उनके कैबिनेट मंत्री न बनने से अटकलें और जोर पकड़ चुकी हैं। इसी बीच भाजपा की आंध्र प्रदेश अध्यक्ष डी. पुरंदेश्वरी का नाम भी उछला है।

चीन को मोदी सरकार ने दिया मैसेज

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व में तीसरी बार हाल ही में एनडीए की सरकार बनी है। शपथ ग्रहण के बाद से ही मोदी सरकार लगातार बड़े फैसले ले रही है और नया फैसला तिब्बत को लेकर हुआ है। सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में चीन की गतिविधियों का जवाब उसी की भाषा में देते हुए तिब्बत के 30 स्थानों का नाम बदलने का फैसला किया है। >14

ओडिशा के सीएम होंगे मोहन चरण माझी : आज शपथ ग्रहण होगा

भुवनेश्वर, 11 जून (एजेंसियां)। मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। इसके अलावा कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा राज्य के डिप्टी सीएम होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव ने पार्टी विधायकों के साथ भुवनेश्वर में हुई बैठक में तीनों के नाम की घोषणा की। शपथ 12 जून को होगा।

मोहन चरण माझी क्योंझर से 4 बार के विधायक हैं। उन्होंने 2024 विधानसभा चुनाव में बीजेडी की वीणा माझी को 11 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। इसके अलावा वे 2019, 2009 और 2000 में भी विधायक रह चुके हैं। कनक वर्धन सिंहदेव पटनागढ़ से और प्रभाती परिदा पुरी की निमापारा सीट से विधायक हैं। कनक वर्धन सिंहदेव बोलांगीर के

राजपरिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे नवीन पटनायक की सरकार में 2000 से 2004 तक उद्योग और सार्वजनिक उद्यम, 2004 से 2009 तक शहरी विकास और सार्वजनिक उद्यम के कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पहली बार बहुमत के साथ जीत हासिल की है। राज्य की 147 सीटों में से भाजपा को 78 सीटें मिली हैं। वहीं, नवीन पटनायक की बीजू जनता दल (बीजेडी) को 51, कांग्रेस को 14, सीपीआईएम को 1 और अन्य को 3 सीटों पर जीत मिली है। माई नेता इंफो वेबसाइट के मुताबिक, ओडिशा के नए सीएम मोहन चरण माझी के पास ग्रेजुएट डिग्री है।

|| श्री हरिः || **उठावना** || श्री हरिः ||

श्री कांतिलालजी बड़ेगाँववाले

जन्म : दि. 10-3-1939 | वैकुण्ठवास : दि. 9-6-2024

(सुपुत्र : स्व. सेठ श्री गुलाबराय जी बड़ेगाँववाले)

SCAN FOR LOCATION

उठावना (महिलाओं एवं पुरुषों के लिए)
आज बुधवार दि.12-6-2024 को दोपहर 12:00 से 1:00 बजे तक
गुलाबराय कांतिलाल वैदिक संस्कार भवन
हरे रामा हरे कृष्णा मंदिर (गोल्डन टेम्पल)
MLA कॉलोनी, रोड नं.12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद पर होगा ।

– शोकाकुल –

मुकुन्दलाल, इन्दरकरण, कृष्ण कुमार, नन्दकिशोर, बद्रीनारायण (भाई),
रामप्रसाद, विजयराम, शिवराम (पुत्र), **प्रमोद, रामसुधीर, चेतन** (भतीजे),
रामकिशोर, रामानन्द, रामरतन, नारायण (पौत्र) **एवं समस्त बड़ेगाँववाले परिवार**

फर्म : **शिवदत्तराय गुलाबराय**

56/A, नंदगिरी हिल्स, जुबली हिल्स, हैदराबाद ✆ 9949088887, 8008001239

बैठक : प्रतिदिन दोपहर 3:00 से 5:00 बजे तक निवास स्थान पर

MAHAVIR | BANJARA | VSP TMT | RAMPARS STRENGTH OF STEEL | Gulab Surkh Making Steel Stronger | PINK LOTUS | Global | STAR FERRO ALLOYS | ALMAS | Ram Ferro Foolad Aliaj

सुविचार: जब ज़िन्दगी तुम्हे दुबारा मौका दे तो पुरानी गलतियों को दोहराने की गलती कभी मत करना

मंत्री ने मिलावटी भोजन परोसने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने गंभीर चेतावनी दी है कि उन होटलों और रेस्तरां के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की जाएगी जो मिलावट करते हैं और खराब गुणवत्ता वाला भोजन परोसते हैं।

यहां सचिवालय में होटल एसोसिएशन द्वारा मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाना चाहिए और होटल और रेस्तरां को बासी भोजन परोसना बंद कर देना चाहिए। मंत्री ने सुझाव दिया, हैदराबाद बिरयानी को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है और राज्य की राजधानी को मेडिकल टूरिज्म हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। दूसरे राज्यों और देशों से कई लोग हर दिन हैदराबाद आ रहे हैं। होटल और रेस्तरां के प्रबंधन को ग्राहकों को बासी खाना परोसकर हैदराबाद की छवि खराब नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर होटल मालिक ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराते हैं तो हैदराबाद की ब्रांड छवि बढ़ेगी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद को भारत की खाद्य राजधानी बनाने के लिए कदम उठा रही है और होटल मालिकों को सामाजिक जिम्मेदारी के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि हर छह महीने में एक बार कार्यशालाओं के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और होटल प्रबंधन को सभी खाद्य सुरक्षा मानदंडों का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन हैदराबाद तेलंगाना स्टेट होटल एसोसिएशन, नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन, ऑयल मर्चेंट्स एसोसिएशन, बार और रेस्टोरेंट, इंडियन डेली मिल्क प्रोडक्ट्स एसोसिएशन, तेलंगाना पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर एसोसिएशन, तेलंगाना रोलर फ्लोर मिलर्स और बेकरी एंड आइस क्रीम एसोसिएशन के सहयोग से किया गया।

राज्यपाल ने आईएएस प्रशिक्षुओं से बातचीत की

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना, झारखंड के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने आज राजभवन में 2023 बैच के आईएएस प्रशिक्षुओं से बातचीत की, जिन्हें तेलंगाना राज्य आवंटित किया गया है। राज्यपाल राधाकृष्णन ने युवा आईएएस अधिकारियों के लोगों से जुड़ने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यात्रा करना, लोगों से जुड़ना और उनकी चिंता करने वाले मुद्दों को समझना जरूरी है। हमें आम लोगों के लिए सुलभ रहना चाहिए, उन्होंने कहा और प्रशिक्षुओं से अपने कर्तव्यों में ईमानदारी, प्रतिबद्धता, समर्पण और सरलता बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, चुनौतियां आएंगी, लेकिन सार्वजनिक भलाई के लिए प्रतिबद्ध और समर्पित रहें। राज्यपाल ने आईएएस प्रशिक्षुओं को तेलंगाना में उनके आवंटन पर बधाई दी, नए राज्य में नवाचार और विकास के अवसरों पर प्रकाश डाला। एमसीआरएचआरडी के महानिदेशक और सरकार के पदेन विशेष मुख्य सचिव डॉ. शशांक गोयल प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन रेलवे को किफायती और सुविधाजनक परिवहन का माध्यम बनाना है : अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पदभार ग्रहण किया

नई दिल्ली/हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेल भवन में पदभार ग्रहण किया। रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष एवं सीईओ सुश्री जया वर्मा सिन्हा ने वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ रेल भवन में उनका स्वागत किया। हाउसकीपिंग स्टाफ और रेलवे के अन्य अधिकारियों ने भी अश्विनी वैष्णव को पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी।

मीडिया को संबोधित करते हुए श्री वैष्णव ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा निर्धारित दीर्घकालिक विजन को साकार करने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी का रेलवे के साथ एक विशेष भावनात्मक जुड़ाव है और उन्होंने मुझे अपने परिवर्तनकारी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय रेलवे आम जनता के लिए परिवहन का एक किफायती और सुविधाजनक साधन बना रहे। 8 जुलाई, 2021 को पहली बार रेल मंत्री बने श्री वैष्णव ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत आशा और उम्मीद के साथ की है। अपने पिछले कार्यकाल के दौरान, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित दूरदर्शी एजेंडे के अनुरूप कई परिवर्तनकारी परियोजनाओं की शुरूआत की और उन्हें क्रियान्वित किया। इन पहलों में रेलवे के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण और पुनरोद्धार शामिल है, जिसमें स्टेशनों का परिवर्तन, नई ट्रेनों की शुरूआत, व्यापक स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम, नई रेल लाइनों की शुरूआत और व्यापक विद्युतीकरण जैसी पहल शामिल हैं। अश्विनी वैष्णव (जन्म 1970) ओडिशा से राज्यसभा के सदस्य हैं।

वे पूर्व आईएएस अधिकारी थे और उन्होंने जिला कलेक्टर के रूप में सुंदरगढ़, बालासोर और कटक के लोगों की सेवा की। उन्होंने आईआईटी कानपुर से प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर और व्हार्टन से एमबीए किया है।

सेवानिवृत्त व्यक्ति ने जालसाजों के हाथों 20 लाख रुपये गंवाए

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एक 63 वर्षीय सेवानिवृत्त व्यक्ति को ट्राई से एक कॉल आया जिसमें कहा गया कि उनका मोबाइल नंबर जल्द ही निष्क्रिय कर दिया जाएगा। कॉल करने वाले ने आरोप लगाया कि पीड़ित के आधार कार्ड का अवैध गतिविधियों के लिए दुरूपयोग किया जा रहा है और मुंबई साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई जा रही है। व्हाट्सएप वीडियो कॉल के दौरान जालसाज ने पीड़ित को उसके आधार कार्ड की चल रही जांच के बारे में बताया और उसे राजनेता नवाब मलिक के माध्यम से अंडरवर्ल्ड के व्यक्ति दाऊद इब्राहिम से जोड़ा। उन्होंने दावा किया कि एचडीएफसी, एसबीआई और एक अन्य बैंक में उसके नाम पर तीन बैंक खाते खोले गए हैं। जालसाजों ने पीड़ित को खुद को अलग-थलग रखने और ऑनलाइन रहने का निर्देश दिया, साथ ही किसी से बात न करने की चेतावनी भी दी।

रेरा कानून को सख्ती से लागू हो : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री से कई लोगों ने मुलाकात की

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रियल एस्टेट अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष और सदस्यों ने मंगलवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राजशेखर रेड्डी और सदस्य प्रदीप कुमार रेड्डी पल्ले और चित्रा रामचंद्रन शामिल थे। इस अवसर पर रेवंत रेड्डी ने कहा कि रेरा कानून को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कानून को लागू करने की भी वकालत की ताकि रेरा कानून के कार्यान्वयन से खरीदारों को धोखा न मिले। इस बीच, तेलंगाना कैडर के आईएएस-2023 बैच के सहायक कलेक्टर (जो डॉ. एमसीआरएचआरडी संस्थान में प्रशिक्षण ले रहे हैं) ने सचिवालय में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। इससे पहले दिन में चिंतापंडु नवीन, जिन्हें तीनमार मल्लन्ना के नाम से भी जाना जाता है, जो हाल ही में वारंगल-नलगोंडा-खम्मम स्नातक एमएलसी निर्वाचन क्षेत्र के लिए हुए उपचुनाव में विजयी हुए हैं, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में हैदराबाद का जलवा

शीर्ष एशियाई शहरों में हुआ शामिल

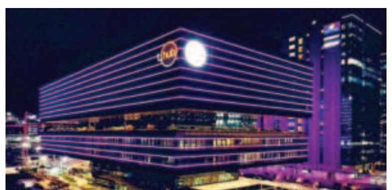

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ने एशिया में स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए सर्वश्रेष्ठ शहरों की सूची में स्थान प्राप्त किया है। यह मान्यता स्टार्टअप जीनोम द्वारा जारी '2024 ग्लोबल स्टार्टअप इकोसिस्टम रिपोर्ट' से मिली है, जो एक प्रसिद्ध अमेरिकी स्टार्टअप रिसर्च फर्म है, जिसने 100 देशों के 300 शहरों का सर्वेक्षण किया था। इस सूची में शहर ने 19वां स्थान प्राप्त किया है। हैदराबाद के साथ इस सूची में 5 अन्य भारतीय शहर भी शामिल हैं- दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई और पुणे। मूल्यांकन 5 महत्वपूर्ण मानदंडों पर आधारित था प्रदर्शन, वित्तपोषण, प्रतिभा और अनुभव, बाजार पहुंच और ज्ञान। टी-हब के सीईओ महाकाली श्रीनिवास राव ने रिपोर्ट में कहा कि 2014 में हैदराबाद में 200 स्टार्टअप थे, जो आज बढ़कर 7,500 से ज़्यादा हो गए हैं। यह उद्यमियों के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है। टी-हब ने स्टार्टअप को उनके सफ़र में संसाधनों, निवेशकों, सलाहकारों और सहायता प्रणाली को सशक्त बनाकर इस विकास को उत्प्रेरित किया है।

सूची में बंगलौर और दिल्ली क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर हैं, जबकि मुंबई 10वें और पुणे 26वें स्थान पर हैं। सिंगापुर एशियाई सूची में शीर्ष पर है और वैश्विक स्तर पर 7वें स्थान पर है, जबकि अमेरिका में सिलिकॉन वैली वैश्विक रैंकिंग में सबसे ऊपर है, इसके बाद न्यूयॉर्क और लंदन संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं।

वी. सोमन्ना, केंद्रीय रेल राज्य और जल शक्ति मंत्री ने पदभार ग्रहण किया

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में रेलवे की गति को बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई

नई दिल्ली/हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वी. सोमन्ना, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और जल शक्ति ने आज रेल भवन में पदभार ग्रहण किया। रेलवे बोर्ड की अध्यक्ष और सीईओ श्रीमती जया वर्मा सिन्हा ने वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ रेल भवन में उनके आगमन पर उनका स्वागत किया। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए श्री वी. सोमन्ना ने कहा, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मेरी पार्टी का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी। पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में रेलवे ने उल्लेखनीय वृद्धि का अनुभव किया है। वी. सोमन्ना ने आगे कहा कि जैसे-जैसे हम मोदी 3.0 में आगे बढ़ रहे हैं, हम रेलवे की विकास गति को बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा, केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के कुशल मार्गदर्शन में काम करने और रेलवे तथा विकसित भारत के विकास में योगदान देने पर प्रसन्नता हो रही है। हम सब मिलकर विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे और इसके लिए चौबीसों घंटे काम करेंगे। कर्नाटक के तुमकुर निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद इससे पहले राज्य में मंत्री पद संभाल चुके हैं।

नरसिम्हा रेड्डी आयोग ने पूर्व सीएम केसीआर को नोटिस भेजा

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में बिजली खरीद का मुद्दा विवाद का कारण बन रहा है। जब कांग्रेस सरकार सत्ता में आई, तो उसने बिजली खरीद के मुद्दे की जांच के आदेश दिए। इस उद्देश्य के लिए न्यायमूर्ति नरसिम्हा रेड्डी आयोग का गठन किया गया था। आयोग ने अधिकारियों को अन्य राज्यों में खरीदे गए बिजली अनुबंधों में कमी को पूरा करने का निर्देश दिया। आयोग ने पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर को भी नोटिस जारी किया। नोटिस में आयोग ने बीआरएस शासन के दौरान छत्तीसगढ़ राज्य के साथ बिजली सौदों में केसीआर की भूमिका जानने की मांग की। इसने कहा कि बिजली खरीद सौदे में केसीआर की भूमिका 15 जून, 2024 तक स्पष्ट की जानी चाहिए। केसीआर ने उन्हें जारी किए गए नोटिस का जवाब दाखिल करने के लिए आयोग से 30 जुलाई तक का समय मांगा। केसीआर द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण के आधार पर सीधी जांच की संभावना है। यदि उनका जवाब संतोषजनक नहीं है, तो आयोग ने संकेत दिया है कि वह केसीआर द्वारा निभाई गई भूमिका की सीधे जांच शुरू करेगा। न्यायमूर्ति नरसिम्हा रेड्डी की अध्यक्षता में आयोग का गठन राज्य सरकार ने किया था। आयोग पर पिछली बीआरएस पार्टी सरकार के दौरान बिजली खरीद में अनियमितता का आरोप है। बीआरएस शासन में काम करने वाले कुछ अधिकारियों को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। पिछले दो दिनों में उनसे कई अहम मुद्दों पर पूछताछ की गई। सोमवार को पूर्व सीएमडी प्रभाकर राव से पूछताछ करने वाले न्यायमूर्ति नरसिम्हा रेड्डी ने मंगलवार को पूर्व सीएम को नोटिस भेजा। नरसिम्हा रेड्डी ने कहा कि उनके द्वारा तीन मुद्दों की जांच की जा रही है। छत्तीसगढ़, भद्राद्री और यदाद्री थर्मल प्लांट की जांच चल रही है। बिना टेंडर प्रक्रिया के समझौते किए गए। 25 लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। हालांकि पूर्व सीएम केसीआर ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है। केसीआर ने समय मांगा है। पूर्व सीएमडी और वर्तमान सीएमडी के साथ हमारी बैठक हुई। पूर्व सीएमडी प्रभाकर राव और तत्कालीन प्रमुख सचिव सुरेश चंदा के साथ भी हमारी बैठक हुई। तीन फैसले तत्कालीन सरकार ने ही लिए। जेनको का इससे कोई लेना-देना नहीं है। मंगलवार को हमारी पूर्व आईएएस अधिकारी एसके जोशी और आईएएस अरविंद कुमार के साथ बैठक हुई। उन्होंने कहा, अरविंद कुमार ने विनियामक आयोग को पत्र लिखा है। जब दोनों राज्यों के बीच समझौता होता है तो केंद्र को अधिकार मिलना चाहिए। दोनों राज्यों के समझौते से छत्तीसगढ़ को अधिकार मिला है।

मेन होल खुले तो सख्त कार्रवाई होगी : जल बोर्ड

नियमों के उल्लंघन पर होगा आपराधिक मामला दर्ज

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जल बोर्ड के अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर शहर की सड़कों और अन्य इलाकों में मेनहोल खुले तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। बरसात के मौसम की पृष्ठभूमि में किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए ये निर्देश दिए गए हैं। बरसात के मौसम की योजना के तहत जल बोर्ड ने पहले से ही सभी तरह के एहतियाती कदम उठाए हैं। डीप मेनहोल के साथ 25 हजार से अधिक मेनहोल पर सेफ्टी ग्रिल पहले ही लगाई जा चुकी है। मुख्य सड़कों पर ढक्कन लगाकर सील कर दिया गया और लाल पेंट लगा दिया गया। आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (ईआरटी) और सुरक्षा प्रोटोकॉल टीम (एसपीटी) वाहनों को तैनात किया गया था। फील्ड स्तर पर कार्य करने वाले कार्मिकों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराये जाते हैं। इन टीमों को सौंपे गए वाहनों में जनरेटर के साथ डीवाटरिंग मोटर होती है। इसकी सहायता से वर्षा का जल निकाला जाता है। ये सभी अपने-अपने क्षेत्र में सजगता से काम करें। ये टीमें मुख्य रूप से जल-जमाव वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती हैं। इनके साथ एयर टेक मिशन भी उपलब्ध हैं। मेनहोल से निकला कचरा (गाद) समय-समय पर निकाला जाता है। समय-समय पर मेनहोल की निगरानी के लिए प्रत्येक खंड से एक सीवर निरीक्षक की अध्यक्षता में एक सीवरेज टीम का गठन किया गया है। वे सुबह-सुबह फील्ड स्तर पर अपने अधिकार क्षेत्र वाले क्षेत्रों में जाते हैं और स्थिति पर नजर रखते हैं। जीएचएमसी अधिकारियों के समन्वय से समय-समय पर चोकेजी और जल जमाव बिंदुओं को साफ किया जाता है। यदि कोई मैनहोल ढक्कन क्षतिग्रस्त है या खुला पाया गया है या कोई अन्य समस्या या शिकायत है तो जलमंडल ग्राहक सेवा नंबर 155313 पर कॉल करके सूचित किया जाना चाहिए। आप सीधे नजदीकी जल बोर्ड कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं। किसी भी नागरिक या अनधिकृत व्यक्ति द्वारा अधिकारियों की अनुमति के बिना मैनहोल का ढक्कन खोलना या हटाना एचएमडब्ल्यूएसएसबी अधिनियम- 1989, धारा 74 के तहत अपराध है। इसका उल्लंघन कर ऐसी हरकत करने पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। ऐसे लोगों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जायेगा। कुछ मामलों में आरोपियों को जुर्माने के अलावा कारावास की सजा भी हो सकती है। जल बोर्ड हर साल सफाई कर्मचारियों और कर्मचारियों के लिए अपने कर्तव्यों का पालन करते समय बरती जाने वाली सावधानियों और आपात स्थिति के दौरान कैसे काम करना है, इसके लिए सुरक्षा सप्ताह और पखवाड़े आयोजित करता है। इन कार्यक्रमों में उन्हें एसपीओ दिशानिर्देशों के अनुसार सुरक्षा उपकरणों के प्रदर्शन, इसका उपयोग कैसे करें और स्वच्छता कार्य में बरती जाने वाली सभी सावधानियों के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसके अलावा, यह कार्यस्थल पर किसी भी दुर्घटना की स्थिति में प्राथमिक

विधायक टी. राजा सिंह को धमकी भरे कॉल करने वाला गिरफ्तार

सऊदी अरब से आरजीआई हवाई अड्डे पहुंचने पर गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने एक आरोपी व्यक्ति मोहम्मद वसीम निवासी चंद्रायनगुट्टा, हैदराबाद को गिरफ़्तार किया। आरोपी वीओआईपी कॉलिंग एप्लीकेशन का उपयोग करके लगातार विधायक टी. राजा सिंह को रैंडम नंबरों से कॉल कर रहा था, और उन्हें गंदी भाषा में गालियां दे रहा था और उन्हें धमका रहा था। इस मामले विधायक टी. राजा सिंह को कॉल आया था और आगामी आम चुनाव 2023 से पहले उन्हें और उनके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई थी। उन्होंने यह भी धमकी दी थी कि मतगणना के दिन से पहले वे उन्हें और उनके परिवार को मार देंगे।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि कॉल करने वाले ने धमकी दी थी कि वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान मारने की भी योजना बना रहा है। इस संबंध में साइबर अपराध पुलिस, हैदराबाद ने सीआर संख्या 2459/2023 यू/एसईसी 506, 507 आईपीसी में मामला दर्ज किया और जांच की। जांच के दौरान कॉल डेटा विश्लेषण और अन्य विवरणों की पुष्टि करने पर पाया गया कि आरोपी जेद्दा (सऊदी अरब) में रह रहा था। उसके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया गया और उसे भारत लाने के प्रयास किए गए। आज भारत पहुंचने पर उसे आरजीआई हवाई अड्डे, हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया गया और अदालत में पेश किया गया।

राजस्व बढ़ाने के लिए कदम उठाएं : पोन्नम

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने संबंधित अधिकारियों को विभाग का राजस्व बढ़ाने के लिए पर्याप्त कदम उठाने का निर्देश दिया है। मंत्री ने मंगलवार को यहां परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और कहा कि सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार राजस्व बढ़ाया जाना चाहिए। बैठक के दौरान, तिमाही कर संग्रह के संबंध में कम दर्ज करने वाले जिलों के अधिकारियों को अपने प्रदर्शन में सुधार करने की सलाह दी गई। मंत्री ने उन जिला अधिकारियों को भी बधाई दी जिन्होंने 100 प्रतिशत कर संग्रह किया और उन्हें चालू वित्त वर्ष में राजस्व संग्रह में इसी भावना को जारी रखने का सुझाव दिया। उन्होंने बैठक में शामिल नहीं होने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी करने और स्पष्टीकरण मांगने का आदेश दिया है। पोन्नम प्रभाकर ने निजी भवनों में चल रहे परिवहन विभाग के कार्यालयों के लिए स्वयं के भवन बनाने के लिए भूमि खोज के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री के साथ चर्चा करने और स्वयं के भवनों के मुद्दे को हल करने का भी वादा किया। बैठक के दौरान अधिकारियों को राजस्व बढ़ाने के तरीके खोजने की सलाह दी गई और कानून के अनुसार काम करने तथा आय अर्जित करने के नाम पर किसी को परेशान न करने को कहा गया।

टीईएससीओबी के नए अध्यक्ष ने मंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सहकारी एपेक्स बैंक (टीईएससीओबी) के नवनियुक्त अध्यक्ष मार्नेनी रविंदर राव ने मंगलवार को सचिवालय में वन, पर्यावरण और ऋण दान मंत्री कोंडा सुरेखा से मुलाकात की। इस मौके पर मंत्री सुरेखा ने रविंदर राव को बधाई दी। दोनों ने सहकारी बैंकों में परिचालन के कम्प्यूटरीकरण, सहकारी बैंकों को मजबूत करने के लिए किए जा रहे उपायों, लागू किए जा रहे सुधारों, सहकारी बैंकों द्वारा कृषि क्षेत्र को दिए जाने वाले सहयोग आदि पर चर्चा की।

पूर्व तट रेलवे

Gem ID No. GEM/2024/B/4928312, दिनांक : 04.06.2024

कार्य का नाम : खुली निविदा GEM ID संख्या GEM/2024/B/4928312 के तहत 02 वर्ष की समयावधि हेतु वाल्टियर मण्डल के टिकट चेकिंग स्टाफ के 308 हैन्ड हेल्ड टर्मिनल (Hand Held Terminal) के लिए AMC (वार्षिक रख-रखाव ठेका)। मेक: डेटामिनी टेक्नोलॉजीज (इंडिया) लिमिटेड।

अनुमानित बिड मूल्य (रुपये में): 14,93,012/-, EMD (रुपये में): 29,900/-, ठेका अवधि: 2 वर्ष।

बिड बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 26.06.2024 को 1500 बजे, बिड खुलने की तिथि व समय: दिनांक 26.06.2024 को 1530 बजे।

विस्तृत विवरण वेबसाइट https://gem.gov.in/ में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

PR-199/P/24-25

अपनी पसंद से किसी के साथ जिंदगी बिताना या शादी करना मूल अधिकार का हिस्सा

किसी को दखल का हक नहीं : इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज, 11 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि बालिग को बिना शादी किए अपनी पसंद से किसी के साथ रहने या शादी करने से कोई रोक नहीं सकता है। हाईकोर्ट ने वयस्क याचियों के खिलाफ अपहरण के आरोप में दर्ज एफआईआर रद्द कर दी। कोर्ट ने एसपी व एसएचओ को याची को जहां चाहे जाने देने व उनकी सुरक्षा करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा यह उसका अनुच्छेद 21के अंतर्गत मिले जीवन का मूल अधिकार है।कोर्ट ने यह भी कहा कि अलग मत होने के कारण किसी भी नागरिक को दूसरे की हत्या करने का अधिकार नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा राज्य का दायित्व है कि मानव जीवन की रक्षा करे। कोर्ट ने उस मजिस्ट्रेट की आलोचना की है जिसके सामने वयस्क लड़की ने अपने चाचा व परिवार से जान का खतरा बताया और मजिस्ट्रेट ने एफआईआर दर्ज कराने के बजाय उन्हीं लोगों को लड़की की अभिरक्षा सौंप दी, जिनसे उसने जीवन को खतरा बताया था। कोर्ट ने कहा आनर किलिंग की घटनाओं से कोई अनजान नहीं है। इसलिए मानव जीवन बचाना महत्वपूर्ण है।

'कार्रवाई न करने के लिए एसपी-एसएचओ जवाबदेह'

कोर्ट ने कहा किसी वयस्क को दूसरे की अभिरक्षा में सौंपा नहीं जा सकता और उसकी मर्जी के खिलाफ किसी के साथ उसे रहने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा लड़की के मजिस्ट्रेट के समक्ष जीवन को खतरे के बयान के बाद आरोपी पर एफआईआर दर्ज होनी चाहिए थी। कोर्ट ने कहा एसपी सिद्धार्थनगर व एसएचओ बांसी कोई कार्रवाई न करने के लिए समान रूप से जवाबदेह हैं। उन्होंने याची को किसी तरह की कोई सुरक्षा नहीं दी।

कोर्ट ने याचियों के खिलाफ बांसी थाने में चाचा मोहम्मद जहीर द्वारा दर्ज कराई एफआईआर रद्द कर दी है। पुलिस अधिकारियों को आदेश दिया है कि याची जहां चाहे जा सकती है। उसके चाचा या परिवार वाले उसे कोई नुकसान न पहुंचाने पाएं। अन्यथा वे कोर्ट के प्रति जवाबदेह होंगे। याची नाजिया अंसारी व हिदायत की याचिका है। याची का कहना था कि उसकी आयु 21 वर्ष है और वह बालिग है। उसने अपनी मर्जी से घर छोड़ा और हैदराबाद में 17 अप्रैल 24 को मुस्लिम रीति से शादी की है। तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड के सीईओ ने शादी का प्रमाणपत्र भी दिया है। इसके बावजूद चाचा द्वारा अपहरण के आरोप में दर्ज एफआईआर के तहत पुलिस ने याची के पति को गिरफ्तार कर लिया और याची को अवैध अभिरक्षा में ले लिया। मजिस्ट्रेट के आदेश से उसे उसकी मर्जी के खिलाफ उसके चाचा को सौंप दिया गया जिससे उसकी हत्या की उसने आशंका जताई थी। कोर्ट ने कहा चाचा को एफआईआर दर्ज कराने या धमकाने का अधिकार नहीं था। ऐसी एफआईआर अवैध व अधिकारातीत है। हाईकोर्ट ने मामले को गंभीर माना है। जस्टिस जे जे मुनीर और जस्टिस अरुण कुमार सिंह देशवाल की डिवीजन बेंच ने आदेश दिया है।

जितिन प्रसाद का यूपी मंत्री पद से इस्तीफा, अब संभालेंगे ये जिम्मेदारी

पीलीभीत, 11 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में लोक निर्माण विभाग के मंत्री जितिन प्रसाद ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जितिन प्रसाद अब केंद्र की जिम्मेदारी संभालेंगे। मोदी 3.0 सरकार में उन्हें वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में राज्य मंत्री बनाया गया है। उत्तर प्रदेश की पीलीभीत लोकसभा सीट से चुनाव जीतने वाले जितिन प्रसाद ने नौ जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से साथ केंद्र में मंत्री पद की शपथ ली थी।

जिसके बाद उन्हें वाणिज्य, उद्योग और सूचना मंत्रालय के राज्यमंत्री की अहम ज़िम्मेदारी दी गई। उत्तर प्रदेश से वो बड़े ब्राह्मण चेहरे के तौर पर पीएम मोदी की सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल किए गए हैं।

जितिन प्रसाद का सियासी करियर

जितिन प्रसाद साल 2021 में कांग्रेस से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे। जिसके बाद बीजेपी ने उन्हें विधान परिषद में भेजा और 2022 में योगी आदित्यनाथ सरकार में उन्हें लोक निर्माण विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। बतौर पीडब्ल्यूडी मंत्री रहते हुए जितिन प्रसाद ने यूपी में भी अपने काम की छाप छोड़ी हैं। जितिन प्रसाद के परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि रही है। उनके दादा ज्योति प्रसाद और पिता जितेंद्र प्रसाद दोनों कांग्रेस के कद्दावर नेता रहे हैं।

उनके पिता कांग्रेस के थिंक टैंक माने जाते थे। जितिन प्रसाद ने भी कांग्रेस पार्टी से राजनीतिक करियर की शुरुआत की ती। साल 2004 में वे पहली बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े और यूपी की शाहजहांपुर सीट से जीत दर्ज की। जितिन प्रसाद यूपीए-1 और यूपीए-2 दोनों ही सरकारों में केंद्रीय मंत्री बने। साल 2014 लोकसभा चुनाव में जितिन प्रसाद को धौरहरा लोकसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2017 विधानसभा चुनाव भी वो हार गए और फिर 2019 लोकसभा चुनाव में भी वो जीत दर्ज नहीं कर सके। लगातार हार के बाद उनका पार्टी में कद कम हो गया, जिसके बाद 2021 जितिन प्रसाद बीजेपी में शामिल हो गए थे।

रिश्वत के आरोप में पीएनसी के 4 अधिकारियों पर गिरी गाज

आगरा में एनएचएआई अफसरों को दे रहे थे 10 लाख रुपए

आगरा, 11 जून (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) अधिकारियों को 10 लाख रुपए की रिश्वत देने के आरोप में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पीएनसी इंफ्राटेक (पीएनसी) के चार अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। शनिवार को सीबीआई टीम ने आगरा सहित आधा दर्जन जगह पीएनसी ठिकानों पर छापा मारा था। पीएनसी इंफ्राटेक में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाले भारतीय जनता पार्टी से राज्यसभा सांसद नवीन जैन पूर्व में कंपनी के डायरेक्टर रह चुके हैं। वर्तमान में उनके तीन भाई प्रदीप चक्रेश और योगेश कंपनी का संचालन करते हैं। सीबीआई प्रवक्ता के अनुसार पीएनसी और एनएचएआई अधिकारियों को 10 लाख रुपए की रिश्वत मामले में रंगे हाथ पकड़ा था। पकड़े गए आरोपियों में पीएनसी के सत्य नारायण अंगुलुरी, बृजेश मिश्रा, अनिल जैन और शुभम जैन के अलावा एनएचएआई छतरपुर के परियोजना निदेशक पुरुषोत्तम लाल चौधरी, कंसलटेंट शरद वर्मा, रेजीडेंट इंजीनियर प्रेम कुमार सिन्हा शामिल हैं। पीएनसी का पक्ष जानने के लिए चेयरमैन चक्रेश जैन और डायरेक्टर योगेश जैन के मोबाइल पर संपर्क किया। मोबाइल स्विच ऑफ हैं। राज्यसभा सांसद नवीन जैन के भाई योगेश जैन सहित 10 लोगों के विरुद्ध सीबीआई ने केस दर्ज किया था। हाइवे निर्माण से जुड़ी एक कंपनी ने सांसद के भाई पर एनएचएआई अधिकारियों को रिश्वत देकर अनुचित लाभ लेने की शिकायत दर्ज कराई थी। केस दर्ज के बाद सीबीआई ने जाल बिछाया। 10 आरोपियों में सीबीआई 7 को गिरफ्तार कर चुकी है।

यूपी से मायावती के लिए आई बुरी खबर

इन 17 सीटों पर बिगड़ गए समीकरण

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)। कभी उत्तर प्रदेश की सत्ता में शासन करने वाली बहुजन समाज पार्टी को लोकसभा चुनाव में बड़ा झटका लगा है। बीते 10 सालों में बसपा का जनाधार घटकर आधा हो चुका है। इतना ही नहीं, इस लोकसभा चुनाव में प्रदेश की 17 सुरक्षित सीटों पर उसके 21 लाख से ज्यादा वोट कम हुए हैं, जो प्रत्याशियों की हार की वजह बने। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि ये वोट समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को ट्रांसफर हुए हैं। पिछले तीन लोकसभा चुनाव में बसपा के प्रदर्शन पर नजर डालें तो पता चलता है कि वह अपने काडर वोटबैंक को सहेज कर रखने में भी नाकामयाब हुई है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा को कुल 1,59,14,194 वोट मिले थे, जो इस बार महज 82,53,489 सिमट कर रह गए। पार्टी का आधा वोटबैंक चुनाव-दर-चुनाव विपक्षी दलों के पाले में चला गया। जानकारों का मानना है कि यही वजह है की बसपा को चुनाव में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है।

जीत के करीब भी नहीं पहुंचे बसपा प्रत्याशी

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती ने सपा पर उसके बोट ट्रांसफर नहीं होने का आरोप लगाकर गठबंधन तोड़ दिया था। उनका यह फैसला अब सवालों के घेरे में आ चुका है। बसपा को बीते चुनावों में मिले वोटों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि उसे 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में तकरीबन बराबर वोट मिले थे, जबकि आधी सीटों पर उसने अपने प्रत्याशी नहीं उतारे थे। वहीं इस चुनाव में किसी दल के साथ गठबंधन नहीं करने पर उसके वोट आधे रह गए और उसका कोई भी प्रत्याशी जीत के लायक वोटों के आसपास तक नहीं पहुंच सका। सुरक्षित सीटों पर बसपा का बुरा हाल हुआ है। वर्ष 2014 के चुनाव में उसे सुरक्षित सीटों पर 39,71,139 वोट मिले थे, जबकि हालिया चुनाव में उसे इन सीटों पर केवल 18,24,322 वोट ही मिले हैं। 2019 के चुनाव में बसपा ने 10, जबकि सपा ने सात सुरक्षित सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे थे। भाजपा ने 17 सीटों में से 15 पर जीत दर्ज की थी, जबकि बसपा को दो सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

लड़की से बात करते थे बीजेपी नेता

नाराज युवक ने मारे थे 15 चाकू, 6 साल बाद मिली उम्रकैद

कानपुर, 11 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कानपुर के महेश्वरी मोहाल में साढ़े छह साल पहले हुई भाजपा नेता, बिल्डर सतीश कश्यप व उसके साथी ऋषभ की हत्या के मामले में तीन लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। साथ ही तीनों हत्यारों (सफाई नायक, उसके दो साथी) पर कोर्ट ने 20-20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। आरोपी सफाई नायक शिवपर्वत और उसके साथी, सतीश कश्यप के प्रेम प्रसंग से नाराज थे। इस वजह से उन्होंने सतीश कश्यप की हत्या कर दी। दरअसल, सफाई नायक को सतीश कश्यप और उसकी प्रेमिका के बीच बढ़ती नजदीकियों से परेशानी थी। यही कारण था कि सतीश कश्यप ने सफाई नायक का ट्रांसफर भी करवा दिया था। सतीश की इस हरकत से सफाई नायक की नाराजगी और बढ़ गई, जिसके बाद उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर सतीश पर दिनदहाड़े चाकू से हमला कर दिया। हमले से सतीश को बचाने आए साथी ऋषभ को भी उन्होंने मौत के घाट उतार दिया था।

बेटी ने बताई सच्चाई

सतीश कश्यप की बेटी ने बताया कि सफाई नायक शिवपर्वत की प्रेमिका कल्पना इटावा वाले मकाने के पास रहा करती थी। वो पिताजी जी से बात किया करती थी। इसी बात से सफाई नायक पिताजी से नाराज था और इसलिए उसने हत्या जैसी घटना को अंजाम दिया।

अदालत में क्या बोली बेटी?

भाजपा नेता सतीश कश्यप की बेटी ने कोर्ट के हत्या वाले दिन की पूरी कहानी बताई। बेटी ने बताया, 'मेरी आंखों के सामने मेरे पिता की चाकू से गोदकर हत्या की गई थी। पिता को बचाने आए ऋषभ को भी हत्यारों ने चाकू से गोदकर मार डाला था। हत्यारों ने चाकू से करीब 14-15 बार वार किया था। हल्ला करने पर मेरे पिता और उनके सहयोगी ऋषभ को चाकू मारकर तीनों वहां से फरार हो गए थे।'

क्या थी परिवार की मांग?

परिवार के वकील संजय कुमार झा ने कोर्ट में सुनवाई के दौरान दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की थी। कुमार ने अपने तर्क में कहा था कि दोषियों ने दिनदहाड़े बेखौफ होकर सार्वजनिक स्थान पर दो लोगों की हत्या कर दी, जिसमें एक की उम्र केवल 18 वर्ष थी। इसलिए इनको फांसी की सजा होनी चाहिए। वहीं, बचाव पक्ष ने आर्थिक स्थिति कमजोर होने और कोई आपराधिक इतिहास ना होने के चलते कम सजा की मांग की थी।

कमिश्नरेट के थानों के 200 पुलिसकर्मी ट्रैफिक पुलिस में होंगे शिफ्ट, अतिक्रमण पर रहेगा मुख्य फोकस

वाराणसी, 11 जून (एजेंसियां)। कमिश्नरेट के थानों में तैनात 200 सिपाही, हेड कांस्टेबल, दरोगा और इंस्पेक्टर ट्रैफिक पुलिस में शिफ्ट होंगे। कमिश्नरेट के थानों में तैनात इच्छुक पुलिस कर्मियों से पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने नाम मांगा है। निर्धारित संख्या में नाम न आने पर पुलिस आयुक्त खुद पुलिस कर्मियों को चयनित कर ट्रैफिक पुलिस में शिफ्ट करेंगे। यह व्यवस्था जल्द अमल में लाई जाएगी। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल का निर्देश है कि प्रत्येक थाने के 25 प्रतिशत पुलिस कर्मी रोजाना ट्रैफिक पुलिस के साथ समन्वय बनाकर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाएं। जाम की सूचना

मिलने पर थानाध्यक्ष और चौकी प्रभारी भी मौके पर जाकर समस्या का समाधान कराएं। मगर, पुलिस आयुक्त को फीडबैक मिला है कि थानों पर तैनात पुलिस कर्मी ट्रैफिक पुलिस के साथ यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए प्रभावी तरीके से काम नहीं कर रहे हैं। वह सिर्फ अफसरों के निरीक्षण के दौरान ही सड़क पर मौजूद रहकर चेहरा दिखाने का प्रयास करते हैं। ऐसे में पुलिस आयुक्त ने यह फैसला किया है।

अतिक्रमण न होने देने पर रहेगा मुख्य फोकस

कमिश्नरेट के थानों से शिफ्ट पुलिस कर्मियों का काम यह रहेगा कि चौराहों-तिराहों और मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण न हो। ठेला-पटरी दुकानदार, ऑटो व ई-रिक्शा अपनी निर्धारित जगह पर ही रहें। सड़क पर बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े न होने पाएं। जाम लगने पर ट्रैफिक और स्थानीय पुलिस के साथ समस्या का समाधान कराएं।

गोरखपुर में माफिया सुधीर सिंह को 2 साल की सजा

गैर लाइसेंसी असलहा बरामद हुआ था, माफिया के ससुर को भी 3 महीने का कारावास

गोरखपुर, 11 जून (एजेंसियां)। गोरखपुर में टॉप-10 माफिया सुधीर सिंह को कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई है। इस सजा के साथ ही माफिया सुधीर को 10 हजार रुपए अर्थदंड भी देना होगा। अर्थदंड न देने पर अभियुक्त सुधीर सिंह को 15 दिन का कारावास अलग से भुगतना होगा। यह सजा गैर लाइसेंसी असलहा बरामद होने के जुर्म में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी त्विषि श्रीवास्तव ने सुनाई है। इसके साथ ही माफिया सुधीर सिंह के ससुर नरसिंह को भी कोर्ट ने तीन माह के कारावास से दंडित किया है। नरसिंह बेलीपार इलाके के जंगल रानी सोहास कुंवारी टोला बड़ेरिया का रहने वाला है। जबकि, सुधीर सिंह शाहपुर इलाके के आदर्शनगर कॉलोनी का रहने वाला है। कोर्ट में अभियोजन पक्ष की ओर से अभियोजन अधिकारी संदीप सिंह और प्रत्युष दूबे का कहना था कि 6 अक्टूबर 2011 को प्रभारी निरीक्षक रविकांत परासर रेलवे स्टेशन रोड स्थित सरदार ढाबा तिराहे पर संदिग्ध वाहन और व्यक्ति की चेकिंग कर रहे थे। उसी समय एक स्कार्पियो गाड़ी चारफाटक की तरफ से आई। जिसे रोक कर चेक किया गया। वाहन में चार व्यक्ति बैठे थे। इनमें माफिया सुधीर सिंह भी शामिल थे। व्यक्तियों की जमा तलाशी की गई तो अभियुक्त के पास से एक डबल बैरल 12 बोर की बंदूक बरामद हुई। जिसके लाइसेंस के बारे में पूछने पर अभियुक्त ने बताया कि बंदूक का लाइसेंस उसके ससुर अभियुक्त नरसिंह के नाम से है। ऐसे में सुधीर सिंह के पास से गैर लाइसेंसी असलहा बरामद करने का जुर्म सिद्ध होने पर कोर्ट ने उसे दो साल की सजा से दंडित किया है।

पकड़ा गया नशीला इंजेक्शन

गोरखपुर, 11 जून (एजेंसियां)। महराजगंज में करीब दो हजार एम्पुल (इंजेक्शन) पकड़े गए हैं, जिसके तार भी भालोटिया से जुड़ रहे हैं। हैरत की बात तो यह है कि गोरखपुर के ड्रग इंस्पेक्टर ही इससे अनजान हैं, पिछले महीने नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम भी यहां से जांच कर जा चुकी है। भालोटिया मार्केट में हर ब्रांड की दवाएं थोक भाव में मिलती हैं। यहां से गोरखपुर-बस्ती और आजमगढ़ मंडल के अलावा बिहार और पश्चिम बंगाल के साथ ही पड़ोसी देश नेपाल तक दवाओं की आपूर्ति होती है। अनुमानतः हर दिन करीब 25 से 30 करोड़ रुपये का कारोबार होता है। इस मार्केट की साख का फायदा उठाकर नशीली दवाओं के धंधेबाज भी सक्रिय हो गए हैं।

चंबल नदी में बढ़ रहा घड़ियालों का कुनबा अंडों से नन्हें घड़ियालों की हैचिंग जारी

आगरा, 11 जून (एजेंसियां)। चंबल नदी में घड़ियालों का कुनबा बढ़ता जा रहा है , नन्हे घड़ियाल अब अंडो से बाहर आ रहे है और चंबल नदी में मस्ती कर रहे है। चंबल नदी सेंचुरी क्षेत्र में लगातार हैचिंग जारी है। अंडों से नन्हे घड़ियालों की हैचिंग जारी है, रोजाना नन्हे घड़ियाल अंडों से बाहर आ रहे है। वन विभाग विभाग द्वारा भी नन्हे घड़ियालों के अंडों की देखभाल की गई थी जिसका परिणाम है कि चंबल नदी सेंचुरी क्षेत्र में करीब 1 हजार नन्हे घड़ियाल की संख्या बढ़ने वाली है। नदी के पानी में नन्हे घड़ियाल तैर रहे है।

चंबल नदी के रेत में अंडों की रखवाली मादा घड़ियाल करती है, किसी भी प्रकार का खतरा अंडों पर न आए इसको लेकर मादा घड़ियाल लगातार निगरानी करती है। चंबल नदी सेंचुरी क्षेत्र में घड़ियालों के बढ़ते कुनबे की खबर एक अच्छी खबर है क्योंकि देखा गया था कि इस प्रजाति के जीवो की संख्या घटती जा रही थी। वन विभाग के प्रयास भी सफल नजर आ रहे है, जब नन्हे घड़ियाल अंडों से बाहर आ रहे है और उनका कुनबा बढ़ता जा रहा है। जानकारी के अनुसार करीब 1 हजार घड़ियाल की संख्या होने वाली है जो एक अच्छी खबर है।

1 करोड़ की रंगदारी मांगने के आरोप में फंसे पप्पू यादव, सांसद पर दर्ज हुआ एफआईआर

पूर्णिया, 11 जून (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से चुने गए नवनिर्वाचित सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के खिलाफ 10 जून को एफआईआर दर्ज कर लिया गया। एफआईआर में पप्पू यादव पर आरोप लगा है कि उन्होंने एक कारोबारी से 1 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगा था। रंगदारी न देने पर कारोबारी को जान से मारने की धमकी दी गई थी। मामले की शिकायत करने वाला कारोबारी पूर्णिया में फर्नीचर का व्यवसाय करता है। कारोबारी ने अपने लिखित आवेदन में बताया कि 4 जून को मतगणना के समय पप्पू यादव ने अपने आवास पर बुलाया और उसे 1 करोड़ रुपये देने को कहा। अगर वह 1 करोड़ रुपए नहीं देता है तो उसे जान से मार दिया जाएगा। कारोबारी से यह भी कहा गया कि अगर उसे अगले 5 साल तक चैन से रहना है तो उसे रंगदारी टैक्स देना पड़ेगा। नहीं तो वह पूर्णिया छोड़कर चला जाए।

कारोबारी से मांगा था 1 करोड़ की रंगदारी

कारोबारी ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि 2 अप्रैल 2021 को राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की ओर से उससे 10 लाख रुपये रंगदारी टैक्स मांगी गई थी। इसके अलावा कारोबारी ने यह भी बताया कि साल 2023 में दुर्गा पूजा के दौरान व्हाट्सएप कॉल पर 15 लाख रुपये और दो सोफा सेट मांगने के साथ-साथ धमकी और गाली गलौज की गई थी। शिकायत के आधार पर पूर्णिया के मुफस्सिल थाने में सांसद पप्पू यादव और उनके करीबी अमित यादव के खिलाफ मुफस्सिल थाने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा- 385/504/506/34 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामले पर क्या बोले पप्पू यादव

इस पूरे मामले को लेकर सांसद पप्पू यादव ने अपने एक्स हैंडल से एक पोस्ट शेयर किया है और उसमें उन्होंने लिखा है - देश प्रदेश की राजनीति में मेरे बढ़ते प्रभाव और आम लोगों के बढ़ते स्नेह से परेशान लोगों ने आज पूर्णिया में घृणित षड्यंत्र रचा है। एक अधिकारी और विरोधियों के इस साजिश को पूर्ण रूप से बेनकाब करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के अधीन इसकी निष्पक्ष जांच करवाई जाए, जो दोषी हो उसे फांसी दे दें।

हाल में ही बने थे सांसद

पप्पू यादव हाल में ही पूर्णिया सीट से विजयी होकर सांसद बने हैं और उनके सांसद बनते ही उन पर गंभीर आरोप लग गया। पप्पू यादव ने पूर्णिया से निर्दलीय चुनाव लड़ा था। जिसमें उन्हें 5.67 लाख से अधिक वोट मिले, जबकि जेडीयू उम्मीदवार को 5.43 लाख वोट मिले। आरजेडी से चुनाव लड़ रही बीमा भारती को यहां से केवल 27,120 वोट ही मिल पाए।

रेल मंत्रालय नहीं मिलने से जेडीयू नाराज? नीतीश कुमार की पार्टी ने कह दी बड़ी बात

पटना, 11 जून (एजेंसियां)। देश में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने के बाद बिहार से आठ सांसदों को मंत्री बनाया गया है। 4 को कैबिनेट में जगह मिली है जबकि चार राज्य मंत्री बनाए गए हैं। विभागों का भी बंटवारा हो गया है। बिहार के मंत्रियों को जो भी विभाग दिए गए हैं उसको लेकर आरजेडी हमलावर है कि झुनझुना थमा दिया गया है। ऐसे में सवाल है कि जो भी मंत्रालय मिले हैं क्या उससे जेडीयू नाराज है? मंगलवार को नीतीश कुमार की पार्टी के नेता और मंत्री मदन सहनी ने बड़ा बयान दिया। बिहार सरकार के मंत्री मदन सहनी ने कहा कि केंद्र में जेडीयू को जो विभाग मिले हैं उससे हम लोग संतुष्ट हैं। कोई नाराजगी नहीं। जो मंत्रालय ललन सिंह, रामनाथ ठाकुर को मिला है उसमें पूरे देश के लिए काम करने के लिए बहुत संभावनाएं हैं। बिहार सहित देश में काम होंगे। तेजी से विकास होगा। जो विभाग जेडीयू को मिले हैं उसमें बहुत स्कोप है। जनता के लिए काम किया जाएगा। मदन सहनी ने कहा कि रेलवे मंत्रालय की चर्चा जेडीयू को मिलने की इसलिए हो रही थी क्योंकि यह मंत्रालय बिहार को मिलता रहा है। नीतीश कुमार, लालू यादव, रामविलास के पास यह था। कहा कि जिसको भी रेल विभाग मिला उसमें ऐसा थोड़ी है कि वह सिर्फ रेल का काम अपने घर के आसपास करेगा। पूरे देश में काम होगा। रेलवे, कृषि, ऊर्जा मिले ऐसी हम लोगों की कोई इच्छा नहीं थी। इच्छाएं अनंत होती हैं। मदन सहनी ने कहा कि जेडीयू से एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और एक राज्य मंत्री बनाए गए हैं।

मुरादाबाद में मस्जिद के इमाम की हत्या

सुबह 4 बजे हमलावरों ने कॉल करके बुलाया, घर के बाहर सीने में मारी गोली

मुरादाबाद, 11 जून (एजेंसियां)। मुरादाबाद में मस्जिद के इमाम की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने मंगलवार सुबह 4 बजे इमाम को कॉल करके बुलाया। घर से बाहर सीने में गोली मार दी। इमाम की मौके पर मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। लाश से थोड़ी दूर पर 12 बोर का तमंचा मिला है। पुलिस मौलाना की पत्नी से पूछताछ कर रही है। घटना शहर से सटे भैंसिया गांव की है। गांव के बीच में एक बड़ी मस्जिद है। इसमें रामपुर के चाऊपुरा मसवासी गांव के रहने वाले अकरम 15 सालों से इमामत करते थे। गांव में ही उन्होंने घर बना लिया था। इसमें इमाम अपनी पत्नी और 6 बच्चों के साथ रहते थे।

गांव के प्रधान शान के पिता जब्बार ने बताया- मौलाना घर की दूसरी मंजिल पर सो रहे थे। सुबह 4 बजे के करीब उनके पास किसी की कॉल आई। मौलाना से बाहर आने को कहा। मौलाना नीचे उतर कर आए और घर का दरवाजा खोला। वहां से हमलावर उन्हें पकड़कर घर के पीछे एक खंडहर में ले गए। वहां गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। मौलाना यहां 15 सालों से थे। उनका किसी से विवाद नहीं चल रहा था। मस्जिद के इमाम की हत्या की खबर मिलते ही पूरा गांव इकट्ठा हो गया। तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी गई। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया और अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। घटना के वक्त पत्नी आमना घर पर नहीं थी। वह रामपुर स्थित मायके गई थी। वारदात की सूचना पर घर पहुंची। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया और अन्य पुलिस अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं।

आरएसएस चीफ भागवत बोले- काम करें, अहंकार न पालें

चुनाव में मुकाबला जरूरी, लेकिन झूठ पर आधारित न हो; संसद में विपक्ष को विरोधी न मानें

नागपुर, 11 जून (एजेंसियां)। आरएसएस चीफ मोहन भागवत सोमवार 10 जून को नागपुर में संघ के कार्यकर्ता विकास वर्ग के समापन में शामिल हुए। यहां भागवत ने चुनाव, राजनीति और राजनीतिक दलों के रवैये पर बात की। भागवत ने कहा- जो मर्यादा का पालन करते हुए कार्य करता है, गर्व करता है, किन्तु लिप्त नहीं होता, अहंकार नहीं करता, वही सही अर्थों मे सेवक कहलाने का अधिकारी है। उन्होंने कहा कि जब चुनाव होता है तो मुकाबला जरूरी होता है। इस दौरान दूसरों को पीछे धकेलना भी होता है, लेकिन इसकी एक सीमा होती है। यह मुकाबला झूठ पर आधारित नहीं होना चाहिए। भागवत ने मणिपुर की स्थिति पर कहा- मणिपुर एक साल से शांति की राह देख रहा है। बीते 10 साल से राज्य में शांति थी, लेकिन अचानक से वहां गन कल्चर बढ़ गया। जरूरी है कि इस समस्या को प्राथमिकता से सुलझाया जाए।

संघ चुनाव नतीजों के एनालिसिस में नहीं उलझता

लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद बाहर का माहौल अलग है। नई सरकार भी बन गई है। ऐसा क्यों हुआ, संघ को इससे मतलब नहीं है। संघ हर चुनाव में जनमत को परिष्कृत करने का काम करता है, इस बार भी किया, लेकिन नतीजों के विश्लेषण में नहीं उलझता। लोगों ने जनादेश दिया है, सब कुछ उसी के अनुसार होगा। क्यों? कैसे? संघ इसमें नहीं पड़ता। दुनियाभर में समाज में बदलाव आया है, जिससे व्यवस्थागत बदलाव हुए हैं। यही

लोकतंत्र का सार है।

चुनावी मुकाबला झूठ पर आधारित न हो

जब चुनाव होता है, तो मुकाबला जरूरी होता है, इस दौरान दूसरों को पीछे धकेलना भी होता है, लेकिन इसकी भी एक सीमा होती है - यह मुकाबला झूठ पर आधारित नहीं होना चाहिए। लोग क्यों चुने जाते हैं - संसद में जाने के लिए, विभिन्न मुद्दों पर आम सहमति बनाने के लिए। हमारी परंपरा आम सहमति बनाने की है।

संसद में सहमति बनाएं, विपक्ष को विरोधी नहीं, प्रतिपक्ष कहें

संसद में दो पक्ष क्यों होते हैं? ताकि, किसी भी मुद्दे के दोनों पक्षों को संबोधित किया जा सके। किसी भी सिक्के के दो पहलू होते हैं, वैसे ही हर मुद्दे के दो पहलू होते हैं। संसद में दो पक्ष जरूरी हैं। देश चलाने के लिए सहमति जरूरी है। संसद में सहमति से निर्णय लेने के लिए बहुमत का प्रयास किया जाता है, लेकिन हर स्थिति में दोनों पक्ष को मर्यादा का ध्यान रखना होता है। संसद में किसी प्रश्न के दोनों पहलू सामने आएं, इसलिए ऐसी व्यवस्था है। विपक्ष को विरोधी पक्ष की जगह प्रतिपक्ष कहना चाहिए।

चुनाव ऐसे लड़ा, जैसे मुकाबला नहीं, युद्ध हो

जो लोग कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद इस दिशा में आगे बढ़े हैं, उनके बीच इस तरह की सहमति बनाना मुश्किल है। इसलिए हमें बहुमत पर निर्भर रहना पड़ता है। पूरी प्रतिस्पर्धा इसी के लिए है, लेकिन इसे ऐसे लड़ा गया, जैसे यह युद्ध हो। जिस तरह से चीजें हुई हैं, जिस तरह से दोनों पक्षों ने कमर कसकर हमला किया है, उससे विभाजन होगा, सामाजिक और मानसिक दरारें बढ़ेंगी। अनावश्यक रूप से आरएसएस जैसे संगठनों को इसमें शामिल किया गया है। तकनीक का उपयोग करके झूठ फैलाया गया, सरासर झूठ। क्या तकनीक और ज्ञान का मतलब एक ही है? ऋग्वेद के ऋषियों को मानव मन की समझ थी, इसीलिए उन्होंने स्वीकार किया कि 100 प्रतिशत लोग एकमत नहीं हो सकते, लेकिन इसके बावजूद जब समाज आम सहमति से काम करने का फैसला करता है, तो वह सह-चित्त बन जाता है।

मर्यादा का पालन करे, अहंकार न करें, वही सही सेवक

बाहरी विचारधाराओं के साथ समस्या यह है कि वे खुद को सही होने का एकमात्र संरक्षक मानते हैं। भारत में जो धर्म और विचार आए, कुछ लोग अलग-अलग कारणों से उनके अनुयायी बन गए, लेकिन हमारी संस्कृति को इससे कोई समस्या नहीं है। हमें इस मानसिकता से छुटकारा पाना होगा कि सिर्फ हमारा विचार ही सही है, दूसरे का नहीं। जो अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए मर्यादा की सीमाओं का पालन करता है, जो अपने काम पर गर्व करता है, फिर भी अनासक्त रहता है, जो अहंकार से रहित होता है - ऐसा व्यक्ति वास्तव में सेवक कहलाने का हकदार है।

मणिपुर जल रहा, इस पर कौन ध्यान देगा ?

एक साल से मणिपुर शांति की राह देख रहा है। इससे पहले 10 साल शांत रहा और अब अचानक जो कलह वहां पर उपजी या उपजाई गई, उसकी आग में मणिपुर अभी तक जल रहा है, त्राहि-त्राहि कर रहा है। इस पर कौन ध्यान देगा? प्राथमिकता देकर उसका विचार करना यह कर्तव्य है। मणिपुर हिंसा में 200 से ज्यादा मौतें हुई हैं और 50 हजार लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

भारत ही चुनौतियों का समाधान दे सकता है

डॉ। अंबेडकर ने भी कहा है कि किसी भी बड़े परिवर्तन के लिए आध्यात्मिक कायाकल्प आवश्यक है। हजारों वर्षों के भेदभावपूर्ण व्यवहार के परिणामस्वरूप विभाजन हुआ है, यहां तक कि किसी प्रकार का गुस्सा भी। हमने अर्थव्यवस्था, रक्षा, खेल, संस्कृति, प्रौद्योगिकी जैसे कई क्षेत्रों में प्रगति की है। इसका मतलब यह नहीं है कि हमने सभी चुनौतियों पर विजय प्राप्त कर ली है। पूरा विश्व चुनौतियों से मुक्ति के लिए किसी न किसी रूप में प्रयास कर रहा है और भारत ही इसका समाधान दे सकता है। अपने समाज को इसके लिए तैयार करने के लिए स्वयंसेवक संघ शाखा में आते हैं।

बाहर से आई विचारधारा में सिर्फ वे ही सही, बाकी गलत

हजारों वर्षों से जो पाप हमने किया, उसको साफ करना पड़ेगा। ऐसे ही आपस में मिलना-जुलना है। भारतोद्भव जो लोग हैं, उनसे मिलना आसान है, क्योंकि एक ही बुनियाद है। वही यम नियमात्मक आचरण का पुरस्कार सर्वत्र है। और एक से सब निकला है। एकम सत विप्रा बहुधा वदंति। रोटी-बेटी सब प्रकार के व्यवहार होने दो, लेकिन जो बाहर की विचारधारा आई हैं, यह उनकी प्रकृति ऐसी थी। हम ही सही, बाकी सब गलत। अब उसको ठीक करना पड़ेगा, क्योंकि वह आध्यात्मिक नहीं है। इन विचारधाराओं में जो अध्यात्म है, उसको पकड़ना पड़ेगा। पैगंबर साहब का इस्लाम क्या है, ये सोचना पड़ेगा। ईसा मसीह की ईसाइयत क्या है, सोचना पड़ेगा। भगवान ने सबको बनाया है। भगवान की बनाई जो कायनात है, उसके प्रति अपनी भावना क्या होनी चाहिए, सोचना पड़ेगा।

बाहर के विचार हमारे यहां रह गए, इससे फर्क नहीं पड़ता

समाज में एकता चाहिए, लेकिन अन्याय होता रहा है, इसलिए आपस में दूरी है। मन में अविश्वास है, हजारों वर्षों का काम होने के कारण चिढ़ भी है। अपने देश में बाहर से आक्रांता आए, आते समय अपना तत्वज्ञान भी लेकर आए। यहां के कुछ लोग विभिन्न कारणों से उनके विचारों के अनुयाई बन गए, ठीक है। अब वे लोग चले गए, उनके विचार रह गए। उनको मानने वाले रह गए।

विचार वहां के (बाहर के) हैं तो यहां की परंपरा को उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। बाहर के विचारों में जो हम ही सही, बाकी सब गलत है, उसको छोड़ो। मतांतरण वगैरह करने की जरूरत नहीं है। सब मत (धर्म) सही हैं, सब समान हैं तो फिर अपने मत पर ही रहना ठीक है। दूसरों के मत का भी उतना ही सम्मान करो।

'शुरुआत में हम कम सक्षम थे। तब हमें आरएसएस की जरूरत पड़ती थी। अब हम सक्षम हैं। आज बीजेपी खुद अपने आप को चलाती है।' ये बयान लोकसभा चुनाव में चौथे राउंड की वोटिंग के बाद बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा का था। ...और ये अचानक नहीं था। उस खींचतान का नतीजा था, जो बीजेपी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, यानी आरएसएस के बीच 3-4 साल से चल रही है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार 28 अप्रैल को कहा कि संघ ने कभी भी कुछ खास वर्गों को दिए जाने वाले आरक्षण का विरोध नहीं किया है। हैदराबाद में एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि संघ का मानना है कि जब तक जरूरत है, आरक्षण जारी रहना चाहिए। भागवत ने यह बात भाजपा और कांग्रेस के बीच आरक्षण को लेकर चल रहे बयानों के बाद कही।

आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा कि जब मैं यहां आया तो एक वीडियो वायरल किया जा रहा था कि आरएसएस आरक्षण के खिलाफ है। हम इस बारे में बाहर बात नहीं कर सकते। अब यह पूरी तरह से झूठ है। संघ शुरू से ही संविधान के अनुसार सभी आरक्षणों का समर्थन करता रहा है।

महाराष्ट्र के ठाणे में फैक्ट्री में लगी भीषण आग

ठाणे, 11 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे के भिवंडी तालुका के सरावली एमआईडीसी में एक फैक्ट्री में आग लग गई है। मौके पर दमकल की गाड़ियां पहुंच गई हैं। आग की खबर सुनते ही लोग इधर-उधर अपनी जान बचाकर भागने लगे। आग लगने की घटना एक वीडियो भी सामने आया है। एक नगर निगम अधिकारी ने बताया, जिले के भिवंडी इलाके में एक सैनिटरी नैपकिन फैक्ट्री में मंगलवार तड़के आग लग गई, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। भिवंडी-निजामपुर नगर निगम आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के अधिकारी राजू वारलीकर ने बताया कि सरावली औद्योगिक क्षेत्र में स्थित फैक्ट्री में आग तड़के करीब तीन बजे लगी। उन्होंने बताया कि बीएनएमसी की दमकल टीमों के साथ-साथ ठाणे और कल्याण-डोंबिवली की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और सुबह साढ़े आठ बजे आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन फैक्ट्री में रखा कच्चा माल जल गया। उन्होंने बताया कि कूलिंग ऑपरेशन चल रहा है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

फेक बैंक अधिकारी बन महिला ने की 54 करोड़ रुपये की ठगी

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां)। नवी मुंबई पुलिस ने एक महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसने कथित तौर पर एक राष्ट्रीयकृत बैंक की अधिकारी बनकर मुंबई महानगर क्षेत्र लौह और इस्पात बाजार समिति से 54 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी की है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कलंबोली स्थित समिति के एक अधिकारी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, एक महिला ने जून 2022 में पनवेल में एक राष्ट्रीयकृत बैंक की प्रबंधक बनकर सदस्यों और पदाधिकारियों से संपर्क किया। अधिकारी

ने कहा कि उसने उनका विश्वास हासिल किया और समिति के धन को सावधि जमा में निवेश करने का लालच दिया, फर्जी दस्तावेजों के साथ कोटेशन जमा करने के बाद उन्हें उच्च ब्याज दर का वादा किया। उन्होंने कहा कि सदस्यों और पदाधिकारियों ने 54.28 करोड़ रुपये का निवेश किया और आरोपी महिला ने इसके लिए फर्जी और मनगढ़ंत रसीदें जारी कीं। अधिकारी ने कहा कि जब समिति ने जमा की अवधि समाप्त होने पर धन वापसी और ब्याज मांगा, तो उसने टालमटोल जवाब दिया और राशि वापस करने में विफल रही। उन्होंने बताया कि आरोपी ने 24 मई, 2024 को बैंक के कोषागार और निवेश विभाग द्वारा जारी एक फर्जी पत्र भी पेश किया, जिसमें पैसे और ब्याज की राशि लौटाने के लिए और समय मांगा गया था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने सोमवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 465 (जालसाजी) और अन्य संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है।

रेलवे को कोर्ट से झटका

अदा करनी होगी ब्याज सहित माल की राशि पश्चिम रेलवे जोन की अपील खारिज

जबलपुर, 11 जून (एजेंसियां)। हाईकोर्ट जस्टिस एके सिंह ने रेलवे दावा अधिकरण द्वारा साल 2001 में पारित आदेश को न्याय उचित करार दिया है। पूर्व तथा पश्चिम रेलवे जोन के महाप्रबंधक की तरफ से दायर की गयी अपील में कहा गया था कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने मई 1990 को एक वैगन पिग आयरन दुर्गापुर स्टील प्लांट से लक्ष्मी नगर के लिए बुक किया था। लक्ष्मी नगर पहुंचने पर सेल ने माल उठा लिया था। माल प्राप्त करते समय डिलीवरी बुक में हस्ताक्षर भी किये गये थे। इसके बाद सेल ने माल कम होने की बात करते हुए स्टेशन मास्टर से तौल करने की बात कहीं। स्टेशन मास्टर ने तौल करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क करने के लिए कहा था।

सेल ने माल की तौल करवाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क नहीं किया और माल उठाकर लें गये। सेल ने 2.28। मीट्रिक टन माल कम बताते हुए रेलवे दावा अधिकरण में प्रकरण दायर कर दिया। रेलवे दावा अधिकरण ने 9199.80 पैसा 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर के साथ दिये जाने का आदेश जारी कर दिये। याचिकाकर्ताओं की तरफ से तर्क दिया गया कि निजी साइडिंग में रेलवे की तौल मशीन नहीं होती है। इसके बाद रेलवे दावा अधिकरण में 21 दिन देर से दावा किया गया था। आपत्ति के बावजूद भी न्यायालय के विलंब को स्वीकार कर लिया। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा कि सेल सरकारी उद्यम है। माल कम होने का उसने विरोध जताते हुए तौल करवाने की बात कही थी। इसके बाद सेल माल उठाकर ले गया और निजी तौर पर तौल कारवाई। तौल में माल कम होने पर रेलवे दावा अधिकरण के समक्ष दावा किया। एकलपीठ ने याचिका को खारिज करते हुए रेलवे दावा अधिकरण के आदेश को बरकरार रखा है।

दिल्ली से 997 क्लस्टर बसें होंगी गायब: परिवहन मंत्री ने मांगी रिपोर्ट, कर्मचारियों को सता रहा ये बड़ा डर

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। आने वाले समय में दिल्ली के लोगों को सार्वजनिक परिवहन बेड़े में चलने वाली क्लस्टर स्कीम की ऑरेंज बसों की किल्लत झेलनी पड़ सकती है। क्लस्टर स्कीम की करीब 997 बसों की परिचालन अवधि समाप्त हो रही है। इस वजह से 19 जून के बाद से ये बसें नहीं चलेंगी।

शरजील इमाम को जमानत न देने की कोई उचित वजह नहीं

राजद्रोह मामले में बेल पर दिल्ली एचसी की टिप्पणी

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में साल 2020 में हुए दंगे के मामले में शरजील इमाम को लेकर हाईकोर्ट की टिप्पणी सामने आई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि 2020 के सांप्रदायिक दंगों से जुड़े राजद्रोह और गैरकानूनी गतिविधियों के मामले में छात्र एक्टिविस्ट शरजील इमाम को जमानत नहीं देने का कोई उचित कारण नहीं था। कोर्ट ने कहा कि अधीनस्थ न्यायालय ने आरोपों की व्यापकता से प्रभावित होकर उसे राहत देने से इनकार कर दिया था। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता वाली पीठ ने गिरफ्तारी के चार साल से अधिक समय बाद 29 मई को इमाम को जमानत दी थी। हाल में अपलोड किए गए पीठ के आदेश में कहा गया है कि आरोपों के गंभीर होने मात्र से दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 436-ए के तहत जमानत देने से इनकार नहीं किया जा सकता। इस मामले में हमें कोई उचित कारण नहीं मिला, जिसके कारण कोर्ट को राहत न देने के लिए बाध्य होना पड़ा। बेंच ने कहा कि अधीनस्थ कोर्ट ने आरोपों की व्यापकता को देखते हुए यह पाया कि उन्होंने भड़काऊ भाषण दिए थे, जिसके कारण दंगे हुए, इसलिए जमानत देने से इनकार कर दिया गया। वहीं अभियोजन पक्ष के अनुसार शरजील इमाम ने 13 दिसंबर 2019 को जामिया मिलिया इस्लामिया और 16 दिसंबर 2019 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में भाषण दिए, जहां उसने असम और शेष पूर्वोत्तर को देश से काटने की धमकी दी थी। इसी आरोप के आधार पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मामला दर्ज किया। शुरुआत में देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया और बाद में 2022 में निचली अदालत ने आईपीसी की धारा 124 ए, 153 ए, 153 बी, 505 और धारा 13 के तहत आरोप तय किए थे। वह इस मामले में 28 जनवरी, 2020 से हिरासत में थे।

हाईकोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

पति के रिश्तेदारों को चाय न देने पर तलाक नहीं

गुरूग्राम, 11 जून (एजेंसियां)। हरियाणा हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि यदि पत्नी पति के रिश्तेदारों अथवा दोस्तों के लिए चाय नहीं बनाती, तो इसे पति पर अत्याचार नहीं माना जा सकता और इस आधार पर तलाक की मांग को स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह फैसला जस्टिस सुधीर सिंह और जस्टिस हर्ष बुंगर की खंडपीठ ने सुनाया। फैमिली कोर्ट ने पति की तलाक की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसके बाद पति ने हाईकोर्ट में अपील की थी। पति ने अपनी याचिका में कहा कि पत्नी मामूली बातों पर झगड़ा करती है और रिश्तेदारों व दोस्तों के लिए चाय तक नहीं बनाती। इसके चलते उनका वैवाहिक जीवन तनावपूर्ण हो गया है और इसका असर उसके काम पर भी पड़ रहा है। हालांकि, हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को सही ठहराया और पति की अपील को खारिज कर दिया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि मामूली कहासुनी और घर के अंदरूनी मामलों को तलाक का आधार नहीं बनाया जा सकता। यह शादी के ताने-बाने का हिस्सा हैं और इसके साथ जीवन यापन करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इससे पहले भी एक मामले में हाईकोर्ट ने ऐसा ही फैसला सुनाया था, जिसमें पति ने तलाक की मांग करते हुए कहा था कि पत्नी उसके लिए खाना नहीं बनाती है। कोर्ट ने उस मामले में भी तलाक की याचिका को खारिज कर दिया था। इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है कि पति-पत्नी के बीच मामूली विवाद और घरेलू मामलों को तलाक का आधार नहीं माना जा सकता।

गुना में चोर को पकड़ा और अर्धनग्न कर घुमाया, माथे पर लिखा- मैं चोर हूं

गुना, 11 जून (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के गुना जिले में मानवता को मार देने वाला मामला सामने आया है। यहां लोगों ने एक चोर को पकड़ लिया और फिर उसके साथ अमानवियता शुरू हुई। लोगों ने उसके माथे पर एक कागज चिपकाकर लिखा- मैं चोर हूं, किसानों की फसल चुराता हुं। लोग यहां तक ही नहीं रुके, उन्होंने माथे पर कागज चिपकाकर आरोपी चोर को अर्धनग्न किया और फिर उसे मंडी में घुमाया। यह मामला गुना शहर की नानाखेड़ी मंडी का बताया जा रहा है, जहां किसानों ने सोमवार को चोरी के आरोप में एक बुजुर्ग को पकड़ लिया।

प्रधानमंत्री सदन को अलग ढंग से नहीं चलाना चाहते

रिजिजू को संसदीय कार्य मंत्री बनाने पर कांग्रेस

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद नरेंद्र मोदी ने सोमवार शाम को अपने मंत्रियों के विभागों का बंटवारा किया। मोदी ने अपने पुराने सिपहसालारों पर भरोसा करते हुए मंत्रिमंडल में किसी बड़े बदलाव से गुरेज किया है। हालांकि उन्होंने किरेन रिजिजू को इस बार संसदीय कार्य मंत्रालय सौंपा है। इसी को लेकर अब कांग्रेस ने पीएम मोदी को घेर लिया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रिजिजू को संसदीय कार्य मंत्रालय दिए जाने पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि संसदीय मामलों के विभागों के आवंटन से एक बात बिल्कुल स्पष्ट है।

प्रधानमंत्री इसे लेकर जरा भी विश्वास पैदा नहीं करना चाहते हैं कि संसद पिछले दशक में जिस तरीके से चल रही थी उससे अलग ढंग से काम करे। उन्होंने आगे कहा, 'परंतु दिव्य संकेत कुछ भी हो, आने वाले दिनों में इंडिया जनबंधन का ध्येय बिल्कुल साफ है- संसद के दोनों सदनों में लोगों की इच्छा और जनादेश को लगातार मजबूती से प्रतिबिंबित करते रहना।' बता दें, किरेन रिजिजू ने मंगलवार को संसदीय कार्य मंत्रालय का कार्यभार संभाला। इसके अलावा उन्हें अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का भी प्रभार सौंपा गया है। इससे पहले वह पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं।

एनडीए दलों को झुनझुना मिला

मोदी सरकार में मंत्रालय का बंटवारा होते ही संजय सिंह का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के गठन के बाद एक बार फिर से बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सोमवार को बीजेपी के नेतृत्व वाली तथाकथित एनडीए सरकार के मंत्रालय की घोषणा हुई। तथाकथित गठबंधन इसलिए कहा क्योंकि अभी भी इस सरकार को मोदी 3.0 कहा जा रहा है। एनडीए के घटक दलों का मंत्रालय देखें, तो न गृह मिला, न रक्षा, न वित्त, न विदेश, न वाणिज्य, न कृषि, न शिक्षा, न स्वास्थ्य, न दूरसंचार मिला और सिर्फ झुनझुना मिला। संजय सिंह ने यह पहला संकेत है। बीजेपी की जो कार्यशैली है, घटक दलों को समाप्त करना उसकी शुरुआत हो गई है। जब ये लोग नवीन पटनायक के साथ थे तो उनके साथ कैसा बर्ताव किया। उद्धव ठाकरे का तीर कमान चुराया, शरद पवार की घड़ी चुरा ली। इन्होंने पार्टियों

को तोड़ा है दस साल में। अभी जैसे झुनझुना मंत्रालय दिया है घटक दलों को, अब अगला चरण इन पार्टियों को खत्म करना होगा। आप सांसद ने आगे कहा कि अगर बीजेपी का स्पीकर बन गया तो तीन खतरा होगा। संविधान की धज्जियां उड़ाई जाएंगी, एनडीए के घटक दलों को तोड़कर बीजेपी के साथ मिलाया जाएगा और कोई भी मनमाना बिल सरकार लेकर आएगी और विपक्ष के सवाल उठाने पर उसे मार्शल से बाहर फेंकवाया जाएगा। इससे पहले संजय सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा था, टीडीपी ने बहुत समझदारी का फैसला किया है

रेलवे पर पीएम मोदी का क्यों है पूरा फोकस

मंत्री पद संभालते ही अश्विनी वैष्णव ने बताई वजह

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। रविवार को मंत्री पद की शपथ लेते ही केंद्र में मोदी 3.0 की सरकार एक्शन मोड में आ गई है। विभाग सौंपे जाने के बाद आज मंत्री अपना पदभार संभाल रहे हैं। अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार सुबह रेल मंत्री का कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने कहा कि लोगों ने पीएम मोदी को देश की सेवा करने के लिए फिर से चुना और अपना आशीर्वाद दिया है। आने वाले सालों में रेलवे की बहुत बड़ी भूमिका होगी। पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेलवे में बहुत ज्यादा सुधार किए हैं।

रेलवे आम आदमी के परिवहन का साधन

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इनमें रेलवे का विद्युतीकरण, ट्रैक पर नई पटरियां बिछाई जाना, कई तरह की नई

ट्रेनें और रेलवे में नई सेवाएं और स्टेशनों का पुनर्विकास शामिल है। ये सभी पिछले 10 सालों में रेलवे विभाग में पीएम मोदी की बड़ी उपलब्धियां हैं। अश्विनी वैष्णव ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रेलवे को हमेशा ही फोकस में रखा है, क्योंकि रेलवे आम आदमी के परिवहन का साधन है। हमारे देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत रीढ़ है।

मोदी का रेलवे से भावनात्मक जुड़ाव

इसके साथ ही रेल मंत्री ने कहा कि इन्हीं सब चीजों को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी का रेलवे पर बहुत ज्यादा फोकस है। पीएम मोदी का रेलवे से भावनात्मक जुड़ाव है। वह इसके लिए पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हैं। वह इस कार्यकाल में भी रेलवे के लिए अभूतपूर्व काम करेंगे।

रेलवे के साथ इन दो और मंत्रालय को संभाल रहे अश्विनी वैष्णव

बता दें कि अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में रेलवे के साथ ही सूचना-प्रसारण और आईटी मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली है। मंगलवार सुबह उन्होंने तीनों ही मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया। ऑफिस के सभी सहयोगियों और कर्मचारियों से उन्होंने बातचीत की और काम का जायजा लिया।

जिरीबाम में भड़की हिंसा के कारण दो हजार लोग विस्थापित, हाई अलर्ट पर असम का कछार जिला

इंफाल, 11 जून (एजेंसियां)। मणिपुर के जिरीबाम में भड़की हिंसा के कारण लगभग दो हजार लोगों को विस्थापित करना पड़ा। मौजूदा हालात को देखते हुए सुरक्षा बलों ने पड़ोसी राज्य असम के कछार जिले को हाई अलर्ट पर रखा है। असम के लखीपुर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक कौशिक राय ने बताया कि लगभग 10,000 लोगों ने कछार में शरण ली है। दरअसल, लखीपुर मणिपुर के जिरीबाम से सटा हुआ क्षेत्र है। विधायक कौशिक राय के अनुसार, कछार में शरण लेने वाले ज्यादातर लोग कुकी और हमार हैं। ये दोनों ही जो जनजाति का हिस्सा है। विस्थापित लोगों में मैतेई समुदाय के लोग भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, हमने डीसी और एसपी के साथ सोमवार को लखीपुर में रहने वाले विभिन्न सामुदायिक संगठनों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में हमने इस बात पर जोर दिया कि मणिपुर में जारी हिंसा को आगे भड़काना नहीं चाहिए। हमारे यहां बंगाली, हिंदी भाषी, बंगाली और मणिपुरी मुस्लिम, बिहारी, दिमासा, हमार, कुकी, खासी और रोंगमेई, अन्य विविध आवादी हैं। कुछ ऐसे लोग हैं, जिन्होंने यहां आश्रय मांगा है, लेकिन इससे असम प्रभावित नहीं होना चाहिए। कछार के एसपी ने बताया कि लखीपुर में सुरक्षा के सभी इंतजाम किए गए हैं। विशेष कमांडो को भी तैनात किया गया है। उन्होंने कहा, जिरीबाम के हमार मिजो वेंग का निवासी अब कछार के हमारखावलीन गांव में रह रहा है। वह उन लोगों में से था, जो हिंसा के समय अपने परिवार के साथ भाग गए थे। छह जून की रात वे नाव से जिरी नदी पार कर यहां पहुंचे थे। कछार में रह रहे व्यक्ति ने कहा, लोगों की संख्या बढ़ सकती है। अभी फिलहाल 400 लोग हैं। हमें नहीं मालूम कि अब यहां से वापस जाना कब संभव होगा। जिला प्रशासन के अनुसार, जिरीबाम जिले के छह राहत शिविरों में अभी तक 918 लोग रह रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 12 जून- 2024

और शक्तिशाली बनी सरकार

मोदी मंत्रिमंडल के गठन के जिस तरह सिर्फ एक दिन बाद ही विभागों का बँटवारा हो गया, उससे तो यही साबित हो रहा है कि यह सरकार अब तक की सबसे दबंग या सबसे शक्तिशाली गठबंधन है। सरकार के गठन के बाद विपक्ष को विश्वास था कि मोदी पहली बार गठबंधन सरकार के प्रधानमंत्री बने हैं वे ज्यादा दिन तक सरकार नहीं चला पाएंगे। लेकिन उन्होंने जिस दबंगता से विभागों का बंटवारा किया है उसे देखते हुए लगता तो नहीं कि उन पर गठबंधन का कोई असर है। यह तो सभी जानते हैं कि जब पहली मिली- जुली जनता सरकार बनी थी तो रोज नए -नए झगड़े होते थे। किसी को मलाईदार मंत्रालय चाहिए था, किसी को एक हटे तो खुद को प्रधानमंत्री बनने की चाह थी। आपसी झगड़ों का फ़ायदा कांग्रेस ने उठाया और जनता पार्टी सरकार अधूरे कार्यकाल में ही चल बसी। फिर दूसरी गठबंधन सरकार विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में बनी। उसमें भी हुए अजीब तमाशों को भला कोई कैसे भूल सकता है। कभी चौधरी देवीलाल कोप भवन में बैठ जाते तो कभी मुफ़्ती सईद की बेटी को छुड़ाने के लिए आतंकवादियों को रिहा करना पड़ा था। फिर युवा तुर्क कहे जाने वाले चंद्रशेखर के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनी लेकिन वहाँ भी समझौतों के सिवाय कुछ नहीं था। यह सरकार भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। बाद में इसी तरह की कमजोर सरकारें देवगौडा और गुजराल की भी रही। शुरूआत में अटलजी की सरकार को भी कई समझौते करने पड़े। उनकी सरकार एक बार तेरह दिन में और दूसरी बार तेरह महीनों में गिर गई। तीसरी बार भी अटल जी ने गठबंधन सरकार ही बनाई लेकिन वह पहली गठबंधन सरकार थी जिसने अपना कार्यकाल पूरा किया। बाद में मनमोहन सिंह के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनी। पूरे दस साल चली। दो कार्यकाल उसने पूरे किए लेकिन वह हमेशा समझौतों में उलझी रही। नरेंद्र मोदी की यह पहली सरकार है जो मिली- जुली है लेकिन अभी तक लगता नहीं कि उसने कोई समझौता किया है। हाँ, पूर्ण बहुमत नहीं आने के कारण कुछ आवाज़ें ज़रूर उठने लगी हैं। इनमें से कुछ आवाज़ें उस राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की तरफ़ से भी है जिसे भाजपा की रीढ़ की हड्डी कहा जाता रहा है। दस साल से चुप बैठा संघ अब अचानक परोक्ष रूप से ही सही, भाजपा को सीख देने लगा है। इस नई सीख पर कोई प्रतिक्रिया तो फ़िलहाल आने वाली नहीं है लेकिन परिणाम यह ज़रूर होगा कि सरकार अपने काम में गंभीरता जरूर लाएगी। सरकार को सामने दो बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं, जिनकी अनदेखी करते हुए आगे बढ़ना मुमकिन नहीं है। ये हैं बेरोजगारी और असमानता। इंटरनैशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के मुताबिक देश में 80% बेरोजगार युवा हैं। जहां तक असमानता की बात है तो उसे अक्सर तेज विकास के आगे ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती, लेकिन याद रखने की बात है कि तेज विकास को अगर टिकाऊ बनाना हो तो असमानता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बहरहाल, खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प से बंधे हैं। ऐसे में मौजूदा जनादेश की सबसे उपयुक्त व्याख्या यही है कि विपक्ष की राजनीतिक मुद्दों भटकने की बजाय सरकार विकास के अजेंडे पर एकाग्र हो कर काम करे, तभी देश व देशवासियों का भला हो सकता है।

सूरजमल ने आज के दिन लालकिला पर किया था कब्जा

मुनीष त्रिपाठी

इतिहास का ऐसा महान योद्धा जिसे इतिहास में दुर्भावना के चलते उचित स्थान नही दिया गया। भरतपुर रियासत के महाराजा सूरजमल कभी भी युद्ध नही हारे थे । उन्होंने 12 जून 1761 को मुगलों को परास्त करने के बाद आगरा और लालकिला पर कब्जा कर लिया था । यह कब्जा जाटों का दस सालों से ज्यादा समय तक सूरजमल के पुत्र जवाहर सिंह की मृत्यु तक बना रहा । महाराजा के पिता बदन सिंह ने अपने जीवित रहते ही होनहार सूरजमल को शासन की बागडोर दे दी थी। बदन सिंह बेहद धार्मिक प्रवत्ति के थे उन्होंने अपना अंतिम समय अपने द्वारा बनवाये गए डीग किले में भगवान कृष्ण की भक्ति में गुजारा था। सूरजमल लंबी काठी के थे। युद्ध तो उनके लिये जैसे खेल ही हो । बदन सिंह के कुछ प्रारंभिक युद्धों को छोड़कर सभी युद्धों को उन्होंने ही लड़ा था। ज्यादातर उनके युद्ध मुगलों के खिलाफ ही लड़े गए थे। उन्होंने अपने राज्य का विस्तार राजस्थान के भरतपुर, अलवर, मेवात सहित काफी इलाके में किया था। बल्कि पश्चिम में राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के कुछ इलाके छोड़ दे तो लगभग पूरा हरियाणा, आगरा से अलीगढ़,खुर्जा , बुलंदशहर , मेरठ तक सूरजमल ने अपनी विजय पताका फहराई थी ।

पूर्व में फर्रुखाबाद, मैनपुरी, फिरोजाबाद, एटा , इटावा तक सूरजमल का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष नियंत्रण था। सूरजमल के विजय अभियान में उनका लड़ाका साला बलराम सिंह जिसके नाम पर वल्लभगढ़ बसाया गया है, कंधे से कंधा मिलाकर साथ दिया था । सही माने में तो महाराजा ने मुगल सल्तनत को दिल्ली शहर और उसके आसपास के थोड़े से इलाके में ही समेट दिया था। मशहूर इतिहासकार यदुनाथ सरकार ने 'डिक्लाइन ऑफ मुगल एम्पायर' और प्रोफेसर कानूनगो ने अपनी किताब 'द हिस्ट्री आफ जाट' में विस्तार से वर्णन किया है। कांग्रेस के दिग्गज और पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह ने भी 'महाराजा सूरजमल' किताब में भी महाराजा द्वारा मुगलों की आन बान शान के प्रतीक मुगलों की दूसरी राजधानी आगरा और किले पर कब्जे करने का वर्णन विस्तार से किया है। जब मराठा सरदार मल्हार होल्कर ने धन की लालच में भरतपुर राज्य के कुम्हेर किले की घेराबंदी की तो किले पर तैनात जाट सैनिकों ने भी गोलियां बरसाई। इसी गोलीबारी में मल्हार होल्कर का पुत्र और अहिल्याबाई के पति खांडेराव होल्कर मारा गया । इस घटना से सूरजमल दुखी हुए और उन्होंने गोलीबारी करने वाले जाट सैनिकों को खरी खोटी सुनाई तथा खांडेराव की मौत पर अफसोस जताते हुए महाराजा सूरजमल ने मल्हार होल्कर को शोकवस्त्र और पत्र भेजा। बड़े अचरज की बात है कि इतिहास की इतनी बड़ी जाटों से सम्बंधित सत्य घटनाओं को किसी भी मुस्लिम और वामपंथी इतिहासकार ने नही लिखा । जबकि न जाने कितने मुस्लिम और वामपंथी इतिहासकारों जैसे इरफान हबीब ,लईक अहमद,हरिश्चन्द्र वर्मा, सतीश चंद्र ने मुगल इतिहास पर भरपूर कलम चलाई है। अब बात करते है महाराजा सूरजमल के शौर्य और पराक्रम की ।

1939 में नादिरशाह ने दिल्ली पर आक्रमण कर भारी लूटमार कर तबाही मचा दी । भरतपुर के राजा बदन सिंह ने एक छोटी सैनिक टुकड़ी को लेकर अपने पुत्र राजकुमार सूरजमल को दिल्ली के नागरिकों की रक्षा करने और राहत कार्य के लिए भेजा । भूख से परेशान दिल्ली के नागरिकों को सूरजमल ने शिविर लगाकर अन्न और दवा मुहैया कराया । जनवरी 1757 में अब्दाली ने दिल्ली पर आक्रमण किया तब भी दिल्ली के नागरिकों की रक्षा के लिये सूरजमल के बेटे जवाहर सिंह ने अब्दाली की टुकड़ी पर घात लगाकर हमला कर अब्दाली के सैकड़ो सैनिकों को दिल्ली और हरियाणा की सीमा पर मौत के घाट उतार दिया । चूंकि अब्दाली की विपुल हथियारों से लैस सेना के आगे हमला करने वाले जाट सैनिक बहुत कम संख्या में थे फिर भी जवाहर सिंह ने यह जोखिम इसलिए उठाया अब्दाली को दिल्ली से आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश की । फिर भी अब्दाली दिल्ली को रौंदते हुए मथुरा की ओर बढ़ा। सूरजमल ने डीग के अभेद्य किले में रहकर अब्दाली के आक्रमण की आशंका से युद्ध की तैयारी करने में जुट गए साथ ही जाट राजकुमार जवाहर सिंह को दस हजार की सैनिक टुकड़ी के साथ मथुरा भेज दिया। मथुरा में जवाहर ने जान पर खेलकर अब्दाली के सैनिकों से भारी संघर्ष कर लूटमार करने से रोकना चाहा । इस संघर्ष में अब्दाली के लगभग 7,000 सैनिक मारे गए जबकि जाट योद्धा 5,000 की संख्या में मारे गए। अब्दाली जब मथुरा को तबाह करने के बाद भरतपुर राज्य पर आक्रमण करने की तैयारी कर रहा था लेकिन अब्दाली के सैनिकों ने युद्ध लंबा खिंचने की संभावना के चलते जाट राजा से युद्ध करने से इंकार कर दिया ।

यहां चौकाने वाली बात यह थी कि राजस्थान का कोई भी राजा कृष्ण की नगरी मथुरा को बचाने नही पहुंचा। पानीपत का युद्ध जनवरी 1761 में मराठों से हुआ था इस युद्ध में 75 हजार मराठे मारे गए थे , हजारों घायल हुए थे। तब महाराजा सूरजमल ने ही जोखिम लेकर अब्दाली की मौजूदगी की परवाह न करते हुए हजारों घायल मराठों तथा मराठों के साथ आई महिलाओं की न केवल सुरक्षा और दवा की बल्कि सूरजमल की धार्मिक प्रवत्ति की रानी किशोरी ने प्रत्येक मराठा को 5 किलो अनाज और दो चांदी के रुपये दिए । अब्दाली के खौफ के चलते किसी भी राजस्थान के दूसरे राजा ने यह मानवीय कार्य करने की हिम्मत नही जुटा पाई। इतना ही नही मराठों की पराजय के बाद अब्दाली लंबे समय तक लगभग 5 महीने दिल्ली में धन इकट्ठा करने के लिये रुका रहा सूरजमल ने अब्दाली की मौजूदगी में ही मई में 1761 में आगरा पर आक्रमण कर दिया लगभग एक माह तक कड़े संघर्ष में सूरजमल ने आगरा और किले पर 12 जून 1761 में कब्जा कर लिया। अब्दाली को आगरा पर आक्रमण की सूचना दिल्ली में रहते ही मिली ,अब्दाली इस सूचना के बाद 5 दिन तक दिल्ली बना रहा परन्तु आगरा आने की हिम्मत नही कर सका उसने अपने लश्कर के साथ अपने वतन अफगानिस्तान जाना ही मुनासिब समझा । जबकि मुगल सेनापति नजीब अब्दाली को जाटों के खिलाफ युद्ध के लिये भड़काता रहा। जाटों का सफल संघर्ष मुगलों के अत्याचारों के खिलाफ लगभग 100 सालों तक अनवरत चलता रहा।

औरंगजेब के समय मथुरा के गोकुल सिंह ने जो चिंगारी जगाई थी वह मशाल के रूप में सूरजमल और जवाहर के समय प्रगट हुई जिसने मजबूत मुगल साम्राज्य को जर्जर ही नहीं किया बल्कि मुगलों की राजधानी दिल्ली शहर पर भी जाटों ने आक्रमण कर मुगलों के इज्जत के प्रतीक शाही स्नानागार के दरवाजे भी तोड़कर भरतपुर ले आये । दिल्ली पर जवाहर की लंबी घेरेबंदी के कारण भूख से तड़प रहे दिल्ली के नागरिकों ने घर से निकल कर जवाहर के आगे आत्मसमर्पण कर दिया । जवाहर ने भी विशाल ह्रदय का परिचय देते हुए न केवल अभय प्रदान किया बल्कि अन्न और भोजन भी दिया।

लेखक - मुनीष त्रिपाठी,पत्रकार, इतिहासकार और साहित्यकार है । उन्हें उनकी पुस्तक' विभाजन की त्रासदी'के लिये यूपी हिंदी संस्थान द्वारा प्रतिष्टित के एम मुंशी पुरस्कार दिया गया है। इसके अलावा औरैया जनपद प्रशासन ने उन्हें पत्रकारिता और साहित्य में 'औरैया रत्न' से विभूषित किया है। इटावा हिंदी साहित्य निधि से भी सम्मानित है 1 'भरतपुर का सूरजमल' पुस्तकों के लेखक हैं।

मीडिया के एजेंडे पर अब कौन ? मजबूर सत्ता या मज़बूत जनता ?

श्रवण गर्ग

जनता का एक बड़ा वर्ग जांनने को उत्सुक है कि अब जब कि चुनाव सम्पन्न हो गए हैं, तमाम अनुमानों को अंगूठा बताते हुए नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार भी शपथ ले ली है, सरकार की सेवा में समर्पण भाव से दिन-रात जुटे रहे टी वी चैनलों और अख़बारों की ज़िंदगी में भी कुछ फ़र्क़ पड़ेगा या सब कुछ पहले जैसा ही चलने वाला है ? किसी बड़े तूफ़ान के गुज़र जाने के बाद जैसे लोगों की समझ में नहीं आता कि सामान कहाँ से बटोरना शुरू करें, तूफ़ानी चुनाव के बाद मीडिया को लेकर भी पाठकों और दर्शकों की हालत वैसी ही है।

उन्नीस अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में सम्पन्न हुई मतदान की प्रक्रिया, उसके साथ-साथ और पहले चला धुआँधार चुनाव-प्रचार, उसके पहले हुए दलों के बीच गठबंधन, टिकटों के बँटवारों से नाराज़ उम्मीदवारों द्वारा दल-बदल की रस्म अदायगी ,'चाचा' नीतीश कुमार को लेकर बना नाटकीय घटनाक्रम सब कुछ किसी लम्बे टी वी सीरियल की तरह पाठकों-दर्शकों पर छाया रहा।

चुनावों के दौरान जनता टीवी-यूट्यूब चैनलों और अख़बारों के पन्नों के साथ वैसी ही चिपकी रही जैसा किसी समय 'रामायण', 'महाभारत' और 'चाणक्य' आदि धारावाहिकों के समय हुआ करता था। नौ जून की शाम राष्ट्रपति भवन परिसर में फ़िल्माए गए अंतिम दृश्य के बाद से लोगों को सूझ नहीं पड़ रही है कि अब अपना टाइम कैसे पास करेंगे ?

नागरिकों की बड़ी चिंताओं में इस बात का शुमार भी किया जा सकता है कि अपनी पहली दो पारियों में निरंकुश बहुमतका एकाधिकारवाद भोग लेने के बाद अगर किसी सरकार को तीसरी पारी में बैसाखियों पर साँसें गिनना पड़े तो उस दौरान मीडिया की भूमिका क्या होना चाहिए ? कहा जा रहा है कि पिछली दो पारियों की तुलना में तीसरी पारी में भाजपा को मिले कमज़ोर समर्थन के पीछे भी असली ताक़त 'गोदी मीडिया' की ही रही है। ख़ास करके हिंदी पट्टी में। इनमें टी वी,अख़बार और सोशल मीडिया सभी शामिल है।मीडिया की भूमिका अगर निष्पक्ष रही होती तो नतीजे काफ़ी चौंकानेवाले होते।

आपातकाल(1975) के दौरान मीडिया की भूमिका के बारे में लालकृष्ण आडवाणी ने टिप्पणी की थी कि (इंदिरा गांधी) सरकार ने तो मीडिया से सिर्फ़ झुकने के लिए कहा था पर वह घुटनों के बल रैंगने लगा। मोदीजी के दस सालों के राज के दौरान आडवाणीजी ने न तो कभी मीडिया के रेंगने को लेकर कोई टिप्पणी की और न ही स्वयं की भूमिका को लेकर। जिस तरह 'घोषित आपातकाल' के दौरान अधिकतर लड़ाई या तो जनता ने लड़ी थी या फिर मीडिया के उस छोटे से वर्ग ने जो सत्ता प्रतिष्ठान से नहीं डरा था वैसी ही स्थिति पिछले दस सालों के दौरान अघोषित आपातकाल में भी थी।

मीडिया के लिए अपनी नई भूमिका पर विचार करना इसलिए ज़रूरी हो गया है कि जिस एक 'परिवार' और उसके नेता को पूरे चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी द्वारा सबसे ज़्यादा निशाने पर लिया गया वह चार जून के नतीजों के बाद जनता के बीच सरकार से ज़्यादा ताकतवर बनकर उभरा है। पिछले चुनावों की तरह इस बार विपक्ष अपने हताहतों की गिनती में नहीं कर रहा है बल्कि सरकार पर नए हमले की तैयारी में जुटा है। सवाल यह है कि चंद्राबाबू और नीतीश कुमार की कृपा से एन डी ए को जिस तरह का अस्थायी बहुमत मिल गया है वह अगर नहीं मिलता और विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन को सरकार बनाने का दावा पेश करने क़ाबिल सीटें मिल जातीं तब भी क्या मीडिया 'हिंदू-मुस्लिम' दंगलों के ज़रिए ही टीआरपी बढ़ाने में जुटा रहता या सार्थक बहसों के लिए नये मुद्दों की तलाश करता ?

दुनिया के प्रतिष्ठित मीडिया प्रतिष्ठानों के बारे में यही कहा गया है कि सत्ता में चाहे जो व्यक्ति या पार्टी रहे, वे हमेशा एक 'एडवर्सरी' या 'प्रतिपक्षी' की भूमिका में रहते हैं और उस पर गर्व भी करते हैं।कोई ऐसी परिस्थिति जिसमें किसी एक दल को एकाधिकारपूर्ण बहुमत प्राप्त हो जाए तो विपक्ष से बड़ी चुनौती मीडिया के सामने खड़ी हो जाती है।

लोकसभा चुनाव का नशा जैसे-जैसे कम होगा बदली हुई जनता सरकार और मीडिया दोनों को ही कठघरों में खड़ा करने वाली है। पूछा भी जाने लगा है कि मीडिया अब क्या करने वाला है ? एक बात अभी से नज़र आने लगी है कि राजनीतिक तौर पर कमज़ोर होकर उभरे मोदी, मीडिया पर नियंत्रण को और कसने की कोशिश कर सकते हैं। वे क़तई नहीं चाहेंगे कि मीडिया राहुल गांधी और उनके नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन के प्रति किसी भी तरह की उदारता दिखाए।तय मीडिया को करना है कि बदली हुई परिस्थितियों में भी वह किसके एजेंडे पर काम करने वाला है ? एक कमज़ोर हुकूमत के या ताकतवर जनता के ?

http://shravangarg1717.blogspot.com

किताबों की व्यथा

सुरेश मिश्रा

किताबें नालों में पड़ी लोट रही थीं। पहले लगा कि उन किताबों में शराब की प्रचार-प्रसार सामग्री छपी होगी, तभी तो उन पर ऐसा नशा चढ़ा होगा। बाद में किसी भलमानुस ने बताया कि इन्हें बच्चों तक पहुँचाना था क्योंकि स्कूल जो शुरू होने वाले हैं। किताबें भी सोचने लगीं - मंज़िल थी कहीं, जाना था कहीं और तक़दीर कहाँ ले आई है। कहने को तो स्मार्ट सिटी में हैं, फिर यह स्वच्छ भारत अभियान के पोस्टर के साथ इस नाले में क्या कर रही हैं? बाद में उन्हें समझ में आया कि स्मार्ट होने का मतलब शायद यही होता होगा।

किताबें आपस में बातें करने लगीं। थोड़ी पतली सी, एकदम स्लिम ब्यूटी की तरह लग रही अंग्रेजी की किताब ने कहा – वाट इज हैपिनिंग हिअर? आयम फीलिंग डिस्गस्टिंग। तभी हिंदी की किताब, जो थोड़ी मोटी और वाचाल लग रही थी, बीच में कूद पड़ी – अरे-अरे, देखिए मैम साहब के नखरे। तुमको डिस्गस्टिंग लग रहा है। तुम्हारे चलते मेरे भीतर से कबीर, तुलसी की आत्मा निकाल दी गई है। बच्चे मुझे पाकर न ठीक से दो दोहे सीख पाते हैं और न कोई नौकरी। तुम हो कि ट्विंकिल-ट्विंकिल लिटिल स्टार, बा बा ब्लाक शिप, रेन रेन गो अवे जैसी बिन सिर पैर की राइम सिखाकर बड़ी बन बैठी हो। तुम्हारी इन राइमों के चक्कर में हमारे बच्चे हिंदी के बालगीत भी नहीं सीख पाते। तुमने तो हमारा जीना हराम कर दिया है।

इस पर अंग्रेजी किताब बोली – नाच न जाने आंगन टेढ़ा। बच्चों को लुभाना छोड़कर मुझ पर आरोप मढ़ रही हो। बाबा आदम का जमाना लद चुका है। कुछ बदलो। मॉडर्नाइज्ड बनो। चाल-ढाल में बदलाव लाओ।

इन सबके बीच सामाजिक अध्ययन की किताबें कूद पड़ी – अरे-अरे! तुम लोगों में थोड़ी भी सामाजिकता नहीं है। मिलजुलकर रहना आता ही नहीं। कुछ सीखो मुझसे। इतना सुनना था कि विज्ञान की किताबें टूट पड़ी – अच्छा बहन, तुम चली हो सामाजिकता सिखाने। तुम्हारी सामाजिकता के चलते लोग आपस में लड़ रहे हैं। कोई नरम दल है तो कोई गरम दल। कोई पूँजीवाद का समर्थक तो कोई किसी और का। तुम तो रहने ही दो। कहाँ की बेकार की बातें लेकर बैठ गई हो। आज न कोई भाषा पढ़ता है न सामाजिक अध्ययन। लोग तो विज्ञान पढ़ते हैं। डॉक्टर बनते हैं। कभी सुना किसी को कि वह कवि या लेखक बनना चाहता है या फिर समाज सुधारक?

बीजिंग में झूठ और जालसाजी ठेला

रामविलास जांगिड़

रावण, कंस और दुर्योधन से अब कोई नहीं डरने लगा था। नाक सिनकता बच्चा भी रावण के पास आता और उसके आठवें नंबर के मुंह पर लटक कर झूला-झूलने लगता। कई बार बच्चों के द्वारा खेली जाने वाली क्रिकेट की गेंद कंस की खोपड़ी पर जा टकराती। दुर्योधन के गुस्से पर सभी लोग हंसने लगते थे। अक्सर कॉफी हाउस में बैठकर दुर्योधन चुटकुले सुनाया करता था। डर नाम की चीज एकदम गायब हो गई थी। ये लोग डर बिजनेस के सम्राट थे। डर दिखा के ये खूब रोकड़ा कूटा करते थे। ये सब बेरोजगारहो गए।

रावण ने कहा- हमें लोगों को आकर्षित करने के लिए कुछ अनोखा करना होगा। कंस बोला- क्यों न हम कचोरी का धंधा करें? दुर्योधन, जो बहुत चालाक और रणनीतिकार था, ने सहमति जताई और योजना बनाने लगा। दुर्योधन ने ठान लिया कि अब राजनीति-फाजनीति बहुत हो गई। दिन-रात झूठ बोलते बोलते अब मैं पक गया हूं। रावण ने भी कहा- अहंकार करते-करते थक गया हूं। कंस बोला- अब फालतू दादागिरी दिखाते दिखाते छक गया हूं। अब कुछ अपना खुद का काम करेंगे। और क्या काम हो सकता है, जो ठेले पर कचोरी बेचने से अच्छा हो? सर्वसम्मति से दुर्योधन खुद ही ठेले का इंचार्ज बन गया।

बीजिंग में एक व्यस्त चौराहे पर दुर्योधन ने अपना ठेला लगाया। ठेले पर लिखा था, 'महाभारत से सीधा, आपके शहर में।' लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए उसने ठेले पर बड़े-बड़े होर्डिंग्स भी लगवाए। रावण ने अपनी दस सिरों वाली छवि को ब्रांडिंग के लिए इस्तेमाल किया, जिससे लोग तुरंत आकर्षित हो गए। कंस ने अपनी कलाकारी का उपयोग करके स्वादिष्ट कचोरी तैयार की। रावण ने अपने दसों मुंहों से कचोरी का प्रचार किया।

पहले ही दिन, एक चायनीस महिला आई और बोली, क्या ये ग्लूटेन-फ्री है? कंस ने अचंभित होकर कहा, ग्लूटेन? ये तो कचोरी है, मैडम! महिला चली गई, और रावण ने सोचा, क्या जमाना आ गया है, यहां लोग ग्लूटेन-फ्री कचोरी मांगते हैं। कुछ देर बाद, एक और ग्राहक आया और पूछा, क्या इसमें कोई जैविक सामग्री (ऑर्गैनिक इंग्रीडिएंट्स) है? दुर्योधन को कुछ समझ नहीं आया, लेकिन उसने झट से कहा, हां हां, बिल्कुल! ये तो हमारे खेतों में खुद उगाई हुई सामग्री का प्रोडक्ट है। फिर भी कोई कचोरी खरीदने को तैयार नहीं हुआ। रावण ने सोचा कि कुछ नया करने की जरूरत है। उसने कचोरी के साथ सॉस के रूप में एक 'गूगल्ड' चटनी बनाई और उसे 'इंस्टा चटनी' का नाम दिया। साथ में 'फैंकबुक चटनी' और 'बाटस अप चटनी' भी बनाई। अब लोगों की भीड़ उमड़ने लगी। दुर्योधन को समझ में आया कि नाम में बहुत दम होता है। एक दिन एक ग्राहक आया और कहा, क्या ये वीगन है? कंस ने पूछा, वीगन? ये तो कचोरी है, इसमें आलू और मसाले हैं। ग्राहक बोला, मैं वीगन हूं, मुझे वीगन ही चाहिए। दुर्योधन ने सिर खुजाया और कहा, ठीक है, कल से वीगन कचोरी भी मिलेगी। दुर्योधन ने अगले दिन से एक नयी रेसिपी शुरू की और उसे 'कंस स्पेशल वीगन कचोरी' का नाम दिया। बीजिंग में झूठ और जालसाजी का यह कचोरी ठेला हिट हो गया।

दहशतगर्दी जिन्दा करने के लिए श्रद्धालुओं पर हमला !

मनोज अग्रवाल

हिन्दुस्तान की नई सरकार की शपथ के ऐन मौके पर दहशतगर्दों ने वैष्णो देवी तीर्थयात्रियों पर हमला कर सीधे चुनौती दी है और जाहिरा तौर पर साफ कर दिया है कि अभी आतंकवाद का जम्मू-कश्मीर से सफाया नहीं किया जा सका है और सरकारी दावों के ठीक उलट दहशतगर्द मनमाने समय और टार्गेट का चयन कर आतंकी हमलों को अंजाम देने में सक्षम हैं।ताजा जानकारी के अनुसार इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी दी रेजिस्टेंट फ्रंट टी आर एफ नामक संगठन ने ली है इस संगठन पर पिछले साल प्रतिबंध लगा दिया गया था। गौरतलब है कि भारत की राजधानी नई दिल्ली में जिस समय राष्ट्रपति भवन में नई सरकार के गठन का भव्य समारोह चल रहा था। पीएम मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ले रहे थे। 72 सांसदों ने मंत्री पद की शपथ लेनी थी। ठीक इसी समय एक सूचना मिली की जम्मू कश्मीर में बड़ा आतंकी हमला हुआ है। इस बार रियासी में आतंकवादियों ने श्रद्धालुओं से भरी बस को अपना शिकार बनाया। ये सभी तीर्थ यात्री मां वैष्णो के भव्य दर्शन करने आए थे। हमले में नौ लोगों की मौत हो गई है, जबकि 41 श्रद्धालु घायल हुए हैं। जम्मू-कश्मीर के रियासी में यात्री बस पर हुए आतंकवादी हमले के पीछे पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा का हाथ है. हमला उस बस पर किया गया, जो शिव खोड़ी से लौट रही थी.शिव खोड़ी मां वैष्णो देवी मंदिर से मात्र 80 किलोमीटर की दूरी स्थित है। शिवखोड़ी धाम में प्रतिदिन देशभर से आठ से दस हजार श्रद्धालु आते हैं। माता वैष्णो देवी माता वैष्णो देवी के दर्शन के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु कटरा से शिवखोड़ी का रुख करते हैं।4 जून को कुछ श्रद्धालु मां वैष्णो देवी के दर्शन करने के लिए पहुंचे थे। अक्सर वैष्णो देवी आने वाले यात्री यहां से 80 किमी दूर शिवखोड़ी धाम के भी दर्शन करने के लिए निकलते हैं। ऐसा ही कुछ बीते दिन भी हुआ। तीर्थयात्रियों ने आपस में मिलकर एक स्थानीय ट्रांसपोर्टर की एक बस बुक की। शिवखोड़ी जाने के लिए ये बस 53 सीटर थी। ये बस शिवखोड़ी से दर्शन करवाने के बाद श्रद्धालुओं को वापस कटरा छोड़ने वाली थी। बस शिवखोड़ी से 4 बजे रवाना होने वाली थी लेकिन कुछ देरी की वजह से बस शाम 5.30 बजे शुरू हुई। बस रांसू, पौनी, नंबल होते हुए रियासी पहुंची और कुछ ही देर में चीख-पुकार मच गई। रियासी से कुछ ही दूरी के बाद आतंकियों ने सबसे पहले बस के ड्राइवर पर फायरिंग की। ड्राइवर को गोली लगने की वजह से बस असंतुलित हो गई। इसके बाद बस खाई में जा गिरी। आतंकियों ने खाई में गिरे श्रद्धालुओं पर अंधाधुंध फायरिंग की। बताया जाता है कि आतंकी फौजी ड्रेस और लाल रंग का मफलर पहने हुए थे । ऐसी जानकारी है कि आतंकी कुछ दिन से इस जगह पर रैकी भी कर रहे। बस में सवार सभी तीर्थयात्री शिव खोड़ी में भोले बाबा के दर्शन के लिए गए थे और वापस कटरा लौट रहे थे। हमले में नौ तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हो गए। इस हमले में मारे गए श्रद्धालुओं में दो मासूम बच्चे भी हैं, जिसमें एक मात्र दो-तीन साल का है।बताया जा रहा है कि आतंकवादी बस के सभी हिन्दू तीर्थयात्रियों को मौत के घाट उतारने की फिराक में थे लेकिन बस चालक को गोली लगने के बाद बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई जिस कारण आतंकवादी सभी हिन्दू श्रद्धालुओं का खून बहाने के अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो सके और 43 श्रद्धालुओं की जान बच गई।

इस तीर्थयात्रियों से भरी बस पर चार आतंकवादियों ने हमला किया।माना जा रहा है कि ये पाकिस्तानी आतंकवादी थे.उन्होंने राजौरी और रियासी बॉर्डर के बीच के इलाके में बस को निशाना बनाया. पुलिस का मानना है कि आतंकियों ने जिस इलाके में इस घटना को अंजाम दिया है, वहां आतंकी कमांडर अबू हमजा सक्रिय है। ऐसे में कहीं इस हमले के पीछे अबू हमजा का हाथ तो नहीं है इसकी जांच भी जांच हो रही है। बताया गया है कि इस घटना के शिकार हुए तीर्थयात्री उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के रहने वाले हैं. सभी घायलों का नारायण अस्पताल और जम्मू के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है. इस हमले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं. इसकी जिम्मेदारी एनआइए को सौंपी गई है. साथ ही एनआईए की फॉरेंसिक टीम भी मौके के लिए रवाना की गई है. इसके अलावा एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं।

घटना में घायल हुए श्रद्धालु संतोष कुमार वर्मा के हवाले से बताया गया है कि श्रद्धालु शिवखोड़ी से दर्शन करके वापस आ रहे थे. अचानक बीच रोड पर एक आतंकवादी आया और फायरिंग शुरू कर दी. दो-तीन फायरिंग ड्राइवर के ऊपर किया, फिर बस के अंदर फायरिंग की. फिर बस नीचे गिर गई. नीचे गिरने के बाद भी काफी देर तक फायरिंग की. उसके बाद कई लोग रोने चिल्लाने लगे. बीच-बीच में बंद करके फायरिंग होती रही। जब फिर हमने सबको शांत कराया कि अभी चुप रहो, हो सकता है अभी और फायरिंग करे फिर भी कुछ देर तक आतंकी खाइ में गिरी बस पर गोलीबारी करते रहे। रियासी की एसएसपी मोहिता शर्मा ने कहा कि चश्मदीद के मुताबिक दो से चार आतंकियों ने बस पर फायरिंग किया है। बड़े पैमाने पर आतंकियों की धरपकड़ के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है. जिन आतंकियों ने इस कायराना हरकत को अंजाम दिया है उनके पाकिस्तानी होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं सामान्य इनपुट के आधार पर शिव खोड़ी और माता वैष्णो देवी की सुरक्षा पहले से ही पुख्ता थी। कोई भी खास इनपुट नहीं था, लेकिन दुर्भाग्य से आतंकियों की तरफ से यात्रियों की बस पर हमला किया गया। रविवार को हुए हमले ने सुरक्षा एजेंसियों के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। यह इसलिए खतरे की घंटी है क्योंकि यह आतंकवादियों द्वारा जम्मू क्षेत्र में राजौरी और पुंछ के सीमावर्ती जिलों से परे अपने अभियान के विस्तार करने की ओर इशारा करता है।रियासी जिले में पहले भी आतंकी हमला हो चुका है। जम्मू क्षेत्र और हिन्दू बहुल आबादी होने के बावजूद रियासी जिले में आतंकवाद फैलाने की कोशिश की जाती रही हैं।

सूत्रों के मुताबिक रियासी जिले में आखिरी बार आतंकवादियों ने मई 2022 में हमला किया था। उन्होंने एक बस में स्टिक बम लगाए थे, जिसमें चार वैष्णो देवी तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी और लगभग दो दर्जन घायल हो गए थे।राजौरी, पुंछ और रियासी जिले 1990 के दशक के अंत से 2000 के दशक की शुरुआत तक उग्रवाद का केंद्र रहे थे, लेकिन फिर अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण हो गए। हालांकि 2021 में राजौरी और पुंछ में आतंकवादी गतिविधियों में फिर से वृद्धि हुई। 2021 से राजौरी और पुंछ दोनों जिलों में आतंकवादी हमलों में कुल 38 सैनिक और 11 नागरिक मारे गए हैं। इनमें से अकेले 2023 में लगभग 24 सैनिक और सात नागरिक मारे गए हैं।पूर्व सुरक्षा बलों के अधिकारियों के अनुसार रणनीतिक रूप से ये तीन जिले अपनी भौगोलिक स्थिति, पहाड़ी इलाके और घने जंगलों की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।विदित हो कि एलओसी का लगभग 200 किमी हिस्सा राजौरी और पुंछ से होकर गुजरता है।

सिर्फ नागपंचमी पर खुलता है ये नाग मंदिर

9 अगस्त को नागपंचमी का पर्व मनाया जाएगा। नागपंचमी पर नर्मदापुरम में बड़ा मेला लगता है, जहां लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। सभी की आस्था का केंद्र दुर्गम रास्तों से होते हुए पचमढ़ी के गुफा में स्थित नाग मंदिर के प्रति होती है। सबसे खास बात ये कि यह मंदिर साल में सिर्फ एक बार नागपंचमी के दिन ही खुलता है।

यही वजह है कि यहां भारी भीड़ उमड़ती है। मेले की व्यवस्था को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जिला प्रशासन के 13 विभागों के अधिकारियों का दल गठित किया है। यह दल 15 जून को 13 किलोमीटर गहरी खाई में उतरकर निरीक्षण करेगा। बाबा अमरनाथ की तरह दुर्गम और खतरनाक पचमढ़ी की नागद्वारी की यात्रा बेहद कठिन मानी जाती है।

महादेव मेला समिति द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि मेला क्षेत्र में व्यवस्था को बनाने के लिए अधिकारियों की टीम जलगलि से कालाझाड़, जोड़ नाला, हनुमान गिरी, चित्रशाला, चिंतामणी गुफा, स्वर्गद्वार, पश्चिम द्वार, नागद्वारी से काजरी तक निरीक्षण करेगी। टीम 15 जून की सुबह 5 बजे पचमढ़ी के ओल्ड होटल मैदान से रवाना होगी।

10 दिन पहले से शुरू होगा मेला

बता दें कि 9 अगस्त को पड़ने वाली नागपंचमी के लगभग 10 दिन पहले से नागद्वारी मेला शुरू हो जाएगा। इसमें एमपी, महाराष्ट्र सहित अन्य प्रदशों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। गहरी खाई में उतरकर नाग मंदिर में नाग देवता का पूजन करेंगे। खाई में आवागमन के लिए बनने वाले अस्थाई रास्ता का निरीक्षण करने के लिए ही टीम बनाई गई है।

ये सुविधाएं होंगी

एसडीएम पिपरिया संतोष तिवारी ने बताया कि अधिकारियों की टीम 13 किलोमीटर की दुर्गम पदयात्रा कर नाग मंदिर तक जाएगी। नागद्वारी के रास्ते में पांच जगह ऊंची चट्टान से श्रद्धालुओं को आवागमन करना पड़ता है। यहां श्रद्धालुओं के उतरने और चढ़ने के लिए लोहे की सीढ़ियां लटकाई जाती हैं। साल भर ये चट्टानों पर ही लटकी रहती हैं। इनका भी टीम निरीक्षण करेगी। जलगलि से दुर्गम खाई में जाने वाले रास्ते में कई जगह मेडिकल कैंप लगाए जाएंगे। श्रद्धालुओं के ठहरने और पेयजल की व्यवस्था की जाएगी। खानपान सहित अन्य सामानों की खरीदारी के लिए खाई में जगह-जगह अस्थाई दुकानें होंगी। लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

ये 3 चमत्कारी मंत्र जीवन की डूबती नैय्या को लगाएंगे पार

हिंदू धर्म में मंत्र साधना आदि का महत्व है, लेकिन बहुत कम लोग जानते होंगे कि सबसे पहले भगवान गणेश जी के मंत्रों का जाप किया जाता है। किसी भी पूजा आधि में सबसे प्रथम पूज्य भगवान गणेश होने के कारण हर शुभ कार्य में इनकी पूजा-अर्चना व इनके मंत्रों जाप किया जाता है। तो आइए आज हम आपको श्री गणेश से संबंधित 3 ऐसे चमत्कारी मंत्रों के बारे में बताते हैं, जिनका जाप करने से आपकी जीवन की डूबती नैय्या पार हो जाएगी।

गणेश जी के यह 3 विलक्षण अमोघ मंत्र-

माना जाता है कि भगवान गणेश अपने हर स्वरूप में भक्तों को प्रसन्नता और खुशियों का वरदान देते हैं। इनकी आराधना करने वाले प्रत्येक प्राणी की सभी कामनाएं पूर्ण होती है। यहां जानें इनके तीन 3 ऐसे चमत्कारी मंत्र जिनका विधिवत जाप करने से 11 दिन में जीवन बदल जाता है।

गणेश गायत्री मंत्र

ॐ एकदन्ताय विद्महे वक्रतुंडाय धीमहि तन्नो बुद्धि प्रचोदयात।।

ज्योतिष के अनुसार गणेश गायत्री का 11 दिन शांत मन से 108 बार जाप करने से गणेश जी की विशिष्ट कृपा होती है। इसके साथ ही यह भी कहा जाता है कि गणेश गायत्री मंत्र के जाप से व्यक्ति का भाग्य चमक जाता है और हर काम अनुकूल सिद्ध होने लगता है।

तांत्रिक गणेश मंत्र

ॐ ग्लौम गौरी पुत्र, वक्रतुंड, गणपति गुरू गणेश। ग्लौम गणपति, ऋद्धि पति, सिद्धि पति। करों दूर क्लेश।।

इस मंत्र का 11 दिन तक 108 बार जाप करने से व्यक्ति के जीवन के सारे क्लेश समाप्त होते हैं। धन, धान्य, संपत्ति, समृद्धि, खुशियां, वैभव, पराक्रम, विद्या और शांति की प्राप्ति होती है। लेकिन ध्यान रहे कि इस मंत्र के प्रयोग के समय व्यक्ति को पूर्ण सात्विकता रखनी होती है। इसलिए क्रोध, मांस, मदिरा, पर स्त्री संबंधों से दूर रहें।

गणेश कुबेर मंत्र

ॐ नमो गणपतये कुबेर येकद्रिको फट् स्वाहा।

गणेश कुबेर मंत्र अपार लक्ष्मी देने वाला है। ज्योतिष का मानना है कि गणेश जी की पूजा करने के बाद इस मंत्र का 11 दिन तक नियमित रूप से जाप करने से व्यक्ति को धन के नवीन स्त्रोत मिलना आरंभ होते हैं। जीवन में खुशियां दस्तक देने लगती है।

धरती पर इकलौती जगह जहां होता है 5 नदियों का मिलन

नदियां किसी भी देश की भूमि रूपी शरीर के लिए नसों का काम करती हैं। इनसे हमारी कई जरूरतें पूरी होती हैं। ज्यादातर मानव सभ्यताओं का विकास भी नदियों के किनारे ही हुआ है। कहा जाता है कि नदी अपना रास्ता खुद बनाती चलती है और जो भी चीज इसके रास्ते में आती है, ये उसे अपने साथ ले लेती है।

बहुत-सी जगहें ऐसी हैं, जहां दो या उससे अधिक नदियां आकर एक-दूसरे में मिलती हैं जैसे प्रयागराज में भारत की 3 प्रमुख नदियों- गंगा, यमुना और सरस्वती का मिलन होता है लेकिन दुनिया में ऐसी इकलौती जगह है, जहां एक, दो या तीन नहीं, बल्कि पांच नदियां आपस में मिलती हैं।

यह जगह और कहीं नहीं हमारे ही देश में है। बुंदेलखंड के जालौन में पांच नदियों का संगम होता है और इसे 'पंचनद' के नाम से जाना जाता है। यहां जिन पांच नदियों का संगम होता है, उनमें यमुना, चम्बल, सिंध, पहुज, कुंवारी नदियां शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में जालौन और इटावा की सीमा पर स्थित यह स्थान प्रकृति का अनूठा उपहार और हिंदू धर्म से जुड़े लोगों के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है।

वैसे तो साल भर में यहां सिर्फ एक बार मेला लगता है, लेकिन खास स्नानों के मौके पर यहां श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है।

तीन नदियों का संगम होने से उत्तर प्रदेश का प्रयागराज संगम कहलाया, ठीक वैसे ही पांच नदियों के संगम के कारण पंचनद को महातीर्थराज के नाम से जाना जाता है।

पंचनद में पांडवों ने काटा था अज्ञातवास

इतिहास के पन्नों में पंचनद से जुड़ी हुई कहानियां हैं, जिनका उल्लेख यहां आसपास मौजूद मंदिरों में मिलता है। पंचनद पर 3100 करोड़ रुपए की लागत से परियोजना भी प्रस्तावित है।

एक कहानी में बताया जाता है कि महाभारत काल में पांडवों ने अज्ञातवास का एक वर्ष इसी पंचनद के आसपास बिताया था। भीम ने इसी स्थान पर बकासुर का वध भी किया था। यहां कार्तिक पूर्णिमा पर हर वर्ष एक ऐतिहासिक मेला लगता है। इस मेले में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान से लाखों श्रद्धालुओं का जमघट लगता है। इस पंचनद के पास असीमित जल भंडार है।

पंचनद में पांच नदियों का संगम है, लेकिन इस संगम से जुड़ी एक कहानी है, जिसके आगे स्वयं ही गोस्वामी तुलसीदास को नतमस्तक होना पड़ा था। यहां के एक तपस्वी ऋषि की कहानी कुछ ऐसी थी कि उनकी ख्याति के चलते तुलसीदास ने उनकी परीक्षा लेनी की ठानी।

ऐसा माना जाता है कि जब तुलसीदास को प्यास लगी तो उन्होंने यहां पर किसी को पानी पिलाने के लिए आवाज दी। तब ऋषि मुचकुंद ने अपने कमंडल से पानी छोड़ा, जो कभी खत्म नहीं हुआ और फिर तुलसीदास जी को उनके इस प्रताप को स्वीकार करना पड़ा।

प्रतिदिन करेंगे ये काम तो जल्द ही बन जाएंगे विद्वान

प्राचीन समय में बोपदेव संस्कृत भाषा के बहुत बड़े विद्वान हुए। छात्र जीवन में उनकी याददाश्त बहुत कमजोर थी। काफी कोशिशों के बावजूद व्याकरण के सूत्र उन्हें याद नहीं होते थे। इसके लिए गुरुकुल में उनके सहपाठी उन्हें मंदबुद्धि कहकर चिढ़ाते थे। निराश होकर एक दिन वह गुरुकुल से भाग गए। बोपदेव ने पानी भरने वाली एक महिला से पानी मांगा और पिया। थकान मिटाने के लिए वह कुएं के किनारे बैठकर सुस्ताने लगे। अचानक उनकी नजर कुएं की 'मुंडेर' पर पड़ी जो पत्थर की बनी हुई थी। उन्होंने गौर से देखा कि उस पर रस्सी खींचने के अनेक निशान बन गए थे। जहां पर महिलाएं पानी भरने के लिए घड़ा रखती थीं, वहां भी गड्ढे बन गए थे। पत्थर पर पड़े निशान को देखकर बोपदेव चिंतन करने लगे कि जब एक मुलायम रस्सी के बार-बार रगड़ने से पत्थर पर भी गड्ढे पड़ सकते हैं तो फिर क्या लगातार अभ्यास करने से मैं विद्वान नहीं बन सकता। यह विचार करते हुए उन्होंने मन ही मन संकल्प किया कि चाहे कुछ भी हो अब मैं पूरी मेहनत से पढ़ूंगा।

मन में दृढ़ संकल्प करके बोपदेव उठे और वापस गुरुकुल की ओर चल दिए। गुरुकुल पहुंचकर बोपदेव लगातार तल्लीन होकर पढ़ने लगे। फिर परिणाम भी जल्दी ही सामने आ गया।

उन्हें अब सहजता से व्याकरण के सूत्र याद होने लगे। अंत में उन्होंने गुरुकुल में उच्च स्थान प्राप्त किया और उसके बाद संस्कृत भाषा के महान विद्वान पाणिनी के कठिन व्याकरण को सरल बनाकर प्रसिद्ध 'मुग्धबोध' नामक ग्रंथ की रचना कर डाली। उन्हें राजदरबार का महापंडित भी बनाया गया।

रुद्राक्षः धार्मिक एवं औषधीय वृक्ष की कथा

रुद्राक्ष दो शब्दों रुद्र व अक्ष यानी भगवान शंकर की आंख से गिरी जल बिंदू से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई है। शिव पुराण के अनुसार संसार की कल्याण कामना के लिए भगवान शिव ने हजारों वर्ष तपस्या की। उस समय उन्हें भय सा लगा और उन्होंने अनायास ही नेत्र खोले। तभी एक बूंद अश्रु की गिरी तथा इसी बीज रूपी अश्रु से रुद्राक्ष का पेड़ लगा। लोक कल्याण की भावना से भगवान शंकर के अंश से उत्पन्न यह परम श्रेष्ठ फल शंकर को बहुत प्रिय है। अतः रुद्राक्ष की माला भगवान शंकर की पूजा में अनिवार्य मानी जाती है। ऐसी मान्यता है कि रुद्राक्ष धारण करने से मुक्ति, कल्याण एवं सर्वांगीण सुख-शांति मिलती है।

रुद्राक्ष उत्तर-पूर्वी भारत एवं पश्चिमी घाट में मिलने वाला मध्यम आकार का वृक्ष है जो नेपाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, बंगाल, असम, मध्य प्रदेश तथा मुम्बई में पाया जाता है। शेष भारत में यह कहीं-कहीं पाया जाता है तथा भारत के कई भागों में इसे छाया एवं शोभाकारी वृक्ष के रूप में उगाया जाता है।

इसकी पत्तियां आयताकार-भालाकार होती हैं। इसके श्वेत पुष्प मई-जून में खिलते हैं तथा फल नवम्बर से दिसम्बर तक पकते हैं। इसका फल हल्का नीलापन लिए बैंगनी रंग का अष्ठी फल होता है जिसमें गूदा व एक गुठली होती है जो कड़ी, गोल या अंडाकार होती है। यह **प्रायः** पंचकोष्ठीय होती है परंतु कभी-कभी प्रकृति में एक से 7 कोष्ठीय गुठलियां भी मिलती हैं जिसके अनुसार रुद्राक्ष एकमुखी, द्विमुखी, त्रिमुखी आदि कहलाते हैं। पांच से अधिक या कम कक्षों वाले रुद्राक्ष महंगे बिकते हैं।

नेपाल के जंगलों में पांचमुखी रुद्राक्ष (छोटे आंवले के आकार के) बहुतायत में पाए जाते हैं। इसे विभिन्न प्रदेशों में भिन्न-भिन्न नामों से जाना जाता है, इसको बंगला में रुद्राख्या, उड़िया में ल्द्राख्यों, हिन्दी में रुद्राकी, असमी में रुद्रई, तोहलंगसेवई, लटोक, उद्रोक के नामों से तथा मराठी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम व संस्कृत भाषा में रुद्राक्ष के नाम से जाना या पुकारा जाता है। इसका वैज्ञानिक नाम 'इलियोकार्यस स्फेरीकस' है।

उपयोगः रुद्राक्ष को मुक्ति व युक्ति देने वाला बताया गया है। इसे हृदय रोग एवं उच्च तथा निम्न रक्तचाप में उपयोगी माना गया है। ऐसा विश्वास है कि रुद्राक्ष की मालाओं को धारण करने से उच्च रक्तचाप कम हो जाता है तथा हृदय रोगों में लाभ होता है। इसका गुदा खट्टा होता है व मिर्गी के दौरों में अच्छा समझा जाता है।

शास्त्रों में इसकी माला धारण करने से व्यक्तित्व के विकास व मानसिक शांति प्राप्त होने का वर्णन किया गया है। पांच मुखी, छहमुखी, सातमुखी या नौमुखी रुद्राक्ष की माला को कंठ में धारण करना चाहिए ताकि वह हृदय को स्पर्श करती रहे। इससे मन को शांति मिलती है।

इसके अलावा विशुद्ध रुद्राक्ष (किसी भी वर्ग का) के 10 दाने ताम्रपात्र में 50 ग्राम जल में रात भर डुबो कर रखें तथा प्रातः खाली पेट उस पानी का सेवन करने से अनेक रोगों के उपचार में लाभ मिलता है। नेपाल में इसे सर्वश्रेष्ठ फल माना गया है।

घर बनवाते समय नींव में क्यों रखे जाते हैं चांदी के नाग-नागिन और कलश ?

शास्त्रों के अनुसार घर बनवाते समय वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करना बेहद ज़रूरी माना जाता है। घर का हर कक्ष सही दिशा में होने से उस घर में रहने वाले इंसान खूब तरक्की करते हैं और वहां सकारात्मक उर्जा का संचार हमेशा रहता है। आपने भी वास्तु के बहुत से नियमों को सुना होगा और अपनाया भी होगा, जिससे आपके जीवन में हमेशा खुशहाली बनी रहे। क्या आपको पता है वास्तु के नियमों के अनुसार, घर का निर्माण करवाते समय घर की नींव में चांदी के नाग-नागिन और कलश रखा जाता है तो अगर आपको इस बात की जानकारी नहीं है तो जानें। घर की नींव रखते समय चांदी के नाग-नागिन और कलश क्यों रखा जाता है- श्रीमद भागवत महापुराण के पांचवें स्कंद के अनुसार धरती के नीचे पाताल लोक है और पाताल लोक के स्वामी शेषनाग हैं। घर की नींव में चांदी के नाग-नागिन को रखते हैं, जिससे कि शेष नाग संपत्ति और घर की हमेशा रक्षा करते रहें। कई बार ऐसा होता है कि जहां हम नया घर बनवाते हैं तो वहां नेगिटिव एनर्जी का वास होता है। जिससे घर बनने के बाद परिवार के सदस्यों को बुरे परिणाम देखने को मिलते हैं। ऐस में घर की नींव में चांदी के नाग-नागिन रखने से सकारात्मक उर्जा का संचार होता है। ऐसी भी मान्यता है जिस तरह नाग-नागिन अपने पुराने शरीर से केचुल अलग करके नया रूप धारण करते हैं, वैसे ही यदि आप घर की नींव में यदि चांदी के नाग-नागिन रखते हैं तो ये परिवर्तन को दिखाते हैं। यदि आपका घर किसी ऐसी स्थान पर बनाया जा रहा है, जहां पहले कोई और घर या इमारत थी तो नाग-नागिन का जोड़ा रखने से पुरानी यादों को छोड़कर बाहर निकलने में मदद मिलती है।

इसके अलावा नाग-नागिन का जोड़ा नींव में रखने से आपके घर और परिवार पर महादेव की सदैव कृपा बनी रहती है। साथ ही घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है।

घर की नींव में नाग-नागिन के जोड़े को रखने से एक फायदा और होता है कि आपके घर पर कभी बुरी शक्तियों का प्रकोप नहीं होगा। ये आपको नजर दोष से भी बचाकर रखता है।

अगर आपकी स्थिति ऐसी नहीं है कि आप चांदी के नाग-नागिन घर की नींव में रखें तो आप पीतल के नाग-नागिन भी नींव में रख सकते हैं। उससे भी आपको समान फायदा देखने को मिलेगा।

चांदी के नाग-नागिन के साथ घर बनवाते समय नींव में कलश भी रखा जाता है। मान्यता है कि कलश में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है। घर की नींव रखने के दौरान कलश भी रखा जाता है। इसमें सिक्का, फूल और दूध डाला जाता है, जो नाग देवता को प्रिय है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शेषनाग क्षीरसागर में रहते हैं। इसी वजह से नींव पूजा के दौरान कलश में दूध, घी और दही समेत आदि चीजों का अर्पित कर शेषनाग को बुलाया जाता है, जिससे वे घर की रक्षा कर सकें।

अपनी इमेज बदलने को बेताब हैं 'कोमोलिका'
बोलीं- बस बहुत हो गया अब नेगेटिव रोल नहीं करूंगी!

टीवी की महशूर अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। 'कसौटी जिंदगी की' में कोमोलिका बन उन्होंने दर्शकों के दिलों में अपने लिए एक खास जगह बनाई है। वे अपनी इस यात्रा से खुश और संतुष्ट दोनों हैं, लेकिन अब वे अपने करियर में कुछ नया करना चाहती हैं। वे कुछ नया करके दर्शकों को अपने अभिनय कौशल से चकित कर देना चाहती हैं। चलिए जानते हैं कि उर्वशी ढोलकिया ने अपने एक नए इंटरव्यू में क्या कुछ कहा है।

'कोमोलिका' के आगे भी है दुनिया

आज से लगभग 15 साल पहले उर्वशी ढोलकिया ने 'कोमोलिका' के किरदार को निभाया था, लेकिन आज भी दर्शक उन्हें उसी किरदार के नाम से पहचानते हैं। हाल ही में एक इंरटव्यू के दौरान अभिनेत्री ने कहा, 'मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि दर्शकों को अब भी मेरा वह किरदार याद है। ऐसा काफी कम बार ही देखने को मिलता है, लेकिन अब मैं कुछ अलग और नया करना चाहती हूं। 'कोमोलिका' के आगे भी एक दुनिया है'।

कहां हैं क्रिएटिव निर्देशक

उर्वशी ढोलकिया अपनी बात को बढ़ाते हुए कहती हैं, 'देखिए रेखा जी ने 'उमराव जान' में बेहतरीन अभिनय किया था तो इसका ये मतलब हुआ कि उसके बाद वे केवल 'उमराव जान' जैसी ही भूमिकाएं निभाएंगी। यह गलत है। मैं अब निगेटिव रोल नहीं करना चाहती हूं। मैं कुछ अलग और नया करना चाहती हूं। मुझे जब भी कोई वही घिसा-पीटा रोल ऑफर करते हुए कहानी सुनाता है तब मैं सोचती हूं इसमें क्रिएटिविटी कहां है। कहां हैं क्रिएटिव लेखक और निर्देशक जो कुछ नया करना चाहते हैं"।

'पुष्पा इम्पॉसिबल' से हैं खुश

उर्वशी ढोलकिया इन दिनों टीवी शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में नजर आ रही हैं। इस शो में वे एक वकील की भूमिका निभा रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि दर्शक उन्हें कुछ अलग करते हुए देखकर खुश होंगे और उन्हें सराहेंगे। अभिनेत्री इस विषय में बात करते हुए कहती हैं, 'मैं खुश हूं और आभारी हूं कि निर्माताओं ने कम से कम मेरे बारे में एक अलग नजरिए से सोचा और मुझे एक सकारात्मक किरदार निभाने का मौका मिला। मैं जानती हूं रातों-रात चमत्कार नहीं हो सकता है, लेकिन लोग अब मुझे देवी सिंह के नाम बुलाने लगे हैं। छोटी ही सही, लेकिन ये मेरे लिए नई शुरुआत है'।

सुशांत वाले फ्लैट में शिफ्ट होने पर अदा ने दी प्रतिक्रिया

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत जिस अपार्टमेंट में रहा करते थे, उनके निधन के बाद उसे लंबे समय तक कोई किराएदार नहीं मिलने की खबरें मीडिया में खूब छाई रहीं। फिर अचानक खबर आई कि अदा शर्मा उस फ्लैट में शिफ्ट हो रही हैं। अब अभिनेत्री उसमें शिफ्ट भी हो चुकी हैं और उन्होंने कहा है कि उन्हें यहां काफी सकारात्मक ऊर्जा महसूस हो रही है। अभिनेत्री के इस फ्लैट में शिफ्ट होने के फैसले पर लोगों ने काफी बातें कीं और हैरानी तक जताई। अब इस बारे में अदा ने बात की हैं।

सुशांत के घर में शिफ्ट हुईं अदा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में, अभिनेत्री ने खुद इस बात को स्वीकार किया कि वह उसी घर में शिफ्ट हो चुकी हैं। उन्होंने सुशांत के घर को किराए पर लिया है। इस खुलासे ने लोगो को हैरत में डाल दिया। वह जानना चाहते हैं कि आखिर अभिनेत्री उस घर में क्यों शिफ्ट हुईं, जहां सुशांत रहा करते थे?

निजी जिंदगी को लेकर सतर्क रहती हैं अभिनेत्री

अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी सतर्क रहने वाली अभिनेत्री अदा शर्मा ने एक साक्षात्कार में अपने नए घर को लेकर बात की। जब अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या वह इसे अपनी निजता का हनन मानती हैं, तो अभिनेत्री ने कहा कि अब तक उनके दर्शक, मीडिया और फिल्म उद्योग उनकी निजता संबंधी प्राथमिकता को पहचान चुके हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर अपनी निजी जिंदगी की झलकियां भी साझा करती रहती हैं और उन पहलुओं को लेकर काफी सतर्क रहती हैं, जिन्हें वह निजी मानती हैं।

4 सालों से खाली था सुशांत का घर

साल 2020 में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से उनका अपार्टमेंट खाली है। पिछले 4 सालों से वह प्रॉपर्टी खाली थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई के एक रियल एस्टेट ब्रोकर के अनुसार सुशांत के साथ हुई दुर्घटना के बाद कोई भी उस घर को खरीदना नहीं चाहता था। अभिनेत्री से जब पूछा गया कि उन्होंने सुशांत के घर में रहने का फैसला क्यों किया तो उन्होंने जवाब में कहा, 'फिल्म हो या किसी घर में रहना मैं हर फैसला दिल से लेती हूं। मुझे अपने फैसले पर किसी तरह का कोई संदेह नहीं है। मैं भले ही भौतिक रूप से नई जगह शिफ्ट हुई हूं, लेकिन मैं हमेशा करोड़ों लोगों के दिल में बसी हूं।'

भरत तख्तानी से तलाक के बाद एशा देओल ने मनाया लाडली बेटी का जन्मदिन

आज से कुछ महीने पहले जब एशा देओल और उनके पति भरत तख्तानी ने अपने अलगाव के फैसले को दुनिया के संग साझा किया था तब लोग उनके इस फैसले को सुनकर हैरान रह गए थे। एशा देओल बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी हैं। वे अपनी शादी के 11 साल बाद अपने पति से अलग हुई हैं। वहीं आज एशा देओल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अपनी छोटी बेटी को जन्मदिन की मुबारकबाद दी है। आइए जानते हैं एशा देओल ने अपनी बिटिया के लिए क्या कुछ लिखा है।

एशा देओल और भरत तख्तानी साल 2012 में एक-दूसरे के संग शादी के बंधन में बंधे थे। एशा और भरत दो प्यारी सी बेटियों के माता-पिता हैं। सूत्रों की मानें तो एशा देओल अपनी बेटियों को अलगाव के बारे में नहीं बताना चाहती हैं। उन्होंने इस खबर को उनसे छुपा कर रखा है। वहीं आज एशा की छोटी बेटी मिराया पांच साल की हो गई हैं।

एशा देओल ने मिराया के पांचवे जन्मदिन पर अपने इंस्टाग्राम हैंडल से अपनी और मिराया की तस्वीर को साझा किया है। एशा देओल बेटी को प्यार से गले लगाती नजर आ रही हैं। वहीं तस्वीर में एशा के पालतू कुत्ते भी नजर आ रहे हैं। गुलाबी सूट में एशा देओल काफी प्यारी लग रही हैं। एशा देओल ने बेटी की तस्वीर को साझा करते हुए लिखा है, 'मेरी प्यारी मिराया आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं'। सोशल मीडिया पर एशा देओल की यह पोस्ट काफी वायरल हो रही है। वहीं एशा देओल ने इस फोटो पर कमेंट के ऑप्शन को बंद कर रखा है।

कान में पुरस्कार जीतने वाली फिल्मों पर अनुराग का तंज, कहा- भारत में ऐसी फिल्मों का नहीं होता समर्थन

अनुराग कश्यप भारतीय फिल्मों के जाने माने निर्देशक हैं। उनके फिल्मों की अपनी एक अलग शैली है। उनकी फिल्मों का एक खास दर्शक वर्ग होता है। इस वजह से कई बार उन्हें अपनी फिल्मों के लिए आलोचनाएं भी सुनने को मिलती हैं। हालांकि, वह भी अक्सर अपने बयानों से चर्चा में रहते हैं। उन्हें अपनी बातों को बेबाकी से रखने के लिए जाना जाता है। अब एक बार फिर उन्होंने फिल्मों के प्रति समर्थन को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया है।

'सरकार नहीं देती ऐसी फिल्मों को समर्थन'

अनुराग कश्यप कान फिल्म फेस्टिवल में मिले पुरस्कारों के लिए वह सरकार को श्रेय नहीं देते। उन्होंने कहा कि इस समारोह के दौरान, जिन स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं ने जीत हासिल की है, यह केवल उनकी जीत है। सरकार के तरफ से इस तरह की पुरस्कार विजेता फिल्मों को कोई खास समर्थन नहीं दिया जाता। उन्होने कहा, ₹कान्स में भारत के लिए कुछ खास नहीं रहा, उन विजेता फिल्मों में से कोई भारतीय नहीं है। भारत में ऐसे सिनेमा का समर्थन नहीं होता, जैसी फिल्मों को कान्स में दिखाया गया था।

77वें कान फेस्टिवल में भारत को मिले थे तीन पुरस्कार

बता दें कि पिछले महीने कान फिल्म महोत्सव का आयोजन हुआ था । इस फेस्टिवल के 77वें संस्करण में भारत ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की थी। इस दौरान भारत ने तीन पुरस्कार जीते थे। पायल कपाड़िया अपनी फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट के लिए ग्रैंड प्रिक्स जीतने वाली भारत की पहली निर्देशक बनीं। उनके अलावा अनसूया सेनगुप्ता को द शेमलेस के लिए अन सर्टेन रिगार्ड स्ट्रैंड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। वहीं, एफटीआईआई के छात्र चिदानंद एस. नाइक ने सनफ्लावर वेयर द फर्स्ट वन्स टू नो के लिए ला सिनेफ सेक्शन में सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म का पुरस्कार जीता।

'बैड कॉप' में दिखाएंगे अदाकारी का जलवा

हाल में ही अनुराग ने नायकों के नाम पर फिल्में देखने वाले दर्शकों को भी आड़े हाथ लिया था। इस दौरान उन्होंने कहा था, हमारे यहां नायकों को पूजने वाले दर्शक हैं। हमारे देश की आबादी बहुत ज्यादा है, फिर भी चीन की तुलना में, हमारे पास सिनेमाघरों की संख्या बहुत कम है। बात करें अनुराग के वर्क फ्रंट की तो वह बतौर अभिनेता गुलशन देवैया के साथ एक्शन थ्रिलर वेब सीरीज बैड कॉप में नजर आने वाले हैं, जो 27 जून को डिज्नी+हॉट स्टार पर प्रीमियर होगी। इसके अलावा वह बतौर निर्देशक 'किल बिल' की हिंदी रीमेक का निर्देशन करने वाले हैं।

स्माइली का छलका दर्द, बोलीं- पूजा के कहने पर भट्ट साहब ने 'कलयुग' के बाद मुझे कास्ट नहीं किया

अभिनेत्री स्माइली सूरी इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में उन्होंने ने ओटीटी की दुनिया में वापसी की है। उनके शो 'हाउस ऑफ लाइज' को दर्शक काफी पसंद भी कर रहे हैं। ये उनका पहला ओटीटी शो है। इससे पहले वे कई हिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वे अपने करियर और निजी जिंदगी के बारे में बातें करती नजर आईं।

भट्ट साहब ने बेटी की बात सुनीं

स्माइली सूरी काफी लंबे समय के बाद एक बार फिर से अभिनय की दुनिया में लौट आई हैं। फिल्म 'कलयुग' से डेब्यू करने वाली स्माइली सूरी अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहती हैं, 'मैं 'कलयुग' के बाद भी महेश भट्ट साहब के साथ काम करना चाहती थी। वे भी मेरे साथ काम करने को उत्सुक थे, लेकिन पूजा भट्ट नहीं चाहती थीं कि मैं महेश भट्ट की फिल्मों में काम करूं। यही वजह थी कि 'कलयुग' के बाद भट्ट साहब ने मुझे अपनी फिल्मों में कास्ट नहीं किया। मुझे लगता है कि उन्होंने अपनी बेटी की बात सुनीं'।

'हॉलिडे' से निकाला

स्माइली सूरी अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, 'पूजा ने मुझे अपनी पहली फिल्म 'हॉलिडे' से बाहर कर दिया था। खैर मुझे इस बात की खुशी है कि उसी वजह से मुझे 'कलयुग' में काम करने का मौका मिला। 'कलयुग' में लोगों को मेरा काम काफी पसंद आया और फिल्म हिट हुई थी। उन दिनों एक अखबार में पूजा मेरे लिए काफी कुछ लिखा करती थीं। मुझे वह सब पढ़कर दुख होता था और मैं सेट पर आने के बाद खुद को कमरे में बंद कर लेती थी। वह वक्त मेरे लिए काफी कठिन था, लेकिन मैंने उस दौरान काफी कुछ सीखा'।

दर्दनाक दौर को याद नहीं करना चाहती

'कलयुग' फिल्म में स्माइली सूरी कुणाल खेमू के साथ नजर आई थीं। इसके बाद वे 'तीसरी आंख द हिडन कैमरा' और 'ये मेरा इंडिया' जैसी फिल्मों में नजर आईं, लेकिन उन्हें कलयुग वाली सफलता नहीं मिली। स्माइली कहती हैं, 'कलयुग' के बाद का समय मेरे लिए बहुत मुश्किल था। मुझे भट्ट साहेब ने उसके बाद एक भी फिल्म में कास्ट नहीं किया। उनके पास अपनी वजहें होंगी और मैं उन्हें किसी भी बात के लिए दोषी नहीं ठहरा रही हूं। बस अब मैं उन बातों को भूल जाना चाहती हूं'।

पत्नी और बेटी के साथ नए घर में शिफ्ट होंगे वरुण
फिलहाल उस घर में है इस सुपरस्टार का बसेरा

अभिनेता वरुण धवन हाल में हाल में ही पिता बने हैं। उनके घर बेटी के रूप में एक नई मेहमान आई है। बेटी के जन्म के बाद वरुण और नताशा ने घर बदलने का फैसला किया है। बेटी को खेलने के लिए नर्सरी या प्लेरूम जैसी सुविधा मिल सके, इसके लिए वह घर बदलकर दूसरी जगह शिफ्ट हो रहे हैं। उन्होंने बॉलीवुड के इस सुपरस्टार के घर को किराए पर लिया है।

ऋतिक रोशन वाले घर में किराए पर रहेंगे वरुण

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस स्टार कपल ने मुंबई के जुहू स्थित बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन का घर किराए पर लिया है। यह समुंदर के सामने वाला अपार्टमेंट है, जिसमें फिलहाल ऋतिक रहते हैं। ऋतिक जल्द ही इस घर से जुहू में ही दूसरे अपार्टमेंट में शिफ्ट होने वाले हैं। ऐसे में ऋतिक वाले अपार्टमेंट में आ जाने के बाद वरुण अभिनेता अक्षय कुमार और निर्माता साजिद नाडियाडवाला के पड़ोसी बन जाएंगे, जो एक ही बिल्डिंग में रहते हैं।

वीडियो साझा कर दी थी पिता बनने की जानकारी

बताते चलें कि वरुण और नताशा की बेटी का जन्म 3 जून को हुआ था। अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा कर पिता बनने की जानकारी दी थी। इसमें वरुण का पालतू कुत्ता जॉय को एक प्लेकार्ड पकड़े दिखाई देता है, जिस पर 'वेलकम लिल सिस' लिखा था। वीडियो को साझा करते हुए वरुण ने प्यारा सा कैप्शन भी लिखा था। उन्होने लिखा था, हमारी बेटी यहां है, मां और बच्चे को शुभकामनाएं भेजने के लिए आपका धन्यवाद।

'बेबी जॉन' में दिखेगा वरुण का एक्शन अवतार

वरुण धवन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वरुण फिलहाल अपनी आगामी फिल्म 'बेबी जॉन' को लेकर व्यस्त हैं। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। फिल्म का निर्देशन ए कालीस्वरन कर रहे हैं। इसके अलावा वह हॉलीवुड सीरीज 'सिटाडेल' के भारतीय रूपांतरण में अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु के साथ भी नजर आएंगे। यह रुसो ब्रदर्स की इसी नाम की सीरीज का भारतीय रूपांतरण है। इसके अलावा वह 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में भी काम कर रहे हैं।

दिखावा करने वाले सितारों पर नाराज हुईं उर्फी!
कहा- दर्शकों से जुड़ने के लिए करते हैं ऐसा

अभिनेत्री और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर उर्फी जावेद ना सिर्फ अतरंगी पोशाक पहनने के लिए जानी जाती हैं, बल्कि वह खुलकर बेबाकी से अपनी बातों को भी रखती हैं। यही वजह है कि वह अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। कभी-कभी उर्फी को ट्रोल भी होना पड़ता है। वहीं, नेटिजन्स कई बार उनकी पोशाक की रचनात्मकता को लेकर उनकी तारीफ भी करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब उर्फी जावेद की एक वीडियो क्लिप वायरल हो रही है, जिसमें उर्फी बॉलीवुड सितारों को लेकर तंज कसती हुई नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उर्फी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि बॉलीवुड के मशहूर सितारे दर्शकों से जुड़ने के लिए खुद को मिडिल क्लास जैसा बताते हैं।

खुद को मिडिल क्लास जैसा दिखाने वालों पर कसा तंज

एक साक्षात्कार में उर्फी ने अपनी निराशा जताते हुए कहा, 'जब अमीर हस्तियां यह दिखावा करती हैं कि उनका पालन-पोषण बहुत ही मध्यमवर्गीय, गरीब परिवार में हुआ है, तो यह मुझे अंदर तक परेशान कर देती है। हम जानते हैं कि तुम अमीर थे।' उर्फी ने तंज कसते हुए कहा, 'हम बिल्कुल मिडिल क्लास थे, हमने कभी फर्स्ट क्लास फ्लाई नहीं किया, हम इकॉनमी में फ्लाई करते थे। हमने प्लेन नहीं देखा था यार, तुम कैसी बातें कर रहे हो।'

दर्शकों से जुड़ने के लिए करते हैं ऐसा

उर्फी ने अपनी बात को जारी रखते हुए आगे कहा, 'जब अमीर सेलिब्रिटी मध्यम वर्ग की तरह व्यवहार करते हैं, तो वे दर्शकों से जुड़ना चाहते हैं और दर्शक भी उनसे जुड़ना चाहते हैं। यहां तक कि जब वो मध्यम वर्ग की तरह व्यवहार करते हैं, वो दावा करते हैं कि वो कंजूस हैं और पैसे खर्च नहीं करते हैं। तो फिर आप क्यों कमा रहे हैं? आप कोई नौकरी कर लें। मुझे ये नखरे पसंद नहीं हैं। पैसा होना और उसे खर्च करना भी ठीक है।' हालांकि, इस दौरान उर्फी ने किसी का नाम नहीं लिया।

उर्फी का वर्क फ्रंट

उर्फी जावेद के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह 'बिग बॉस ओटीटी 1', 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 14' और 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 15' जैसे रियलिटी शो में काम कर चुकी हैं। उन्हें आखिरी बार दिबाकर बनर्जी की 'लव सेक्स और धोखा 2' में देखा गया था।

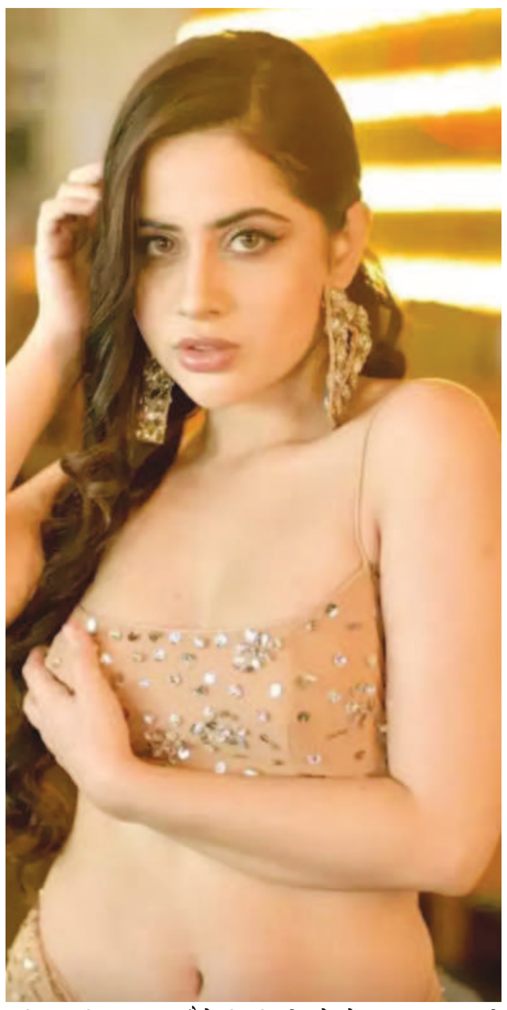

'एसके 23' का हिस्सा बने विद्युत जामवाल
शिवकार्तिकेयन के साथ करेंगे धमाल

बीते दिनों जानकारी आई थी कि अभिनेता शिवकार्तिकेयन ने एक फिल्म के लिए निर्माता एआर मुरुगादॉस के साथ हाथ मिलाया है, जिसका अस्थायी नाम 'एसके 23' है। वहीं, अब निर्माताओं ने फैंस को एक बड़ा तोहफा दिया है। फिल्म से अभिनेता विद्युत जामवाल का भी नाम जुड़ गया है। इस बात की जानकारी खुद निर्माताओं ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है।

शिवकार्तिकेयन और एआर मुरुगादॉस की आगामी फिल्म 'एसके 23' के निर्माताओं ने आखिरकार बॉलीवुड एक्शन स्टार विद्युत जामवाल का इस फिल्म में स्वागत किया है। फिल्म के निर्माताओं ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अभिनेता का एक शानदार ऑनबोर्डिंग वीडियो साझा किया है, जहां वह अपने सिग्नेचर स्टाइलिश अवतार में अपनी वैनिटी वैन से बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। अभिनेता को निर्देशक एआर मुरुगादॉस का अभिवादन करते हुए देखा जाता है और फिर अभिनेता-निर्देशक की जोड़ी को सेट के फिल्मांकन भागों पर चर्चा करते हुए देखा जाता है।

सोशल मीडिया पर निर्माताओं ने लिखा, 'उस खलनायक को वापस ला रहे हैं जिसने सभी को आतंकित कर दिया था। फिल्म में खतरनाक विद्युत जामवाल का स्वागत करते हैं।' अनजान लोगों के लिए, विद्युत जामवाल ने एआर मुरुगादॉस और विजय की एक्शन थ्रिलर 'थुप्पाक्की' में विलेन की भूमिका निभाई थी। 'एसके 23' लोकप्रिय तमिल फिल्म निर्माता के साथ उनका दूसरा सहयोग होगा।

दिलचस्प बात यह है कि 'एसके 23' अभिनेता की 10 साल के अंतराल के बाद तमिल सिनेमा में वापसी का भी प्रतीक होगा। अभिनेता की आखिरी तमिल फिल्म सूर्या स्टारर 'अंजान' थी। शिवकार्तिकेयन, कन्नड़ अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत और विद्युत जामवाल के 'एसके 23' से जुड़ने की पुष्टि हो चुकी है। कुछ रिपोर्टों से पता चलता है कि इस फिल्म में मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल भी नजर आ सकते हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। पूरी तरह से एक्शन फिल्म मानी जाने वाली इस फिल्म में शिवकार्तिकेयन को बड़े पैमाने पर शारीरिक परिवर्तन से गुजरना होगा। निर्माता फिल्म के मुख्य विवरणों को साझा करने के बारे में चुप्पी साधे हुए हैं। हालांकि, प्रशंसक फिल्म के शीर्षक के बारे में जानने के इच्छुक हैं, जिसका खुलासा होना बाकी है।

शिवराज और सिंधिया ने संभाला मंत्रालय में कार्यभार

केंद्रीय मंत्री चौहान बोले- किसानों के सपने पूरे करूंगा; डॉ. एल मुरुगन ने भी चार्ज लिया

भोपाल, 11 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज अपने-अपने मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया। शिवराज सिंह को कृषि मंत्रालय के साथ ग्रामीण विकास विभाग मिला है। तमिलनाडु के डॉ। एल मुरुगन मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं, उन्हें भी केंद्र सरकार में दूसरी बार मौका मिला है। उन्होंने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री का कार्यभार संभाल लिया है। पीएम नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में इस बार मध्यप्रदेश से पांच मंत्रियों को मौका मिला है। डॉ। वीरेंद्र कुमार खटीक को फिर से सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री बनाया गया है। उन्होंने दिल्ली के शास्त्री भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में कार्यभार संभाल लिया है। दुर्गादास उईके को जनजातीय कार्य विभाग में राज्यमंत्री बनाया गया है। सावित्री ठाकुर महिला बाल विकास विभाग में राज्यमंत्री बनाई गई हैं।

शिवराज सिंह चौहान को कृषि मंत्रालय की कमान

ज्योतिरादित्य सिंधिया को मिले ये दो बड़े मंत्रालय

शिवराज ने पीएम से कहा धन्यवाद

शिवराज सिंह चौहान सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कृषि मंत्रालय की जिम्मेदारी दिए जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घन्यवाद दिया है। उन्होंने लिखा- हमारी सरकार देशभर के किसान भाई-बहनों के कल्याण से जुड़े प्रत्येक संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं अपने पूरे सामर्थ्य से किसानों के हर सपने को पूरा करने के लिए परिश्रम करूंगा। देश का प्रत्येक किसान परिवार खुशहाल हो और प्रत्येक गांव तक विकास की पहुंच सुनिश्चित हो, यही मेरा प्रयत्न रहेगा।

चार दिन दिल्ली में ही रहेंगे शिवराज

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान अगले चार दिन तक दिल्ली में ही रहेंगे। शिवराज सिंह चौहान कृषि मंत्रालय और ग्रामीण विकास विभाग का पदभार ग्रहण करने के बाद अफसरों के साथ केंद्र सरकार के ऑनगोइंग प्रोजेक्ट्स और स्कीम्स के बारे में जानकारी लेंगे। मंत्रालयों के काम काज की समीक्षा के बाद ही वे भोपाल आएंगे।

मोदी का पहला फैसला शिवराज के मंत्रालय से जुड़ा

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यभार संभालते ही पीएम किसान निधि की 17वीं किस्त जारी की। मोदी ने फाइल पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा कि उनकी सरकार किसान कल्याण के लिए काम करती रहेगी। आने वाले समय में कृषि क्षेत्र में बड़े फैसले लिए जाएंगे। दूसरी तरफ शिवराज ने भी कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों के साथ अनौपचारिक बैठक की।

मोदी के 100 दिन के एक्शन प्लान को पूरा करने की चुनौती

पीएम मोदी ने सरकार बनने से पहले ही 100 दिन का एक्शन प्लान तैयार किया है, जिसमें कृषि मंत्रालय को किसानों के लिए ऑयल सीड्स और पल्सेज पर ध्यान देना शामिल है। वहीं, ग्रामीण विकास मंत्रालय के लिए भूमि सुधार को तवज्जो दी गई है। इसमें जमीन का रिकॉर्ड डिजिटल किया जाएगा। सरकार इसके लिए 1,035 करोड़ रुपए अलॉट कर सकती है। सरकार 2026 के आखिर तक सभी लैंड रिकॉर्ड्स डिजिटल करना चाहती है, ताकि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को व्यवस्थित कर सके। इससे डेवलपमेंट प्रोजेक्ट तेज गति से आगे बढ़ाए जा सकेंगे। नई सरकार के पहले बजट में इसकी घोषणा की जा सकती है।

सिंधिया को क्यों दिया टेलीकॉम मंत्रालय, क्या रहेंगी चुनौतियां

ज्योतिरादित्य सिंधिया को संचार मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में उनके पास सिविल एविएशन मंत्रालय था, जो इस बार राम मोहन नायडू को दिया गया है। सिंधिया पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्रालय भी संभालेंगे। वरिष्ठ पत्रकार एनके सिंह इसकी वजह बताते हैं कि सिंधिया को मनमोहन सरकार में संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री के रूप में शामिल किया गया था। उस समय उनका परफॉर्मेंस बेहतर रहा था। उन्होंने इस सेक्टर में जो रिफॉर्म्स किए थे, उनके परिणाम अब दिख रहे हैं। वे कहते हैं कि ट्र ए आई (टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया) को एक्टिव करने की चुनौती सिंधिया के सामने रहेगी।

वहीं, सिंधिया को पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। ये मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। केंद्रीय बजट 2022-23 में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए पीएम मोदी की पहल पर (पीएम-डिवाइन) स्कीम को एक नई केंद्रीय स्कीम के रूप में घोषित किया गया था। 12 अक्टूबर 2022 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस स्कीम को मंजूरी दी थी।

उद्धव ठाकरे की क्यों तारीफ करने लगे महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रकांत पाटिल?

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के संपन्न होने के साथ ही केंद्र में एनडीए की सरकार का गठन भी हो गया लेकिन अब उन राज्यों में मंथन का सिलसिला जारी है, जहां एनडीए को अपेक्षा के मुताबिक सीटें नहीं मिलीं. ऐसे राज्यों में उत्तर प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र भी है. महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी को बड़ी सफलता मिली है. उसके मुकाबले महायुति को बहुत कम सीटें मिली हैं. ऐसे में महायुति के नेता और राज्य के वरिष्ठ मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की तारीफ कर दी है. चंद्रकांत पाटिल ने कहा है कि इस चुनाव में उद्धव ठाकरे ने कड़ी मेहनत की है. हालांकि चंद्रकांत पाटिल ने तारीफ करने के साथ ही उद्धव ठाकरे को इस बात की तरफ भी इशारा करके आत्ममंथन करने का संदेश किया कि अघाड़ी में शिवसेना को कम जबकि कांग्रेस और एनसीपी को ज्यादा फायदा दिख रहा है.

दिल्ली में चिलचिलाती धूप और लू के थपेड़े

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। भीषण गर्मी के बीच इस सप्ताह राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। आज भी आसमान साफ रहेगा और दिन भर चिलचिलाती धूप का भी सामना करना पड़ेगा। लू के थपेड़े लगेंगे, वो अलग। मंगलवार सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य स्तर पर 28.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। ताजा जानकार के मुताबिक, मंगलवार सुबह साढ़े ग्यारह बजे दिल्ली के नरेला और मुंगेशपुर का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। वहीं पीतमपुरा में 40 डिग्री और नजफगढ़ में 37.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली गर्म हवाएं

मौसम विभाग का अनुमान है कि दिन में ज्यादातर जगहों पर लू चल सकती है। अधिकतम तापमान 44 डिग्री रह सकता है। 25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली गर्म हवाएं भी चलने की संभावना है। दूसरी तरफ दिल्ली की हवा अभी खराब चल रही है। सुबह नौ बजे दिल्ली का एक्यूआई 202 दर्ज किया गया जो 'खराब' श्रेणी में आता है।

नोएडा: गर्मी के साथ उमस की मार से लोग बेहाल

औद्योगिक नगरी में गर्मी के साथ उमस की दोहरी मार से लोग बेहाल हैं। धूप की छोड़िए, छांव में भी पसीना रुक नहीं रहा है। दिन यानी की अधिकतम तापमान अब भी 43 डिग्री के पार चल रहा है। हीट वेव (लू) भी चल रही है। इस कारण शरीर से लगातार पसीना छूट रहा है। न्यूनतम तापमान में भी राहत नहीं है।

सोमवार को अधिकतम पारा 43 व न्यूनतम पारा 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस कारण सुबह से उमस भरी गर्मी रही। दोपहर 12 से शाम चार बजे के बीच लू ने बुरा हाल कर दिया। घरों से बाहर निकले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रचंड गर्मी के का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। गर्मी के कारण लोग गला दर्द, जुकाम, बुखार, उल्टी-दस्त का शिकार हो रहे हैं। अस्पतालों में बड़ी संख्या में लोग इन बीमारियों से ग्रस्त होकर पहुंच रहे हैं।

डिविजनल कमिश्नर ने चप्पल पहनकर किया जलाभिषेक वीडियो वायरल हुआ तो मांगी माफी

उज्जैन, 11 जून (एजेंसियां)। उज्जैन के डिविजनल कमिश्नर का सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. वायरल वीडियों में उज्जैन के कमिश्नर संजय गुप्ता चप्पल पहनकर शिवलिंग पर जल अभिषेक करते नजर आ रहे हैं. उनके इस वीडियो के सामने आने के बाद हंगामा शुरू हो गया. इस वीडियो की वजह से वो हिंदू संगठनों के निशाने पर आ गए हैं. सोशल मीडिया पर भी उनका काफी विरोध हो रहा है. हंगामा

बढ़ता देख अधिकारी ने आनन-फानन में माफी मांगी.

हरियाणा-पंजाब और चंडीगढ़ में आसमान से बरसेगी आग

गुरूग्राम, 11 जून (एजेंसियां)। हरियाणा में मई के बाद एक बार फिर जून महीने में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो चुका है। मौसम विभाग ने 11 से 14 जून तक प्रदेश के अधिकतर जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इसके दौरान हरियाणा के दक्षिणी-पश्चिमी जिलों में अधिकतम तापमान 48 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचने वाला है। वहीं बात करें चंडीगढ़ की तो यहां 14 जून को हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा पंजाब में अगले 5 दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं हरियाणा के नारनौल में सोमवार को सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पंजाब के कई जिलों में तापमान में 3.1 सेल्सियस की बढ़ोतरी देखी गई। इसके अलावा हरियाणा के कुछ क्षेत्रों में 1.6 डिग्री सेल्सियस से 3.0 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। पंजाब कई हिस्सों में अधिकतम तापमान 42-45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। मौसम विभाग ने 11 और 15 जून को पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़ के कुछ हिस्सों में लू चलने की संभावना जताई है। हरियाणा के करनाल, अंबाला, कैथल, यमुनानगर और कुरुक्षेत्र में आज गर्मी का येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा हरियाणा के अन्य जिलों में आज लू का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार हरियाणा में मानसून की एंट्री 27 जून के बाद होने के आसार नजर आ रहे हैं।

लू की वजह से हो सकती है हीट स्ट्रोक की समस्या

पंजाब में 5 दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। इसके अलावा लू की वजह से हीट स्ट्रोक की समस्या भी आ सकती है। इस दौरान लोगों को सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

चंडीगढ़ में 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा तापमान

मौसम विभाग के अनुसार चंडीगढ़ में इस सप्ताह तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। 14 जून तक हीटवेव अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान तेज लू चलने की संभावना जताई गई है। यहां 22 जून तक प्री-मानसून की बारिश होने की संभावना है।

एससी-एसटी का आरक्षण धर्म के आधार पर दूसरे समुदाय को दिया गया: सीएम नायब सिंह

गुरूग्राम, 11 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक बार कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है कि एससी और एसटी का आरक्षण धर्म के आधार पर दूसरों को दिया गया। यही काम कांग्रेस ने कर्नाटक के अंदर किया है, यही काम टीएमसी की नेता कर रही हैं। एक सोची समझी योजना के तहत देश के अंदर भाईचारे को खराब करने का काम किया जा रहा है। लेकिन, देश के लोग समझ चुके हैं, इनके चेहरे को देख चुके हैं और अब आने वाले समय के अंदर कांग्रेस का सुपड़ा साफ हो जाएगा। सीएम नायब सिंह सैनी ने आगे कहा कि जिस प्रकार से इन्होंने झूठ बोलकर ये नींव खड़ी की है। ये नींव गिर जाएगी। इस नींव के नीचे कोई मजबूती नहीं है। कांग्रेस और घमंडिया गठबंधन की जो नींव खड़ी हुई है, ये झूठ के ऊपर खड़ी हुई है और ये ढह जाएगी। वहीं मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के 80 सीटों वाले बयान पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि सुरजेवाला खुद बता दें कि वे कौन सी सीट से लड़ेंगे। ये तो बाद में पता चलेगा कि 80 सीटें आएंगी या नहीं। जब वो सत्ता के अंदर थे तो उन्हें बड़ा अहंकार था। उन्हें नीचे कोई गरीब व्यक्ति नहीं दिखाई देता था, लेकिन हमें खुशी है कि जो समस्याएं गरीब लोगों के लिए पैदा हुईं, उनका हमने समाधान किया। उन्होंने खनौरी के प्रदर्शन में टीएमसी नेताओं के शामिल होने पर प्रदेश में भाईचारा खराब करने का आरोप लगाया। सीएम नायब सिंह सैनी ने एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 करोड़ नए घर बनाए जाने के फैसले का स्वागत किया।

मोहन भागवत के आशीर्वाद से ही सरकार चल रही है: संजय राउत

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को नागपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मणिपुर हिंसा पर बयान दिया। उन्होंने कहा, मणिपुर एक साल से शांति की राह देख रहा, इसपर विचार करना होगा। मोहन भागवत के इस बयान पर विपक्षी दलों के नेताओं ने प्रतिक्रिया दी। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि आरएसएस प्रमुख के बोलने से क्या होता है। उन्हीं के आशीर्वाद और कहने से सरकार चलती है। वहीं, एनसीपी (शरद पवार गुट) की नेता सुप्रिया सुले ने कहा कि मैं मोहन भागवत के बयान का स्वागत करती हूं, क्योंकि मणिपुर भारत का हिस्सा है और जब हम अपने लोगों को इतना कष्ट सहते हुए देखते हैं, तो यह हम सभी के लिए बेहद परेशान करने वाला होता है। उन्होंने आगे कहा कि इंडिया गठबंधन लंबे समय से इसकी मांग कर रहा है। आइए सभी दलों के साथ एक अच्छी समिति बनाएं, आइए मणिपुर को विश्वास दिलाएं। बंदूक से हल नहीं होता। वहीं, आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'यह खबरें तो बार-बार आ रही थी कि आरएसएस बीजेपी से खुश नहीं है। मगर समस्या यह है कि क्या आरएसएस के कहने पर बीजेपी सीख लेगी। मुझे नहीं लगता की सीख लेगी, क्योंकि बीजेपी के अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद कह चुके हैं कि हमें आरएसएस की जरूरत नहीं है, हम आत्मनिर्भर हैं।

पुलिस ने 13 साल के बच्चे को पकड़ा, दिल्ली से टोरंटो जाने वाले विमान को बम से उड़ाने की दी थी धमकी

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने बम की झूठी सूचना देने के आरोप में 13 साल के किशोर को पकड़ा है। किशोर यह देखना चाहता था कि इस मामले में पुलिस उसे पकड़ पाती है या नहीं। आरोपी ने मेल भेजकर दिल्ली से टोरंटो जाने वाली फ्लाइट में बम होने के बारे में झूठी सूचना दी थी। नाबालिग को बाल न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उसकी हिरासत उसके माता-पिता को सौंप दी गई। बीती पांच जून को एयर कनाडा के टोरंटो जाने वाले विमान में उस समय दहशत फैल गई थी जब इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे को एक ईमेल मिला था। जिसमें दावा किया गया कि विमान में बम रखा है। जांच करने पर फ्लाइट में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। एक अधिकारियों ने बताया था कि दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) कार्यालय को मंगलवार रात 10.50 बजे एक ईमेल मिला था।

नाबालिग की सहमति मायने नहीं रखती

शारीरिक संबंध बनाना रेप', दिल्ली के कोर्ट ने आरोपी को ठहराया दोषी

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की एक कोर्ट ने एक व्यक्ति को जनवरी 2015 में 14 साल की एक लड़की के साथ रेप करने का दोषी करार दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर नाबालिग के साथ शारीरिक संबंध बनाया जाता है, तो यह रेप का अपराध होगा और ऐसे मामलों में सहमति मायने नहीं रखती है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमित सहरावत एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे थे, जिस पर रेप के दंडात्मक प्रावधान और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 6 के तहत आरोप लगाया गया था। अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक विनीत दहिया उपस्थित हुए। अदालत ने आरोपी के साथ स्वेच्छा से शारीरिक संबंध बनाने के कारण गर्भवती होने और बाद में बच्चे को जन्म देने के बारे में लड़की के सुसंगत और विश्वसनीय बयानों पर गौर किया। कोर्ट ने बचाव पक्ष के वकील की इस दलील को खारिज कर दिया कि घटना के समय लड़की बालिग थी। कोर्ट ने कहा कि सबूतों के अनुसार वह लगभग 14 साल की थी।

कोर्ट ने और क्या कहा?

अदालत ने आगे कहा कि बचाव पक्ष ने पहले ही अभियोजन पक्ष के मामले को शारीरिक संबंधों की सीमा तक स्वीकार कर लिया है। इस प्रकार यदि किसी नाबालिग लड़की के साथ शारीरिक संबंध स्थापित किए जाते हैं, तो यह पूरी तरह से रेप और प्रवेशन यौन उत्पीड़न की परिभाषा के अंतर्गत आता है और मामले में सहमति मायने नहीं रखती है। अदालत ने कहा कि डीएनए रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ही बच्ची का बॉयोलॉजिकल पिता है। अदालत ने कहा कि आरोपी को रेप और प्रवेशन यौन उत्पीड़न का दोषी पाया गया है। अदालत सजा की अवधि से जुड़ी दलीलों पर सुनवाई बाद में करेगी।

अमित मालवीय को बदनाम करने के लिए 'यौन शोषण' की पोस्ट 'एक्स' पर नहीं डाली थी, आरएसएस के शांतनु सिन्हा ने विवाद पर दी सफाई

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। बीजेपी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय द्वारा मानहानि का मुकदमा दायर करने के बाद अब आरएसएस सदस्य शांतनु सिन्हा ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि महिलाओं के 'यौन शोषण' पर उनके सोशल मीडिया पोस्ट का उद्देश्य मालवीय की छवि को खराब करना नहीं था। शांतनु सिन्हा ने इसे अपमानजनक बताया कि कांग्रेस पार्टी अमित मालवीय और भाजपा के खिलाफ "घृणा" फैला रही है। उन्होंने पश्चिम बंगाल भाजपा इकाई की भी आलोचना की और कहा कि वह यह देखकर आश्चर्यचकित हैं कि राज्य भाजपा के किसी भी व्यक्ति ने मेरे 'पोस्ट' का अभिप्राय समझने की कोशिश नहीं की और संदिग्ध भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट संदेश देना चाहता हूं कि मेरे एक्स पोस्ट का उद्देश्य अमित मालवीय को बदनाम करना नहीं था, बल्कि हनी ट्रैप में न फंसने की चेतावनी देना था। जिसे सबसे पहले त्रिपुरा राज्य इकाई के पूर्व

अध्यक्ष और पूर्व राज्यपाल तथागत रॉय ने प्रकाश में लाया था। शांतनु ने कहा, पोस्ट में किसी भी कोने में अमित मालवीय द्वारा महिलाओं के यौन शोषण के बारे में कोई फुसफुसाहट नहीं है बल्कि मैंने वहां अपना डर व्यक्त किया है कि क्या इतनी पराजय के बावजूद अपने पद पर बने रहने के लिए पार्टी के बेईमान नेता अमित मालवीय को हनी ट्रैप में फंसा लेंगे। उन्होंने अपना दुख व्यक्त करते हुए कहा, मैंने पोस्ट में कुछ भी अप्रिय नहीं लिखा है। मैं, एक संघ स्वयं सेवक, एबीवीपी का पूर्व राज्य सचिव और राज्य विधानसभा चुनाव और कोलकाता नगर निगम चुनाव में प्रतियोगी नहीं चाहता कि मेरे पोस्ट की गलत व्याख्या करके भारतीय जनता पार्टी और उसके पदाधिकारियों को किसी भी तरह से कमजोर किया जाए। इससे पहले सोमवार को कांग्रेस ने सिन्हा की 7 जून, 2024 की कथित 'यौन शोषण' पोस्ट के बाद अमित मालवीय को उनके पद से हटाने की मांग की थी। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, "बीजेपी नेता राहुल सिन्हा से जुड़े आरएसएस सदस्य शांतनु सिन्हा ने कहा है कि बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय नापाक गतिविधियों में शामिल हैं। वह न केवल 5 सितारा होटलों में बल्कि पश्चिम बंगाल में भाजपा कार्यालयों में भी महिलाओं का शोषण करते हैं। हम भाजपा से केवल महिलाओं के लिए न्याय चाहते हैं।" श्रीनेत ने कहा कि घटना की स्वतंत्र जांच तभी संभव है, जब अमित मालवीय को उनके पद से हटा दिया जाए।

विकास जरूरी है लेकिन विचारधारा भी बेहद जरूरी

एनसीपी की स्थापना दिवस पर एनडीए को लेकर बोले अजित पवार

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस अजित पवार गुट की ओर से पार्टी का 25वां स्थापना दिवस शहर के शन्नमुखानद हॉल में मनाया गया। इस कार्यक्रम में अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, सुनील तटकरे के अलावा पार्टी तमाम विधायक व पदाधिकारी मौजूद रहे। अजित पवार ने लोकसभा चुनाव में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन का जिक्र करते हुए विचारधारा पर जोर देते हुए कहा कि फुले, साहू ,आम्बेडकर की विचारधारा हमारी थी और रहेगी। हम इस विचारधारा से कभी अलग नहीं हो सकते, विकास के मुद्दे पर हम एनडीए के साथ गए हैं, विकास जरूरी है लेकिन विचारधारा भी बहुत जरूरी है, विचारधारा आत्मा है और आत्मा के बिना कोई जीवित नहीं रह सकता।

शरद पवार का भी किया जिक्र

अजित पवार ने इस पर आगे कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस की स्थापना और उसके विस्तार में कई नेताओं का योगदान है। शरद पवार का भी राष्ट्रवादी कांग्रेस के विस्तार में योगदान है। मैं उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। हमने राज्य में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जैसे- हमने डांस बार बंद करना हो या गुटखा पर पाबंदी हो। देश की राजनीतिक परिस्थिति हमेशा बदलती रहती है। कई लोगों के अंदाज गलत साबित हुए। कल मैं दिल्ली में था मेरी बातचीत जेपी नड्डा, अमित शाह से हुई, हम बात कर रहे थे लोकसभा की एक ही सीट आई है इसलिए हमें एक स्वतंत्र मंत्रालय राज्यमंत्री का पद दिया जा रहा था लेकिन हमने मना कर दिया क्योंकि प्रफुल्ल पटेल कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं इसलिए हमने राज्यमंत्री पद लेने से मना कर दिया। लेकिन हम एनडीए के साथ ही रहेंगे यह भी हमने स्पष्ट किया है।

'विकास जरूरी है लेकिन विचारधारा भी बेहद जरूरी'

अजित ने आगे कहा कि हम भले ही महायुती में है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि हमने महात्मा फुले, साहू महाराज और डॉ। बाबा साहब आम्बेडकर की विचारधारा छोड़ी है। महायुती में एनडीए में आने से पहले ही हमने स्पष्ट कर दिया था कि हम फुले साहू आम्बेडकर की विचारधारा लेकर ही साथ चलेंगे और उन्होंने ने भी हमारी विचारधारा को स्वीकार किया। संविधान बदलने को लेकर विपक्ष ने एक गलत नरैटिव हमारे बारे में सेट किया। प्रधानमंत्री ने कल सबसे पहले संविधान को माथे से लगाया है। सोशल मीडिया को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता जैसे चंद्रबाबू नायडू और शिवराज चौहान योजना लेकर अपने राज्य में आए, हमें भी महाराष्ट्र के लिए बड़ी परियोजना लानी होगी। कापस, सोयाबीन, दूध और प्याज की कीमत पर हम काम करेंगे कि किसान को अच्छे दाम मिलने चाहिए प्याज ने तो सभी को रुलाया, प्याज की वजह से कई सीट हम हारे हैं अजित पवार ने आगे कहा कि फुले, साहू ,आम्बेडकर की विचारधारा हमारी थी और रहेगी, हम इस विचारधारा से कभी अलग नहीं हो सकते। विकास के मुद्दे पर हम एनडीए के साथ गए है, विकास जरूरी है लेकिन विचारधारा भी बेहद जरूरी है विचारधारा आत्मा है और आत्मा के बिना कोई जीवित नहीं रह सकता। एनडीए की बैठक में हमारी प्रधानमंत्री के साथ चर्चा हुई उस वक्त उन्होंने स्पष्ट किया कि अगले 100 दिन का रोड मैप तयार किया है। जो सामाजिक घटक हमसे दूर गया है उसे हमें साथ में लेना है। चिराग पासवान भी एनडीए का हिस्सा है लेकिन पिछड़ा वर्ग भी उनके साथ रहा।

अडानी ने बनाया विशालकाय प्लांट, अब अंतरिक्ष से भी दिखने लगा

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी ग्रुप ने सोलर एनर्जी सेक्टर में बड़ा कदम रखा है. अडानी ग्रुप ने लगभग 1.63 ट्रिलियन रुपये (15.8 अरब पौंड) के निवेश से गुजरात के खावड़ा में स्थित रिन्यूएबल एनर्जी पार्क तैयार किया है. यह प्लांट लगभग 200 स्क्वायर मील इलाके में फैला है. इस प्लांट से अब बिजली का उत्पादन शुरू हो चुका है. फ्रांस की राजधानी पेरिस से लगभग 5 गुना बड़ा यह प्लांट इतना विशालकाय है कि इसे अब अंतरिक्ष से ही देखा जा सकता है. इसके साथ ही यह शायद पहला ऐसा प्लांट बन गया है, जिसे अंतरिक्ष से देखा जा सकता है. इस प्लांट को सोलर एनर्जी सेक्टर के लिए गेमचेंजर माना जा रहा है।

ब्रिटिश अखबार ने किया दावा

ब्रिटेन के अखबार डेली एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अडानी ग्रुप का यह विशालकाय प्रोजेक्ट अंतरिक्ष से दिखने लगा है. एक बार प्लांट का काम पूरा हो जाने एक बाद यह स्विट्जरलैंड जैसे छोटे देश की ऊर्जा जरूरतों के बराबर बिजली अकेले ही पैदा कर पाएगा. रिपोर्ट में कहा गया है कि यह प्लांट भारत के 2 करोड़ घरों को रोशन करने में सक्षम होगा. भारत जैसे विशालकाय 140 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले देश में यह प्लांट बेहद अहम है।

150 रुपए बढ़कर 71,840 रुपए पर पहुंचा सोना

चांदी में 1,200 रुपए की गिरावट ये 90,500 रुपए प्रति किलो बिक रही

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 11 जून को तेजी है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 150 रुपए बढ़कर 71,840 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी 1,200 रुपए घटकर 90,500 रुपए में बिक रही है। इस साल सोने के दाम 7,900 रुपए प्रति 10 ग्राम से ज्यादा बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,870 रुपए पर था। वहीं चांदी 78,900 रुपए प्रति किलो पर थी। यानी, चांदी इस साल 11,600 रुपए बढ़ चुकी है।

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। नए नियम के तहत एक अप्रैल से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं।

मस्क ने एपल–ओपन एआई पार्टनरशिप का विरोध किया

कहा-इससे पर्सनल डाटा सेफ नहीं रहेगा, ऐसा हुआ तो ऑफिस में बैन करेंगे एपल के प्रोडक्ट

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क ने एपल की ओपनएआई के साथ पार्टनरशिप का विरोध किया है। मस्क ने इसे लेकर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा-अगर ऐसा होता है तो वह अपनी कंपनी में एपल के प्रोडक्ट इस्तेमाल करने पर रोक लगा देंगे।

एपल ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को अपनी डिवाइस में और बेहतर करने के लिए चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के साथ पार्टनरशिप का ऐलान किया है। कंपनी के इस फैसले से लोगों को डर है इससे उनका पर्सनल डाटा सेफ नहीं रहेगा।

मस्क ऑफिस में बैन करेंगे एपल के प्रोडक्ट

मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा की अगर एपल ऑपरेटिंग सिस्टम लेवल पर ओपनएआई को इंट्रीग्रेट करता है तो तो मेरी कंपनियों में एपल के डिवाइस बैन किए जाएंगे। यह एक अनएक्सेप्टेबल सिक्योरिटी वायलेंस है। वहीं उन्होंने लिखा कि कंपनी में आने वाले विजिटर्स के पास अगर एपल का डिवाइस है तो एंट्री गेट पर ही डिवाइस की जांच की जाएगी। इसके अलावा डिवाइस को वहीं जमा करा लिया जाएगा। एक अन्य पोस्ट में मस्क ने एपल पर तंज कसते हुए लिखा कि यह स्पष्ट रूप से बेतुका है कि एपल इतना स्मार्ट नहीं है कि वह अपना खुद का एआई बना सके, और इसके बाद भी वह कह रहा है कि आपकी सुरक्षा और गोपनीयता की रक्षा करेगा! एपल को इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि ओपनएआई को आपका डेटा सौंपने के बाद वास्तव में क्या हो रहा है। वे आपको खतरे में डाल रहे हैं।

सिक्योरिटी और सेफ्टी के लिए जाना जाता है एपल

एपल के पास प्राइवेसी और सिक्योरिटी के लिए खास आर्किटेक्चर हैं। वो डेटा सिक्योरिटी को लेकर समझौता नहीं करती। 2016 में आतंकी सैयद फारूख के पास से एफबीआई को आईफोन मिला था। इसे अनलॉक करने के लिए एजेंसी ने एपल से मदद मांगी, लेकिन एपल ने मना कर दिया था। फेसटाइम और आईक्लाउड जैसी एपल सर्विसेज आपके फोन से आने-जाने वाले डेटा और एपल के सर्वर पर संग्रहीत डेटा की सुरक्षा के लिए एन्क्रिप्शन इस्तेमाल करती हैं। कोई बग आने पर एपल बिना किसी इंटरफेरेंस के तुरंत सॉफ्टवेयर अपडेट देती है। एपल के डिवाइसेस में वायरस के खतरे की संभावना बहुत कम होती है।

बैंक कर्मचारियों को मिल गया तोहफा, डीए में इजाफा का ऐलान, 5 दिन वर्किंग पर फैसले का इंतजार!

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। बैंक कर्मचारियों के लिए मंगलवार का दिन बड़ी खुशखबरी लेकर आया है. उनके महंगाई भत्ते में जोरदार बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया गया है. इंडियन बैंक एसोसिएशन की ओर से बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों को मई, जून और जुलाई महीने के लिए 15.97 फीसदी की दर से डीए मिलेगा. इस संबंध में एक सर्कुलर जारी कर आईबीए ने जानकारी शेयर की है. यानी इन महीनों की सैलरी में बंपर इजाफा देखने को मिलेगा। इंडियन बैंक एसोसिएशन ने अपने सर्कुलर में कहा कि बैंक कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी का ऐलान कर दिया गया है. मई, जून, जुलाई 2024 के लिए बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों के महंगाई भत्ता उनके वेतन का 15.97 फीसदी होगा. इसके साथ ही सर्कुलर में बताया गया है कि दिनांक 08 मार्च 2024 के 12वें द्विपक्षीय समझौते के खंड-13 और संयुक्त नोट के खंड 2 (i) के अनुसार महंगाई भत्ते में इजाफा किया गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	वृष	में
चंद्र-	सिंह	में
मंगल	मेष	में
बुध-	वृष	में
गुरु-	वृष	में
शुक्र-	वृष	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय		
वृष--	03-59	बजे
मिथुन..	06-01	बजे
कर्क...	08-12	बजे
सिंह...	10-25	बजे
कन्या..	12-32	बजे
तुला.....	14-37	बजे
वृश्चिक..	16-46	बजे
धनु.....	19-00	बजे
मकर...	21-07	बजे
कुंभ....	22-57	बजे
मीन...	00-35	बजे
मेष....	02-12	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 05-45
सूर्यास्त. -18-46
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -197294912 5
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी 19-16 तक उपरान्त सप्तमी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल, बुधवार 12 June
नक्षत्र - मघा 02-11 तक उपरान्त पूर्वफाल्गुनी
योग - हर्षण 17- 14 तक उप वज्र
करण- कौलव 06-18 तक उप तैतिल
विशेष:- अरण्य षष्ठी विंध्यवासिनी पूजा
व्रत -त्योहार - मिथुन राशि मे शुक्र -18-29 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:16 से 13:54 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	05:45 - 07:21	शुभ	उत्पात	18:46 - 20:11	अशुभ
अमृत.	07:21 - 08:59	शुभ	शुभ।	20:11 - 21:33	शुभ
काल	08:59 - 10:38	अशुभ	अमृत.	21:33 - 22:55	शुभ
शुभ.	10:38 - 12:16	शुभ	चंचल.	22:55 - 24:16	शुभ
रोग	12:16 - 13:54	अशुभ	रोग .	24:16 - 01:38	अशुभ
उत्पात	13:54 - 15:33	अशुभ	काल.	01:38 - 02:59	अशुभ
चंचल	15:33 - 17:11	शुभ	लाभ	02:59 - 04:21	शुभ
लाभ	17:11 - 18:46	शुभ	उत्पात	04:21 - 05:45	अशुभ

मई महीने में पैसेंजर व्हीकल्स की सेल्स 4% बढ़ी

3.47 लाख यूनिट्स रही, टू-व्हीलर्स 10% बढ़कर 16.20 लाख से ज्यादा बिके

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। मई महीने में पैसेंजर व्हीकल्स की सेल्स पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 4% बढ़कर 3,47,492 यूनिट्स हो गई। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) ने अपनी एक रिपोर्ट में इस बात की जानकारी दी है।

सियाम ने बताया कि मई में 55,763 थ्री-व्हीलर्स बिके, जबकि टू-व्हीलर्स की सेल्स 16,20,084 यूनिट्स रही। मई में थ्री-व्हीलर्स की सेल्स पिछले साल की समान अवधि के 48,610 यूनिट्स से 14.7% ज्यादा रही। टू-व्हीलर्स की बिक्री भी पिछले साल की समान अवधि के 14,71,550 यूनिट्स से 10.1% ज्यादा रही।

ऑटो इंडस्ट्री 2024-25 में स्थिर ग्रोथ की उम्मीद करते हैं: सियाम प्रेसिडेंट

सियाम के प्रेसिडेंट विनोद अग्रवाल ने कहा, 'पैसेंजर व्हीकल्स, कमर्शियल व्हीकल्स, टू-व्हीलर्स और थ्री-व्हीलर्स जैसे सभी सेगमेंट्स में मई 2023 की तुलना में मई 2024 में ग्रोथ दर्ज की गई है। पैसेंजर व्हीकल्स में सिर्फ मामूली ग्रोथ देखने को मिली है, जिसका मुख्य कारण पिछले साल का हाई बेस इफेक्ट है।' अग्रवाल ने कहा कि सामान्य से बेहतर मानसून की उम्मीद और नई सरकार द्वारा आर्थिक विकास पर निरंतर जोर दिए जाने के साथ, ऑटो इंडस्ट्री 2024-25 में भी हम स्थिर ग्रोथ की उम्मीद करते हैं।

पैसेंजर व्हीकल्स की सेल्स मई में अब तक की सबसे ज्यादा

सियाम के डायरेक्टर राजेश मेनन ने कहा, 'मई 2024 में पैसेंजर व्हीकल्स की सेल्स मई में अब तक की सबसे ज्यादा रही है। हालांकि, मई 2023 की तुलना में 3.9% की मामूली ग्रोथ हुई है।'

मई 2024 में टोटल प्रोडक्शन 24,55,637 यूनिट्स रहा

सियाम के आंकड़ों के अनुसार, मई 2024 में पैसेंजर व्हीकल्स, थ्री-व्हीलर्स, टू-व्हीलर्स और क्वाड्रिसाइकिल का टोटल प्रोडक्शन 24,55,637 यूनिट्स रहा।

मई में डोमेस्टिक पैसेंजर व्हीकल्स की रिटेल सेल्स में 1% की गिरावट : एफएडीए

इस बीच एफएडीए के अनुसार, मई में डोमेस्टिक पैसेंजर व्हीकल्स की रिटेल सेल्स में साल-दर-साल 1% की गिरावट आई।

सेंसेक्स 32 अंक नीचे 76,457 के स्तर पर बंद

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी आज, 11 जून को सेंसेक्स 32 अंक गिरकर 76,457 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 5 अंक चढ़कर 23,264 के स्तर पर फ्लैट बंद हुआ। आज के कारोबार में सबसे ज्यादा तेजी मीडिया और रियल्टी शेयरों में रही।

एनएसई के मीडिया इंडेक्स 1.75% चढ़कर बंद हुआ। निफ्टी ऑयल एंड गैस में 1.33% की तेजी रही। रियल्टी इंडेक्स 1.13% चढ़ा। निफ्टी ऑटो और पीएसयू भी चढ़कर बंद हुए। वहीं सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 15 में तेजी और 15 में गिरावट रही।

हेरिटेज फूड्स के शेयर में 5% की गिरावट

कंपनी में चंद्रबाबू नायडू परिवार की 35.71% हिस्सेदारी

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां)। हेरिटेज फूड्स के शेयर में आज 5% की गिरावट देखने को मिल रही है। कंपनी का शेयर 34.75 रुपए (5.00%) की गिरावट के साथ 660.30 रुपए पर कारोबार कर रहा है। इस कंपनी में चंद्रबाबू नायडू के परिवार की 35.71% हिस्सेदारी है।

हेरिटेज ग्रुप की स्थापना 1992 में चंद्रबाबू नायडू ने की थी। यह कंपनी डेयरी, रिटेल और एग्री सेगमेंट में काम करती है। हाल ही में हुए आंध्र प्रदेश विधानसभा और लोकसभा चुनावों में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू का शानदार प्रदर्शन रहा है।

बीते 1 महीने में दिया 81% का रिटर्न

बीते 1 साल में देखें तो हेरिटेज फूड्स के शेयर में 81% की बढ़त देखने को मिली है। 13 मई को कंपनी का शेयर 363.05 रुपए पर था तो अब 660.30 रुपए पर है। यानी 1 महीने में ही ये 297.25 रुपए बढ़ चुका है। चंद्रबाबू नायडू की पत्नी भुवनेश्वरी के पास कंपनी में 24.37% हिस्सेदारी है।

देश का सबसे बड़ा बैंक जुटाएगा 3 अरब डॉलर

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। देश का सबसे बड़ा बैंक एसबीआई (एसबीआई) वित्त वर्ष 2025 में 3 अरब डॉलर डेट के माध्यम से जुटाने जा रहा है. सार्वजनिक क्षेत्र के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने मंगलवार को अपनी इस योजना का खुलासा किया है. बैंक के बोर्ड ने इस योजना को मंजूरी दे दी है. हालांकि, बैंक ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है कि वह इस पैसे का इस्तेमाल कहां करेगा. मंगलवार को एसबीआई के शेयर में उछाल देखा गया है।

एक्सचेंज फाइलिंग में एसबीआई ने दी जानकारी

एसबीआई की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में डेट के जरिए 3 अरब डॉलर जुटाए जाएंगे. यह फंड जुटाने के लिए बैंक पब्लिक ऑफर या सीनियर अनसिक्योर्ड नोट्स के प्राइवेट प्लेसमेंट का रास्ता अपना सकता है. बैंक के मुताबिक, ये नोट्स अमेरिकी डॉलर या अन्य प्रमुख विदेशी मुद्राओं में होंगे. बैंक के अनुसार मार्केट रेगुलेटर सेबी के नियमों के दायरे में हुई बैठक में बोर्ड ने यह पैसा जुटाने की मंजूरी दी है।

लोन की डिमांड को पूरा करने के लिए अन्य बैंक भी कर रहे तैयारी

भारत में लोन की डिमांड बहुत तेजी से बढ़ रही है. इसके चलते एसबीआई समेत सभी भारतीय बैंक अपनी पूंजी को बढ़ाने के लिए लगातार कदम उठा रहे हैं. बाजार विशेषज्ञों ने एसबीआई के इस कदम को भी उसी दिशा में लिया गया निर्णय बताया है. एसबीआई के अलावा सरकारी स्वामित्व वाले केनरा बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक और पंजाब नेशनल बैंक भी चालू वित्त वर्ष में डेट के माध्यम से फंड इकठ्ठा करने का प्लान बना रहे हैं।

एसबीआई चेयरमैन ने पहले ही दिए थे संकेत

एसबीआई ने जनवरी में भी 50 अरब रुपये (60 करोड़ डॉलर) जुटाए थे. इसके लिए बैंक ने बेसल 3 आधारित टियर 1 परपेचुअल बॉन्ड जारी किए थे. एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने पिछले ही महीने कहा था कि बैंक अपने उद्देश्यों की पूर्ती के लिए इक्विटी कैपिटल इकठ्ठा करने पर विचार कर रहा है.

ब्रिक्स देशों के व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल पर जोर

नया कोटा फॉर्मूला अपनाने का भी आह्वान

मॉस्को, 11 जून (एजेंसियां)। ब्रिक्स देशों ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय लेन-देन में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही इन देशों ने नियम आधारित खुले एवं पारदर्शी वैश्विक व्यापार के लिए प्रतिबद्धता जताई।

ब्रिक्स की एक बैठक हुई

बता दें, रूस के निजनी नोवगोरोड में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की एक बैठक हुई। इस दौरान ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार और वित्तीय लेनदेन में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ाने सहित कई मुद्दों पर चर्चाएं हुईं। बैठक में मंत्रियों ने माना कि वैश्विक वित्तीय संरचना के सुधार की आवश्यकता है।

नेताओं को रिपोर्ट करने का काम

संयुक्त बयान के अनुसार, 'उन्होंने जोहानिसबर्ग द्वितीय घोषणापत्र के पैराग्राफ 45 का जिक्र किया, जिसमें ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों को स्थानीय मुद्राओं, भुगतान उपकरणों और मंचों के मुद्दे पर विचार करने और ब्रिक्स नेताओं को रिपोर्ट करने का काम सौंपा गया है।'

इन मांगों को भी दोहराया

इसके अलावा, विदेश मंत्रियों ने सीओपी27 में की गई मांग को दोहराया कि यह गारंटी दी जाए कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान सुधार में वित्तपोषण के दायरे का विस्तार करने और संसाधनों तक आसान पहुंच को सुविधाजनक बनाने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने अनुमान लगाया कि 2025 इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट शेयरधारक समीक्षा एक बड़ी सफलता होगी।

नया कोटा फॉर्मूला अपनाने पर जोर

विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के ब्रिक्स मंत्रियों की बैठक के अंत में जारी एक संयुक्त बयान में एक मजबूत वैश्विक वित्तीय सुरक्षा आवरण पर भी जोर दिया गया, जिसके केंद्र में कोटा-आधारित और पर्याप्त संसाधनों वाला अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) हो। बयान के मुताबिक कोटा की सामान्य समीक्षा के तहत आईएमएफ व्यवस्था की सुधार की प्रक्रिया को जारी रखने का आह्वान किया। इसमें नया कोटा फॉर्मूला अपनाने की बात भी कही गई। वहीं रूस के विदेश मंत्री का कहना है कि उभरती राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में सुधार और राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार के लिए एक मंच विकसित करने पर सक्रिय रूप से काम करना शुरू कर दिया है, जिसकी परिकल्पना 2023 में जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन में की गई थी।

कौन-कौन से देश सदस्य?

ब्रिक्स, जो ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का संक्षिप्त रूप है, एक अनौपचारिक साझेदारी है जो सदस्य देशों के बीच सहयोग और संचार को बढ़ावा देती है। ब्रिक्स देशों के बीच कोई औपचारिक या कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता नहीं है। ब्रिक्स शब्द जिम ओ'नील द्वारा बनाया गया था, जिन्होंने उस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था के भीतर इन देशों की क्षमता पर जोर देने के लिए इस शब्द का प्रयोग किया था। जब ओ'नील ने बिल्डिंग बेटर ग्लोबल इकोनॉमिक ब्रिक्स शीर्षक से अपना पेपर प्रकाशित किया, तो उनका मानना था कि ये देश, अपने आर्थिक विकास, संसाधनों और बढ़ती आबादी के कारण, 21वीं सदी के भीतर आर्थिक महाशक्ति बन जाएंगे।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है, लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए, अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा। आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज सितारे उन लोगों के पक्ष में है जो की अचल संपत्ति में या निर्माण व्यवसाय में हैं। यह संपत्ति खरीदने के लिए एक अच्छा समय है। आज एक लघु एवं अच्छे सौदे का अवसर आपको घर की खरीद में मिल सकता है। इस क्षेत्र में किया गया निवेश अब आपको फल देगा। अच्छे परिणाम के लिए आप आज अचल संपत्ति में निवेश शुरू कर सकते हैं।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण, एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है। आप जीवंत महसूस करेंगे। आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे। इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में, अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे। एक स्वस्थ मन एक स्वस्थ शरीर में रहता है।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे। आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। साथ ही साथ आप अपने व्यय को भी नियंत्रित करने के लिए खर्चो पर लगाम लगाएंगे।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
आपकी वित्तीय जरुरतो पर अनसोची व अप्रत्याशित मांगों की वजह से दिन परेशानी में रह सकता हैं। आपने अपने सभी बकाया राशि का भुगतान कर दिया है यह सुनिश्चित करने के लिए अपने सभी बिलों और अन्य दायित्वों की जाँच करें। अनदेखी में निकट भविष्य में वह राशि बड़ी मात्रा में आपको परेशान कर सकती है।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो,
अगर आप अपने कार्यक्षेत्र या अपने आर्थिक लक्ष्यों के लिए किसी पारंगत व्यक्ति या अपने निकट जानने वाले व्यक्ति से परामर्श लेते है तो ये सुझाव आपको काफी लाभ दे सकता है। आज का दिन इंजीनियरों और कंप्यूटर में प्रवीण व्यक्तियों के लिए काफी अछा रहेगा। आपको दूसरी नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है या उसी नौकरी में स्थान परिवर्तन के संकेत भी आपको मिल सकते है।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
आपने पिछले कुछ दिनों में कुछ अधिक खर्च किया है जिसके आप आदी नहीं हैं। आज सतर्कता की अवस्था आप के अंदर रहेगी। आपके दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव आएगा और आप अपने बजट को सख्त बनाने और धन संचय पर अधिक जोर देंगे, हालाँकि आपको अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा की आपका धन बर्बाद और खत्म हो जाएगा।

वृश्चिक तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है, लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे। आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है। इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा और यहां तक कि वह आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आज के दिन आपको एक अप्रत्याशित रूप से उपहार आपके दिल के निकट के व्यक्ति से मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए काफी उत्तम रहेगा। आपके सहकर्मी और आपसे उच्च पद पर तैनात सहकर्मी आपसे खुश रहेंगे तथा आपसे पूरा सहयोग एवं सहायता करेंगे जिसकी वहज से आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे तथा सांयकालीन बेला में आप किसी समारोह का भी आयोजन कर सकते है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप इस समय परिस्थितियों के गहन अर्थ को समझने की कोशिश में रहेंगे! आप हाल ही में अपने पुरे किये गए कार्यो की समीक्षा करेंगे और अपने काम को और बेहतर बनाने के तरीके पर गौर करेंगे। हालांकि वित्तीय प्रबंधन आपके लिए मुश्किल साबित हो सकता है। आपके लिए धन संचित करना मुश्किल होगा!

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
यह आप के लिए एक महान दिन है! आप दूसरों को अपने विचारों और अवधारणाओं को पेश करने के लिए इस अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हो सकता है की आपकी मासूमियत और ईमानदारी, व्यंग्य और आक्रामकता के रूप में लोगो को लगे क्यों की लोग आप से ज्यादा परिचित नहीं हैं। इसलिए सावधान रहे क्यों की हो सकता है, स्थितिया उस अनुपात में आपका साथ न दे।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
आपकी वित्तीय नियोजन और कड़ी मेहनत ने रंग दिखाया है। जो लोग पहले आप पर शक करते थे और आपके निर्णय से सहमत नहीं होते थे, वे आपके तर्क और दूरदर्शिता की आपकी शक्तियों से प्रभावित होंगे। वित्तीय सफलता की इस अवधि का आप आनंद लें। आज आप विलासिता से संभंधित वस्तुओ पर व्यय कर सकते है, जो आप लम्बे समय से करना चाह रहे थे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

जेल में बंद आलमगीर आलम ने दिया इस्तीफा

मंत्री पद के साथ कांग्रेस विधायक दल का पद भी छोड़ा

रांची, 11 जून (एजेंसियां)। कैश कांड मामले में जेल में बंद आलमगीर आलम ने आखिरकार इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने मंत्री पद के साथ कांग्रेस विधायक दल का पद भी छोड़ दिया है। इस बात की सूचना उन्होंने राजभवन को दी है। वहीं जेल नियमों के तहत उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा है। राजभवन सूत्र बता रहे हैं कि राज्यपाल ने उनका इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया है। आज किसी भी वक्त नोटिफिकेशन जारी हो सकता है।

आलमगीर आलम ने न केवल मंत्री पर से इस्तीफा दिया है बल्कि कांग्रेस विधायक दल का पद भी छोड़ दिया है। कांग्रेस विधायक दल के नेता होने के नाते उन्होंने अपना इस्तीफा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को भी भेज दिया है।

बता दें कि उनकी गिरफ्तारी और जेल जाने के बाद से ग्रामीण विकास विभाग का काम ठप पड़ गया था। जिसके बाद मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने उनका विभाग तीन दिन पहले अपने पास ले लिया था। आलमगीर आलम की गिरफ्तारी के बाद से अब चंपाई सोरेन मंत्रीमंडल में 10 मंत्री ही बचे हैं। सरकार के अब तक कांग्रेस कोटे से चार, राजद से एक और जेएमएम से पांच मंत्री थे। जिसमें से कांग्रेस कोटे से आलमगीर आलम ने इस्तीफा दे दिया है। सरकार में नियमानुसार 12 मंत्री हो सकते हैं। पर अब तक 12वें मंत्री का पद किसी को नहीं दिया गया है। इस तरह से राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री के दो पद रिक्त हैं। बता दें कि ईडी ने 6 मई को मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल और उससे जुड़े लोगों के ठिकानों पर रेड मारी थी। इसमें 32 करोड़ 20 लाख रुपये कैश की बरामदगी हुई थी। पूछताछ के दौरान इस मामले में मंत्री को पीएस संजीव कुमार लाल और उनके नौकर जहांगीर आलम को 6 मई की देर रात ही गिरफ्तार कर लिया गया था। इन दोनों से 14 दिनों तक रिमांड पर पूछताछ की गई है और दोनों को पिछले मंगलवार को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

इस मामले में 15 मई की शाम मंत्री आलमगीर आलम को ईडी ने गिरफ्तार किया था। इसके पहले उनसे 14 और 15 मई को कुल मिलाकर करीब 14 घंटे पूछताछ की गई थी। बाद में उन्हें ईडी ने कोर्ट में पेश किया। जहां ईडी ने कोर्ट को बताया कि ग्रामीण विकास विभाग में टेंडर कमीशन घोटाले में इंजीनियर, अधिकारी व मंत्री का एक संगठित गिरोह सक्रिय था। ईडी ने नमूने के तौर पर जनवरी महीने में पारित 92 करोड़ के 25 टेंडर के ब्यौरे से संबंधित एक पेपर भी कोर्ट में जमा किया है, जिसमें यह स्पष्ट लिखा हुआ है कि मंत्री आलमगीर आलम ने सभी 25 टेंडर में कमीशन के रूप में 1.23 करोड़ रुपए लिए थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे विभागों की समीक्षा

13 से 15 जून तक बैठक आला अधिकारी रहेंगे मौजूद

रायपुर, 11 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शासकीय कामकाज में तेजी लाने के लिए विभिन्न विभागों के की समीक्षा करेंगे। इस बैठक में विभागों के आला अधिकारी मौजूद रहेंगे। विभागों की समीक्षा की बैठक 13 जून से शुरू होगी। वहीं बैठक 15 जून तक होगी। सीएम साय 13 जून को दोपहर एक बजे से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में कृषि एवं उद्यानिकी विभाग, दोपहर तीन बजे से पशुधन विकास, मत्स्यपालन एवं दुग्ध महासंघ के काम-काज की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री 14 जून को सुबह साढ़े 11 बजे से स्वास्थ्य विभाग और दोपहर तीन बजे चिकित्सा शिक्षा, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की समीक्षा बैठक लेंगे। इसके बाद 15 जून को सुबह साढ़े। 11 बजे से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और दोपहर दो बजे से गृह एवं जेल विभाग की समीक्षा बैठक लेंगे।

शाह पर टिप्पणी मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट में हुई सुनवाई

सर्विस रिपोर्ट जमा नहीं करने पर मिली अगली तारीख, राहुल से मांगा जाएगा जवाब

रांची, 11 जून (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह पर टिप्पणी मामले में एमपी एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट की ओर से जारी किए गए समन पर सर्विस रिपोर्ट जमा नहीं किए जाने की वजह से अदालत ने एक और तारीख देने की बात कही है। अब इस मामले की सुनवाई 6 जुलाई को तय की गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आज रांची के एमपी-एमएलए कोर्ट में हाजिर होना था। 21 मई को एमपी-एमएलए के विशेष न्यायधीश सार्थक शर्मा की अदालत में सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान विशेष न्यायधीश ने उन्हें समन जारी था और 11 जून को अदालत में हाजिर होने का निर्देश दिया था। राहुल गांधी की ओर से कोर्ट से जारी समन को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी को फिर से समन जारी किया था। दिल्ली में साल 2018 में अधिवेशन हुआ था। इस अधिवेशन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि भाजपा में हत्या का आरोपी भी अध्यक्ष बन सकता है, लेकिन कांग्रेस में ऐसा नहीं हो सकता है। इसको लेकर चाईबासा कोर्ट में भी शिकायत दर्ज कराई गई थी। हाईकोर्ट ने पूर्व में राहुल गांधी पर 1000 रुपए का जुर्माना भी लगा चुका है। ये जुर्माना अदालत में जवाब दाखिल करने में देरी के कारण लगाया गया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला चाईबासा सिविल कोर्ट में चल रहा है, जिसे

निरस्त करने के लिए उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसी को लेकर अदालत ने जवाब मांगा था, जिसे नहीं देने पर कोर्ट ने जुर्माना लगाया।

राहुल गांधी के खिलाफ तीन मुकदमे चल रहे हैं। पहला मामला नवीन झा ने रांची की निचली अदालत में अमित शाह पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ चल रहा है। दूसरा मामला भी अमित शाह को लेकर है, बीजेपी नेता प्रताप कुमार ने चाईबासा कोर्ट में याचिका दायर की थी।

गृहमंत्री शर्मा ने लिया घटना का जायजा

कहा- मामले की होगी जांच दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

रायपुर/भाटापारा, 11 जून (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने बलौदाबाजार कलेक्ट्रेट पहुंचकर तोड़फोड़ और आगजनी घटना का जायजा लिया। उन्होंने कलेक्टर और एसपी से घटना की जानकारी ली। पूरे परिसर में हुई आगजनी, जिला पंचायत, कुटुंब न्यायालय और जनपद पंचायत कार्यालय सहित शहर का भी मुआयना कर नुकसानों का जायजा लिया। शर्मा ने घटना पर गहरा दुख जताया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये। उनके साथ खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा भी मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम ने कहा कि भारी संख्या में वाहनों को क्षति पहुंचाया गया है। जिनमें से कुछ अपने कार्य के लिए पहुंचे गरीब लोगों और अधिकारी कर्मचारी के होंगे। शासकीय सम्पति को नुकसान पहुंचाया गया है, रिकॉर्ड रूम में न जाने कितने दस्तावेज जल चुके हैं। सरकारी सम्पति को तबाह करने वाले समाज के नहीं होते। पूरे प्रदेश में बाबा गुरुघासीदास को माना जाता है। वे श्वेत ध्वजवाहक हैं और शांति के प्रतीक हैं। बता दें कि पिछले महीने अराजक तत्वों ने अमर गुफा में जैतखाम को क्षति पहुंचायी थी। इस पर पुलिस की जांच से असंतुष्ट होकर समाज के लोगों ने जांच की मांग की थी। शर्मा ने सीएम के निर्देश पर न्यायिक जांच की घोषणा की है। इस पर समाज के लोगों ने संतुष्टि जाहिर करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए कार्यक्रम रखा था। इसी दौरान असामाजिक तत्वों ने भीड़ में घुसकर घटना को अंजाम दिया है, जिसकी जांच की जा रही है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जैतखाम में तोड़फोड़ के विरोध में सतनामी समाज के लोग कलेक्ट्रेट के पास बवाल मचाया। उपद्रवियों ने तांडव मचाते हुए कलेक्टर और एसपी कार्यालय को आग के हवाले कर दिया। कई वाहनों में आग के हवाले कर दिया। घटना के दौरान 20-30 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। जिनमें से गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मियों को रायपुर रेफर किया गया है। फिलहाल शहर में स्थिति सामान्य है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

15 साल बाद पकड़ा गया आर्म्स एक्ट का आरोपी

नाम बदल कर पश्चिम बंगाल में रहता था, काम से आया था कोरबा

कोरबा, 11 जून (एजेंसियां)। कोरबा की सिविल लाइन रामपुर पुलिस ने आर्म्स एक्ट्स से जुड़े मामले में दीपक लकड़ा को गिरफ्तार किया है। वर्ष 2009 में हथियार लेकर धमकाने पर उसे आरोपी नामजद किया गया था। उस समय से आरोपी फरार चल रहा था। कोरबा की कोर्ट ने उसके विरुद्ध स्थाई वारंट जारी किया था। पुलिस ने एक सूचना के आधार पर इस आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की। ये पूरा मामला 2008 और 2009 की है जहाँ 39 वर्षीय दीपक लकड़ा सिविल लाइन थाना अंतर्गत सीएसईबी कॉलोनी में हाथ मे हथियार लेकर स्थानीय निवासी को डरा धमका रहा था पीड़ित की शिकायत पर उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ और उसे जेल भी दाखिल किया गया था जेल से जमानत में छूटने के बाद से वो छग कोरबा छोड़कर बाहर चला गया और बार बार जगह कई सालों तक बदलता रहा पश्चिम बंगाल में निजी कम्पनी में काम कर छुपा हुआ था जहाँ उसने अपना नाम भी बदल लिया था उसे वहा लोग दूसरे नाम से जानते है। सिविल थाना में पदस्थ दुर्गेश राठौर ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि दीपक लकड़ा पश्चिम बंगाल से चोरी चुपके कोरबा सीएसईबी कालोनी किसी रिश्तेदार के यहां आया हुआ है जिसे पुलिस ने घरदबोचा है। न्यायालय में उसके खिलाफ वारंट जारी हुआ था काफी लंबे समय से फरार था माननीय न्यायालय के आदेश पर उसे पड़कर कोर्ट में पेश किया गया जहां जेल दाखिल किया गया है।

सीएम साय ने बलौदाबाजार हिंसा में घायल जवान के बेहतर इलाज करने के दिये निर्देश

रायपुर/बलौदाबाजार-भाटापारा, 11 जून (एजेंसियां)। सीएम विष्णुदेव साय ने बलौदाबाजार हिंसा में घायल पुलिस जवान संदीप खलको के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उनके निर्देश पर खलको के बेहतर इलाज के लिए यहां अपोलो अस्पताल में भर्ती किया गया है। आईजी संजीव शुक्ला, कलेक्टर अवनीश शरण और एसपी रजनीश सिंह ने अस्पताल का दौरा कर खलको का कुशलक्षेम पूछा। जवान की हालत खतरे से बाहर है। उन्होंने अधिकारियों से बातचीत करते हुए घटना के बारे में बताया। आइजी और कलेक्टर एसपी ने इलाज कर रहे डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन से भी चर्चा की और बेहतर से बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए। डॉक्टरों ने बताया की घटना में खलको के जबड़े और आंख में चोट लगी है। उन्हें भर्ती कर जांच और इलाज शुरू कर दिया गया है। बाकी उनका स्वास्थ्य ठीक है। आईजी और कलेक्टर ने घायल

अस्पताल पहुंचे अधिकारी

जवान की सहायता के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी नियुक्त कर दिए हैं। अधिकारियों ने घायल जवान के परिवार जनों से भी मुलाकात कर उन्हें ढाढस बंधाया। इस अवसर पर एसडीएम पीयूष तिवारी सहित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

बता दें कि पिछले महीने अराजक तत्वों ने अमर गुफा में जैतखाम को क्षति पहुंचायी थी। इस पर पुलिस की जांच से असंतुष्ट होकर समाज के लोगों ने जांच की मांग की थी। शर्मा ने सीएम के निर्देश पर न्यायिक जांच की घोषणा की है। इस पर समाज के लोगों ने संतुष्टि जाहिर करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए कार्यक्रम रखा था। इसी दौरान असामाजिक तत्वों ने भीड़ में घुसकर घटना को अंजाम दिया है, जिसकी जांच की जा रही है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जैतखाम में तोड़फोड़ के विरोध में सतनामी समाज के लोग कलेक्ट्रेट के पास बवाल मचाया। उपद्रवियों ने तांडव मचाते हुए कलेक्टर और एसपी कार्यालय को आग के हवाले कर दिया। कई वाहनों में आग के हवाले कर दिया। घटना के दौरान 20-30 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। जिनमें से गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मियों को रायपुर रेफर किया गया है। फिलहाल शहर में स्थिति सामान्य है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस दौरान आईजी अमरेश मिश्रा, संजीव शुक्ला, कलेक्टर केएल चौहान, एसपी सदानंद कुमार सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

जल्दी बंद की शराब की दुकान तो सिरफिरों ने किया सुरक्षा गार्ड पर हमला

पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ा

कबीरधाम, 11 जून (एजेंसियां)। जिले में रात करीब 11 बजे बायपास रोड स्थित सरकारी शराब दुकान के सुरक्षा गार्ड की अज्ञात लोगों ने गला रेत दिया था। गार्ड को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती किया गया। इस मामले में सोमवार को सिटी कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम अनिल सारथी (24) पुत्र शिव सारथी और कुशाल उर्फ मोनू उर्फ खुशाल साहू पुत्र गोरे लाल साहू है। दोनों कवर्धा के ही रहने वाले हैं। एडिशनल एसपी विकास कुमार ने बताया कि रविवार रात को ड्यूटी खत्म कर सरकारी शराब दुकान के सुरक्षा गार्ड रुस्तम खड़ा था। दोनों आरोपियों ने पीड़ित को देखकर बोला कि आज भी तुम लोग शराब दुकान को जल्दी से बंद कर दिए हो।

बलौदाबाजार हिंसा, कई अफसरों पर गिर सकती है गाज

सीएम ने पूछा-बैकअप क्यों नहीं था, उपद्रवियों ने कलेक्टर-एसपी दफ्तर, 2 दमकलों सहित 77 वाहन फूंके

बलौदाबाजार, 11 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में सतनामी समुदाय के प्रदर्शन के दौरान सोमवार को उपद्रवियों ने 75 बाइक, 20 कार और 2 दमकल वाहन को आग के हवाले कर दिया गया। लोगों ने कलेक्ट्रेट में खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ की। इसके बाद कुछ लोगों ने कलेक्ट्रेट में आगजनी की। इससे कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर खाक हो गए।

उपद्रवियों ने कलेक्टर कार्यालय के सामने स्थित ध्वजारोहण के पोल पर सफेद रंग का ध्वज लगा दिया था। मामले में अब तक पुलिस ने 150 लोगों को हिरासत में लिया है। अब इस मामले में अफसरों पर कार्रवाई हो सकती है। जिले में हुई हिंसा को लेकर सीएम विष्णुदेव साय काफी नाराज हैं। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को रायपुर स्थित सरकारी बंगले में मीटिंग बुलाई, इसमें गृह मंत्री विजय शर्मा शामिल हैं। बैठक का मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि इतनी बड़ी घटना हो गई आप लोगों तक जानकारी कैसे नहीं पहुंची? क्यों बैकअप नहीं रखा गया?

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। इसमें पुलिसकर्मियों सहित कुछ लोग भी घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद डिप्टी सीएम विजय शर्मा सोमवार देर रात घटनास्थल पहुंचकर मौके का जायजा लिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उपद्रवियों की गिरफ्तारी के आदेश जारी कर दिए हैं।

आईजी और कमिश्नर को मौके पर भेजा गया

इस घटना के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उपद्रवियों की गिरफ्तारी के आदेश जारी कर दिए हैं। मौके पर आईजी और कमिश्नर को भेजकर रिपोर्ट तलब की गई है। इससे पहले सीएम ने इस मामले में उच्च स्तरीय बैठक बुलाई और मुख्य सचिव व डीजीपी को तलब किया।

जैतखाम तोड़ने से नाराज है समाज

जानकारी के मुताबिक, 15 मई की देर रात सतनामी समुदाय के धार्मिक स्थल गिरौदपुरी धाम से करीब 5 किमी मानाकोनी बस्ती स्थित बाघिन गुफा में लगे धार्मिक चिन्ह जैतखाम को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। जैतखाम तोड़े जाने के विरोध में समाज के हजारों लोग कलेक्ट्रेट के पास मौजूद दशहरा मैदान में कई दिन से प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने इस मामले में 3 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लोगों का आरोप है कि पकड़े गए लोग असली आरोपी नहीं हैं और पुलिस दोषियों को बचा रही है। सोमवार को प्रदर्शन के दौरान लोग इसी बात को लेकर उग्र हो गए। इसके बाद हालात बिगड़ते चले गए।

सीएम चंपाई का पुलिस अधिकारियों को निर्देश

माफिया-पेशेवर अपराधियों को करें चिह्नित, स्नेचिंग चोरी, लूट और डकैती पर हो हर हाल में लगाम

रांची, 11 जून (एजेंसियां)। राज्य में विधि व्यवस्था को लेकर सीएम चंपाई सोरेन ने राज्य के पुलिस पदाधिकारियों के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में उन्होंने अधिकारियों को कई सख्त निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि राज्य में आए दिन स्नेचिंग, चोरी, लूट और डकैती की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऐसी घटनाओं को हर हाल में रोकें। इस तरह की घटनाओं पर लगाम लगनी ही चाहिए।

माफिया-पेशेवर अपराधियों को करें चिह्नित

उन्होंने इस बात भी जोर देते हुए कहा कि जिले के अधिकारी माफिया तथा पेशेवर अपराधियों को चिह्नित करें। उनके खिलाफ कैसे कार्रवाई करेंगे इसे लेकर प्लानिंग बनाए। इसके बाद जो भी कानूनी कार्रवाई है उसे करें ताकि उनके मन में भय उत्पन्न हो।

उन्होंने कहा कि राज्य में एसटी जमीन से जुड़े उन मामलों पर विशेष ध्यान दें, जिसमें कोर्ट की डिग्री हो चुकी है। अधिकारी ऐसे आदिवासियों को जमीन पर दखल दिलाना सुनिश्चित करें।

एससी-एसटी मामले न रहे पेंडिंग, रखें ध्यान

आज की बैठक में सीएम ने कहा कि राज्य में एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों के आंकड़े आए दिन सामने आ रहे हैं। अधिकारी इन मामलों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द निपटाने की दिशा में काम करें। इसके तहत दर्ज मामले पेंडिंग नहीं रहे, इसका विशेष ध्यान दें और इसकी मॉनिटरिंग पूरी गंभीरता के साथ हो। वहीं नक्सल घटनाओं में जो जवान शहीद हुए हैं, उनके आश्रितों को सरकार की ओर से दिए जाने वाले सभी लाभ समय पर मिल जाएं इसे भीसुनिश्चित करने को कहा।

बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित इलाकों में जो पुलिस कैंप बने हैं। उन कैंपों की वजह से आम लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। इसे सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राज्य में विधि व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना राज्य सरकार की पहली प्राथमिकता है। ऐसे में अपराध नियंत्रण में अधिकारियों की ओर से किसी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी।

राज्य के ग्रामीण इलाकों में लोगों को अफीम की खेती में मदद करने वाले बाहरी तत्वों, इसकी खेती करने वालों तथा बाजार तक पहुंचाने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश सीएम चंपाई सोरेन ने दिया।

वहीं कहा कि राज्य के कई शहरों में स्कूल -कॉलेज के आसपास ड्रग्स की अवैध बिक्री के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसे में अवैध मादक पदार्थों और उसकी तस्करी करने वालों के खिलाफ अभियान चला कर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

नीट परीक्षा में गड़बड़ी की सीबीआई जांच की मांग

भिलाई विधायक देवेंद्र यादव ने राज्यपाल को लिखा पत्र, मुलाकात का समय मांगा

भिलाई, 11 जून (एजेंसियां)। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने नीट- 2024 में पेपर लीक और परिणाम से संबंधित अभ्यर्थियों की शिकायतों का निराकरण कर जल्द से जल्द करने की मांग की है। उन्होंने केन्द्र सरकार से मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के राज्यपाल को पत्र लिखा है। उनसे मुलाकात का समय मांगा है, जिससे वह इस विषय को उनके सामने रख सकें। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि नीट का विषय देश के लाखों छात्र- छात्राओं की वर्षों की मेहनत व उनके सपने और भविष्य से जुड़ा है। अभ्यर्थियों के साथ साथ उनके परिजन भी चिंतित हैं। अभ्यर्थियों ने एनटीए द्वारा ली गई नीट की परीक्षा एवं परिणाम से संबंधित शिकायतों का निराकरण नहीं किए जाने पर कई सवाल उठाए हैं। परिणाम जारी होने के बाद गड़बड़ी को लेकर हर दिन नए तथ्य सामने आ रहे हैं। इससे इस परीक्षा में गड़बड़ी की आशंका और बढ़ती जा रही है।

विधायक ने कहा कि एनटीए द्वारा जारी परिणाम के अनुसार एक ही परीक्षा केंद्र के 8 स्टूडेंट्स में से 6 अभ्यर्थियों ने 720 में 720 अंक हासिल किया है। मेरिट लिस्ट में 8 स्टूडेंटस के रोल नंबर एक ही सीरीज के हैं। ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त हुआ है।

ऐसा पहली बार हुआ है कि 67 अभ्यर्थियों ने 100% अंक हासिल किया है। जो संदेहास्पद लग रहा है। एनटीए द्वारा जारी परिणाम में परीक्षार्थियों को दशमलव में अंक प्राप्त हुआ है। स्टूडेंटस को दिए गए ग्रेस मार्क पर कई शैक्षणिक संस्थाओं ने भी सवाल उठाए हैं। नीट की परीक्षा देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक है। इसमें कुल 180 प्रश्न होते हैं। इसके लिए 720 अंक निर्धारित हैं। हर सवाल का सही जवाब देने पर 4 अंक मिलते हैं। जब प्रतियोगी सभी सवालों का सही जवाब देगा, तभी जाकर उसे पूरे 720 अंक मिलेंगे। यदि उसने एक प्रश्न छोड़ा तो उसे 716 अंक मिलना चाहिए।

एक प्रश्न का उत्तर गलत होने पर माइनस मार्किंग के साथ 715 अंक मिलना चाहिए था, लेकिन यहां पर अभ्यर्थियों को 720 में से 719 अंक मिले हैं। जो की प्रश्न पत्रों के निर्देश अनुसार न्याय संगत नहीं लग रहा है। टाइम लॉस के विषय में अभ्यर्थियों को ग्रेस मार्क देने का क्या फॉर्मूला रहा, किस आधार पर नंबर दिए गए हैं? नोटिफिकेशन में ग्रेस मार्क्स का उल्लेख नहीं है। इसकी जांच होनी चाहिए। विधायक देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ के बालोद,दंतेवाड़ा सहित अन्य एग्जाम सेंटर पर गलत पेपर वितरण से अभ्यर्थियों का टाइम लास हुआ है। उसकी शिकायत भी की गई थी, लेकिन उन शिकायतों का निराकरण किए बगैर ही परिणाम जारी कर दिया गया। किस आधार पर उन्हें ग्रेस मार्क दिए गए हैं?

यह अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। इससे एनटीए की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

जमीनी विवाद को लेकर दो सगे भाइयों की हत्या

जगदलपुर, 11 जून (एजेंसियां)। जगदलपुर कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम इरिकपाल में मंगलवार को जमीन विवाद को लेकर दो परिवारों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दो लोगों की हत्या हो गई, घटना की जानकारी लगते ही पुलिस के आलाधिकारियों की टीम गांव जा पहुंची। वहीं घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक शलभ सिंहा ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत इरिकपाल में बीते कई दिनों से जमीन विवाद को लेकर दो परिवारों में विवाद चल रहा था, जिसे गांव में रहने वाले लोगों से लेकर परिवार के लोग मामले को सुलझाने में लगे हुए थे। इसी मामले को लेकर मंगलवार को परिवार के लोगों ने दो सगे भाइयों की हत्या कर दी।

तीर्थयात्री हुए फूड प्वॉइजनिंग के शिकार

आंध्रप्रदेश से अयोध्या जा रहे थे यात्री, 40 लोगों की तबीयत बिगड़ी, बरही अनुमंडल अस्पताल में हुआ इलाज

बरही, 11 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश से अयोध्या तीर्थ यात्रा पर जा रहे 40 से ज्यादा तीर्थ यात्री रास्ते में खाना खाने के बाद फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए। अधिकांश लोगों को उल्टी दस्त होने लगी। सभी को बरही अनमंडलीय अस्पताल में भर्ती किया गया। सूचना मिलते ही डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी ने तुरंत एक मेडिकल टीम गठित कर इलाज शुरू किया। जिससे धीरे धीरे सभी सामान्य हो गए। हालांकि सभी यात्री तमिल बोल रहे थे जिसके कारण काफी परेशानी हुई। डॉ ज्ञानी स्वयं मोर्चा संभाले रहे और खुद की निगरानी में इलाज शुरू कराया। सभी के लिए जरूरी सामान भी उपलब्ध कराया। तबीयत ठीक होने के बाद सभी को वापस बस तक छोड़ा गया। बरही अनुमंडल अस्पताल में जिनका इलाज हुआ उनमें गंगाधर हंटल

(उम्र 45 वर्ष), अनंत माली (उम्र 65 वर्ष), दीनबंधु माली (उम्र 65 वर्ष), मुकुंद हंटल (उम्र 50 वर्ष), प्रशांत खिल (उम्र 28 वर्ष), राम गैलरी (उम्र 65 वर्ष), बलराम हंटल (उम्र 35 वर्ष), निशा मनी माली (उम्र 45 वर्ष), बलराम माली, कुलधर घिले, शांता हंटल (उम्र 35 वर्ष) समेत कई अन्य मरीज शामिल है। सूचना के बाद एनसीपी नेता महेश ठाकुर भी अस्पताल पहुंचे और मरीजों का हाल चाल जाना और सभी का समय पर इलाज करने के लिए डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी सहित पूरे मेडिकल टीम का आभार जताया।

आईएसएस पर मंडराया सुपरबग का खतरा

बढ़ सकती हैं सुनीता विलियम्स और उनके साथियों की समस्या

वाशिंगटन, 11 जून (एजेंसियां)। नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर ने बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जोड़ दिया। इस सफलता के बाद सुनीता विलियम्स और उनके क्रू के आठ सदस्यों के लिए एक नई मुसीबत खड़ी हो गई है। दरअसल, आईएसएस के अंदर एक सुपरबग का खतरा मंडरा रहा है। वैज्ञानिकों ने एंटरोबैक्टर बुगंडेंसिस नामक एक बहु दवा प्रतिरोधी बैक्टेरिया पाया, जो आईएसएस के बंद वातावारण में विकसित होकर अधिक प्रभावशाली हो चुका है। यह एक बहु दवा प्रतिरोधी बैक्टेरिया है, इसलिए इसका नाम सुपरबग रखा गया है। यह बैक्टेरिया श्वसन तंत्र को संक्रमित करता है।

सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी छह जून को नए बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर सवार होकर आईएसएस पहुंचे। स्टेशन में रहने वाले सात लोगों के साथ विलियम्स और विल्मोर लगभग एक सप्ताह बिताएंगे। इस दौरान वह अंतरिक्ष में रहते हुए विभिन्न परीक्षणों में सहायता करेंगे और वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे। बता दें कि सात अन्य क्रू सदस्य पहले से ही आईएसएस पर रह रहे हैं।

आईएसएस में सुपरबग एक बड़ी चुनौती

आईएसएस पर चिंता का विषय अंतरिक्ष के उड़ने वाले मलबे और सूक्ष्म उल्कापिंड होते हैं, लेकिन अब सुपरबग की चिंता ज्यादा सताने लगी है। आईएसएस में सुपरबग की मौजूदगी पर नासा ने हाल ही में कहा था कि ई. बगएंडेसिस नाम का बैक्टेरिया, जिस पर कई दवाओं का असर नहीं होता, उसकी 13 स्ट्रेन्स को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में अलग किया गया था। ये बैक्टेरिया धरती पर पाए जाने वाले बैक्टेरिया से बिलकुल अलग है। नासा की जेट प्रोपल्सन लेबोरेटरी कैलिफोर्निया की अध्यक्ष डॉ. कस्तुरी वेंकटेश्वर ने इस सुपरबग को लेकर कई बातें बताई हैं। वैज्ञानिकों की माने तो आईएसएस में किसी का भी जीवन आसान नहीं है। यहां मौजूद लोगों को स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण उनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता पृथ्वी की अपेक्षा कम होने लगती है। इन हालातों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आईएसएस में मौजूद ये सुपरबग एक बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

चीन में अमेरिका के 4 टीचर्स पर चाकू से हमला

वीडियो में खून से लथपथ जमीन पर पड़े दिखे लोग, दिनदहाड़े पार्क में हुआ अटैक

जिलिन, 11 जून (एजेंसियां)। चीन के जिलिन शहर में अमेरिका के 4 कॉलेज टीचर्स पर सोमवार को चाकू से हमला हुआ। अटैक में महिला टीचर समेत सभी बुरी तरह से घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी राज्य आयोवा के कॉर्नेल कॉलेज से आए सभी टीचर्स एक पब्लिक पार्क में मौजूद थे, जब उन पर हमला किया गया।

सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे वीडियो में खून से लथपथ घायल टीचर्स जमीन पर लेटे नजर आ रहे हैं। हमला किसने और क्यों किया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, वीडियो चीन के बेइशान पार्क का है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उन्हें मामले की जानकारी मिली है और वे इस पर नजर बनाए हुए हैं। अमेरिकी टीचर्स चीन की बेइहुआ यूनिवर्सिटी के साथ एक पार्टनरशिप प्रोग्राम के तहत चीन आए थे। कॉर्नेल कॉलेज ने बताया कि इस प्रोग्राम में किसी भी छात्र ने हिस्सा नहीं लिया।

स्विटजरलैंड के यूक्रेन पीस समिट में शामिल होंगे 90 देश

रूस ने हिस्सा लेने से किया इनकार, भारत का रुख अभी तक साफ नहीं

बर्न, 11 जून (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच जंग के 28 महीने पूरे होने वाले हैं। इस जंग को खत्म करने से जुड़े विकल्पों पर चर्चा करने के लिए स्विटजरलैंड में 15 और 16 जून को यूक्रेन पीस समिट का आयोजन होगा। इसके लिए 90 देशों और अनेक संगठनों के नेता और अधिकारी एक मंच पर इकठ्ठा होंगे।

न्यूज वेबसाइट अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक रूस ने इस सम्मेलन में शामिल होने से इनकार कर दिया है। स्विटजरलैंड की राष्ट्रपति वियोला एमहर्ड ने सोमवार को कहा कि रूस के इनकार करने के बावजूद समिट का आयोजन होगा। राष्ट्रपति एमहर्ड ने कहा कि यह कोई दुष्प्रचार का मंच नहीं है, बल्कि उनका उद्देश्य शांति लाना है।

एमहर्ड ने कहा कि समिट में शामिल होने वाले लगभग आधे देशों के राष्ट्राध्यक्ष खुद इसमें शामिल होंगे। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस समेत अन्य बड़े संगठनों के अधिकारी भी इसका हिस्सा बनेंगे। हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन ने इस सम्मेलन में शामिल होने से इनकार कर दिया है। उनकी जगह अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस इस समिट में शामिल होंगी।

रूस बोला- स्विटजरलैंड अब निष्पक्ष देश नहीं रहा

इससे पहले स्विटजरलैंड ने कहा था कि रूस को इस मंच का हिस्सा बनाने के लिए आमंत्रित नहीं किया जाएगा क्योंकि ऐसा लगता है कि उनकी इसमें दिलचस्पी नहीं है। दरअसल, रूस ने यूक्रेन पीस समिट के आयोजक स्विटजरलैंड पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि वह अब निष्पक्ष देश नहीं रहा। रूस ने कहा कि स्विटजरलैंड यूरोपीय यूनियन (ईयू) के प्रतिबंधों को लागू कर अपनी साख खो चुका है। अब तक 160 से अधिक देशों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रण भेजा गया है। राष्ट्रपति एमहर्ड ने कहा कि उन्हें इसे लेकर कोई निराशा नहीं है कि इतने देशों को आमंत्रण भेजे जाने के बाद भी इसमें 100 से भी कम देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। अब तक की जानकारी के मुताबिक फ्रांससी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज आदि शामिल हो सकते हैं।

स्विस अधिकारियों के मुताबिक शुक्रवार को अंतिम लिस्ट आएगी जिसमें पता चलेगा कि आखिर कितने देश इस समिट का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कहा कि तुर्की, साउथ अफ्रीका और ब्राजील जैसे देशों ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है कि वे इसका हिस्सा बनेंगे या नहीं।

चीन ने इससे पहले कहा था कि वह तब तक शांति वार्ता में हिस्सा नहीं लेगा जब तक रूस सहित दोनों पक्ष एक साथ बातचीत के लिए नहीं बैठते। चीन ने कहा कि वे शांति वार्ता को बढ़ावा देने के पक्ष में हैं और उम्मीद करते हैं कि इसका उपयोग दो समूहों में टकराव पैदा करने के लिए नहीं किया जाएगा। चीन ने ये साफ किया कि शांति वार्ता में शामिल होने का मतलब शांति चाहना नहीं है।

भारत यूक्रेन पीस समिट में हिस्सा ले रहा है या नहीं इसपर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। हालांकि इस सम्मेलन में भारत हिस्सा ले, ये सुनिश्चित करने के लिए पिछले महीने स्विट्जरलैंड के विदेश सचिव अलेक्जेंडर फासेल को नई दिल्ली आए थे। मामले की जानकारी रखने वाले स्विस अधिकारियों ने कहा कि भारत इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेगा लेकिन किस स्तर पर ये मालूम नहीं चल पाया है।

एपल और चैट जीपीटी की साझेदारी पर भड़के मस्क

वॉशिंगटन, 11 जून (एजेंसियां)। आईफोन निर्माताओं ने जैसे ही ओपनएआई के साथ साझेदारी का एलान किया, उसके कुछ घंटे बाद ही मशहूर उद्योगपति एलन मस्क ने इस पर नाराजगी जताई और अपने कंपनी परिसर में एपल फोन के इस्तेमाल पर ही प्रतिबंध लगाने की धमकी दी। मस्क का कहना है कि दोनों कंपनियों के बीच की यह साझेदारी सुरक्षा नियमों का उल्लंघन है और इसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि एपल के सीईओ टिम कुक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट किया था। इस पोस्ट में कुक ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) को एपल डिवाइस में और बेहतर करने का एलान करते हुए चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के साथ साझेदारी का एलान किया। इस एलान के कुछ घंटे बाद ही एलन मस्क ने टिम कुक के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि 'एपल की डिवाइस में चैटजीपीटी नहीं चाहिए। या तो इस घटिया सॉफ्टवेयर को एपल डिवाइस में इंटीग्रेट करने पर रोक लगनी चाहिए या फिर वह अपनी कंपनी के परिसर में एपल डिवाइस को इस्तेमाल करने पर ही प्रतिबंध लगा देंगे।' तकनीक की दिग्गज कंपनी एपल ने अपने आईफोन, आईपैड, मैक आदि में सोमवार से एपल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल शुरू करने का एलान किया। यह एक तरह का निजी इंटेलीजेंस सिस्टम बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि एपल इंटेलीजेंस एपल सिलिकॉन की ताकत को बढ़ाएगा, जिससे लोगों को काफी सुविधाएं मिलेंगी। मस्क ने एक पोस्ट में लिखा कि अगर एपल डिवाइस में ओपनएआई को ऑपरेटिंग सिस्टम के स्तर पर इंटीग्रेट किया गया, तो वे एपल के फोन का इस्तेमाल अपनी कंपनी में प्रतिबंधित कर देंगे।

इजरायल-हमास के बीच जल्द युद्धविराम के संकेत

अमेरिकी विदेश मंत्री ने नेतन्याहू से की मुलाकात

तेल अवीव, 11 जून (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच पूर्ण युद्धविराम की कोशिशें तेज हो गई हैं और दोनों पक्षों से इसे लेकर बातचीत चल रही है। इसी मुद्दे पर अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इन दिनों पश्चिम एशियाई देशों के दौरे पर हैं। सोमवार को एंटनी ब्लिंकन ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। इस मुलाकात में बंधक प्रस्ताव और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने के मुद्दे पर बातचीत हुई।

अमेरिकी विदेश विभाग ने जारी किया बयान

अमेरिका के विदेश विभाग ने बयान जारी कर बताया कि 'विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से यरूशलम में मुलाकात की। विदेश मंत्री ने बताया कि अमेरिका और अन्य वैश्विक नेता राष्ट्रपति बाइडन द्वारा तैयार कराए गए शांति प्रस्ताव के समर्थन में हैं और इस प्रस्ताव से गाजा में शांति आ सकती है। इस शांति समझौते के तहत हमास सभी बंधकों को रिहा करेगा और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने का भी रास्ता साफ होगा।'

युद्धविराम के लिए पश्चिम एशिया के दौरे पर हैं ब्लिंकन

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल-हमास के बीच युद्धविराम के लिए युद्धविराम प्रस्ताव तैयार कराया है। इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भी पेश किया गया, जहां से उसे 14-0 के मुकाबले से मंजूरी मिल गई। रूस ने इस वोटिंग से खुद को दूर रखा और बाकी अन्य देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। बाइडन ने दावा किया है कि इजरायल ने भी इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इस युद्धविराम पर चर्चा के लिए एंटनी ब्लिंकन इन दिनों पश्चिम एशिया के दौरे पर हैं। इजरायल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से ब्लिंकन का यह पश्चिम एशिया का सातवां दौरा है। इस दौरे में ब्लिंकन 10-12 जून तक मिस्त्र, इजरायल, जॉर्डन और कतर का दौरा करेंगे और युद्धविराम प्रस्ताव को लेकर चर्चा करेंगे। अमेरिका के विदेश विभाग का कहना है कि मौजूदा युद्धविराम समझौता इतना प्रभावी है कि इससे भविष्य में इजरायल पर 7 अक्तूबर जैसा हमला नहीं होगा और इससे इजरायल की सुरक्षा भी पुख्ता होगी और इजरायल की उत्तरी सीमा भी सुरक्षित होगी। इजरायल-हमास के बीच युद्ध की शुरुआत इजरायल पर 7 अक्तूबर 2023 को हुए हमले से हुई। जिसमें हमास के लड़ाकों ने इजरायल की सीमा में घुसकर लोगों को मारा और बड़ी संख्या में इजरायली नागरिकों को बंधक बना लिया। इस हमले में इजरायल के 1200 नागरिक मारे गए थे। इसके बाद इजरायल ने गाजा में हमास के खिलाफ ऑपरेशन चलाया और अब तक इजरायल के हमलों में गाजा में 34 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और गाजा खंडहर में तब्दील हो चुका है।

धरती की तरफ बढ़ रहा है 427 मीटर बड़ा एस्टेरॉयड

वाशिंगटन, 11 जून (एजेंसियां)। नासा के वैज्ञानिक एक विशाल क्षुद्रग्रह पर नजर बनाए हुए हैं, जो तेजी से धरती की ओर बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि मंगलवार 11 जून को धरती के करीब पहुंचेगा। 2024 सीआर29 नाम के ये एस्टेरॉयड 1400 फुट (427 मीटर) बड़ा है, जो 26, 562 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से अंतरिक्ष में सफर कर रहा है। ये विशालकाय आकाशीय पिंड अगर इसी रफ्तार से धरती पर टकराता है तो उस इलाके में तबाही मच जाएगी। हालांकि, नासा ने इसके बारे में एक राहत भरी खबर दी है कि यह पृथ्वी से लगभग 73.7 लाख किमी की दूरी से गुजरेगा, जो पृथ्वी और चंद्रमा की दूरी से 19 गुना ज्यादा है। यह दूरी बड़ी भले लगती हो, लेकिन खगोलीय दृष्टि से यह बहुत ज्यादा नहीं है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ऐसी घटना दुर्लभ है, जो लगभग 1.66 लाख वर्षों में एक बार ही होती है। अगर 2024 सीआर29 के आकार कोई आकाशीय पिंड धरती से टकराता है तो इसका अंजाम भयावह होगा। धरती पर टकराने के चलते 1363 फीट गहरा और 3.2 किलोमीटर चौड़ा गड्ढा बनेगा।

एस्टेरॉयड धरती पर जिस जगह टकराएगा वहां 130 किमी के आसपास पेड़ जल जाएंगे। यही नहीं इससे 239 डीबी की शॉकवेव निकलेगी जिसके चलते 29 किमी के दायरे में इमारतें नष्ट हो जाएंगी। 6.1 की तीव्रता का एक जोरदार भूकंप भी आएगा। नासा ने बताया है कि एस्टेरॉयड 2024 सीआर29 के धरती से टकराने की संभावना नहीं है और यह सुरक्षित गुजर जाएगा। इसके बावजूद भी यह ब्रह्मांड में घूम रहे अनजान खतरों की हमें याद दिलाता है। अधिकांश एस्टेरॉयड मंगल और बृहस्पति के बीच मुख्य बेल्ट में पाए जाते हैं। वैज्ञानिक लगातार ऐसी भयावह घटनाओं को रोकने के तरीके पर काम कर रहे हैं।

हिंसा और नफरत के लिए कोई जगह नहीं

इंदिरा गांधी हत्याकांड की परेड पर कनाडाई राजदूत ने तोड़ी चुप्पी

ओटावा, 11 जून (एजेंसियां)। भारत की पूर्व भारतीय प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का महिमामंडन करने की कोशिश कनाडा में की गई है। कनाडा के ब्रैम्पटन में एक झांकी निकाली गई, जिसमें इंदिरा गांधी के पुतले को उनके सिख अंगरक्षक गोली मारते हुए दिखाए गए हैं। इस झांकी की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई की मांग की है। भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैमरन मैके ने भी इसे पूरी तरह से अस्वीकार्य कहा है। उन्होंने कहा कि मैं इन गतिविधियों की स्पष्ट रूप से निंदा करता हूं। भारत में कनाडा के उच्चायुक्त ने कनाडाई शहर ब्रैम्पटन में हुई इस परेड में हुई घटना की निंदा करते हुए कहा कि मैं उस कार्यक्रम की रिपोर्टों से स्तब्ध हूं, जिसमें दिवंगत भारतीय प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाया गया। कैमरन मैके ने कहा, 'कनाडा सरकार को रविवार को ब्रैम्पटन में प्रदर्शित की गई तस्वीरों की जानकारी है। इस पर हम किसी ऊपापोह में नहीं है। कनाडा की स्थिति स्पष्ट है, हम हिंसा को बढ़ावा देने को कभी भी स्वीकार नहीं करेंगे। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने बताया है कि उनकी ओर से औपचारिक रूप से इस मामले को कनाडा के विदेश मंत्रालय के सामने उठाया गया है। उन्होंने कनाडा में सभी स्तरों की सरकारों से हिंसा और नफरत के सार्वजनिक प्रदर्शन के खिलाफ अनुकरणीय कार्रवाई करने का आग्रह किया है। वर्मा ने कहा कि कनाडा में रहने वाले भारतीय नागरिक इस तरह की नफरत के प्रचार से भयभीत महसूस करते हैं। दुर्भाग्य से कनाडा में ऐसा बार-बार हुआ है। इस पर रोक लगाई जानी चाहिए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने परेड में झांकी की अनुमति देने पर नाराजगी जताते हुए इसे सिख अलगाववादियों की हिंसा का महिमामंडन कहा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अलगाववादियों, चरमपंथियों, हिंसा की वकालत करने वाले लोगों को जो जगह दी गई है, उसमें एक बड़ा मुद्दा अंतर्निहित है। मुझे लगता है कि यह ना कनाडा के खुद के लिए अच्छा है और ना उसके भारत से रिश्तों के लिए अच्छा है।' कनाडा के ब्रैम्पटन में ऑपरेशन ब्लूस्टार की 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर ये परेड निकाली गई थी। इस झांकी में इंदिरा गांधी का पुतला दिखाया गया था, जिस पर उनके अंगरक्षक गोली चला रहे थे। प्रदर्शन में 18 जून, 2023 को सरे, ब्रिटिश कोलंबिया में मारे गए खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की तस्वीरें भी शामिल थीं।

50 मीटर अंदर घुसे नॉर्थ कोरियाई सैनिक

साउथ कोरिया के वॉर्निंग फायर के बाद वापस लौटे, गलती से सीमा पार की थी

प्योंगयांग/सियोल, 11 जून (एजेंसियां)। साउथ कोरिया ने पड़ोसी देश नॉर्थ कोरिया की सीमा के पास फायरिंग की है। दरअसल, नॉर्थ कोरिया के करीब 20-30 सैनिकों ने डीमिलिट्रलाइज्ड जोन (डीएमजड) पर दोनों देशों की सीमा को पार किया था। इसके बाद उन्हें वॉर्निंग देने के लिए साउथ कोरिया की सेना ने फायरिंग की। साउथ कोरिया की मीडिया रिपोर्ट्र्स में इस बात की पुष्टि की गई है। घटना रविवार दोपहर की है, जिसकी जानकारी अब सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, फायरिंग के बाद नॉर्थ कोरिया के सैनिक वापस अपने देश लौट गए। साउथ कोरिया के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि नॉर्थ कोरिया के सैनिकों के पास कंस्ट्रक्शन टूल थे। वे वहीं कुछ के पास हथियार भी मौजूद थे। वे साउथ कोरिया की सीमा के 50 मीटर अंदर तक आ गए थे। नॉर्थ कोरिया की तरफ से अब तक इस मामले में कोई बयान सामने नहीं आया है। साउथ कोरिया की मिलिट्री ने जांच के बाद संभावना जताई है कि नॉर्थ कोरिया के सैनिक अनजाने में सीमा पार कर गए थे। दरअसल, दोनों देशों की सीमा को बांटने वाली लाइन पर साफ तौर पर साइन नहीं लगा है, जिसकी वजह से धोखा होने की आशंका रहती है। नॉर्थ और साउथ कोरिया के बीच डीएमजड दुनिया की सबसे ज्यादा हथियारों की तैनाती वाली सीमा है।

सीमा के अंदर और आसपास 20 लाख माइन्स बिछाई गई हैं। इसके अलावा बॉर्डर के दोनों तरफ कंटीले तारों की बाड़, टैंकों का जाल और लड़ाकू सैनिक भी तैनात रहते हैं। 1950 से 1953 तक चले कोरियाई जंग को खत्म करने के लिए हुए समझौते के तहत यह सीमा बनाई गई थी। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब दोनों देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। नॉर्थ कोरिया पिछले कुछ दिनों से लगातार गुब्बारों में कचरा बांधकर साउथ कोरिया में भेज रहा है। इससे साउथ कोरिया की कई सड़कों पर कूड़ा इकट्ठा हो गया है। नॉर्थ कोरिया के स्टेट मीडिया केसीएनए के मुताबिक, तानाशाह किम जोंग ने यह कदम इसलिए उठाया था क्योंकि साउथ कोरिया अकसर अपने प्रोपैगेंडा से जुड़े पर्चे नॉर्थ कोरिया पहुंचाता रहता है। इसके अलावा वह कई बार दवाइयां, खाना, रेडियो और साउथ कोरिया की खबरों और टीवी शोज की रिकॉर्डिंग वाली पेन-ड्राइव्स वहां भेजता रहता है।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी भारत को लौटाएगी 500 साल पुरानी मूर्ति

16वीं सदी में तमिलनाडु के मंदिर से चोरी हुई, इसको देखने के 1800 देने पड़ते हैं

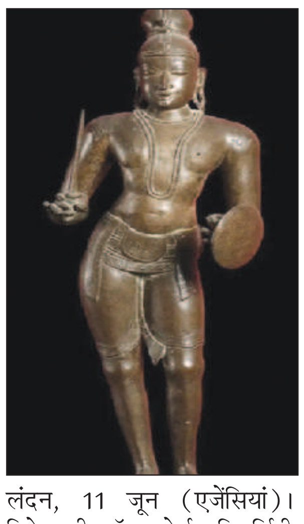

लंदन, 11 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी भारत को 500 साल पुरानी एक कांसे की मूर्ति लौटाने वाली है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, यह मूर्ति संत तिरुमंगई अलवार की है, जो 16वीं सदी के दौरान तमिलनाडु के एक मंदिर से चोरी हो गई थी। संत तिरुमंगई अलवार दक्षिण भारत के 12वें अलवर संतों में से अंतिम थे। फिलहाल यह मूर्ति ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एशमोलियन म्यूजियम में रखी गई है, जिस देखने के लिए लगभग 1800 रुपए देने पड़ते हैं। संत तिरुमंगई अलवार की यह मूर्ति 1 मीटर ऊंची है। इसे 1967 में डॉ. जे.आर. बेलमोंट ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में रखवाया था। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग ने 11 मार्च 2024 को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी को सबूत दिए थे कि मूर्ति तमिलनाडु के मंदिर की है। इसके बाद ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने जांच के बाद इसे भारत को वापस देने की बात कही है। अब इस मूर्ति को चैरिटी कमीशन के सामने रखा जाएगा, जो इस पर आखरी फैसला लेगा। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एशमोलियन म्यूजियम ने बताया कि पुडुचेरी के फ्रेंच इंस्टिट्यूट में साल 1957 एक स्कॉलर को एक तस्वीर मिली थी।

विमान में टर्बुलेंस की घटना पर मुआवजे का एलान

सिंगापुर, 11 जून (एजेंसियां)। पिछले महीने लंदन से सिंगापुर जा रही सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट में खतरनाक टर्बुलेंस के कारण एक यात्री की मौत हो गई थी। इस टर्बुलेंस के कारण दर्जनों यात्री घायल भी हुए थे। विमान में चालक दल के सदस्यों समेत 211 यात्री सवार थे। घटना के एक महीने बाद एयरलाइंस ने सभी यात्रियों को मुआवजा और हवाई किराया का पूरा रिफंड देने की पेशकश की। बता दें कि 21 मई को सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट एसक्यू 321 टर्बुलेंस में फंस गई थी। विमान 62 सेकेंड तक टर्बुलेंस में फंसा रहा था और इस दौरान विमान पहले ऊपर गया और फिर तेजी से नीचे गिरा। एसआईए ने एक बयान में बताया कि यात्रियों को मुआवजे का प्रस्ताव सोमवार को भेजा गया। जिन यात्रियों को मामूली चोटें आई थीं, उन्हें मुआवजे के तौर पर 10,000 अमेरिकी डॉलर और गंभीर चोटें झेलने वाले यात्रियों को 25,000 अमेरिकी डॉलर मुआवजे के तौर पर देने की पेशकश की गई है। इसके अलावा यात्रियों को हवाई किराया का पूरा रिफंड भी दिया जाएगा। इस हादसे में जो यात्री पूरी तरह से सुरक्षित बच गए थे, उन्हें भी पूरा रिफंड मिलेगा।

मलावी के उपराष्ट्रपति को ले जा रहा विमान लापता

माले, 11 जून (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश मलावी के उपराष्ट्रपति साउलोस क्लॉस चिलिमा को ले जा रहा एक मिलिट्री विमान 18 घंटों से लापता है। मलावी सरकार ने बताया कि विमान सोमवार सुबह ही रडार से गायब हो गया था। विमान में कुल 9 लोग सवार थे। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, एविएशन अथॉरिटी कई बार विमान से संपर्क करने की कोशिश कर चुकी है, लेकिन उसे कोई सफलता नहीं मिली। चिलिमा का एयरक्राफ्ट भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 2:47 बजे मलावी की राजधानी लिलोंग्वे से रवाना हुआ था। यह करीब 45 मिनट बाद मजुजू शहर के एयरपोर्ट पर उतरने वाला था।

हालांकि, खराब मौसम की वजह यह लैंड न हो सका। इसके बाद विमान को वापस लिलोंग्वे ले जाने का आदेश दिया गया। इसके बाद यह विमान लापता हो गया। एयरक्राफ्ट को ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। उसकी लोकेशन ट्रैक करने की कोशिश भी जारी है। विमान को ढूंढने के लिए मलावी ने अमेरिका, ब्रिटेन, नॉर्वे और इजराइल की सरकार से भी मदद मांगी है।

10 किमी इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी

मलावी के राष्ट्रपति लाजारस चकवेरा ने देश को संबोधित करते हुए कहा मुझे पूरी उम्मीद है कि हम विमान और उसमें सभी सवार सभी लोगों को समय पर खोजने में सफल रहेंगे। विमान जिस रास्ते से गुजर रहा था, वहां 10 किलोमीटर के फॉरेस्ट रिजर्व में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

जब तक विमान मिल नहीं जाता तब तक उसे ढूंढा जाता रहेगा। हादसे को देखते हुए उन्होंने बहामास के लिए अपनी यात्रा रद्द कर दी है। 51 साल के उपराष्ट्रपति चिलिमा पिछले 10 साल से मलावी के उपराष्ट्रपति हैं। उन्हें अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार के तौर पर देखे जा रहे हैं। उन्हें 2022 में भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

बेरोजगारों के लिए आई बड़ी खुशखबरी

भजनलाल सरकार जल्द ही करेगी नई भर्तियों की घोषणा

अजमेर, 11 जून (एजेंसियां)। राज्य में लाखों अभ्यर्थियों और राजस्थान लोक सेवा आयोग को नई भर्तियों का इंतजार है। लोकसभा चुनाव आचार संहिता खत्म हो चुकी है। अब कार्मिक विभाग से नई भर्तियों की अभ्यर्थना पर निगाहें टिकी हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अगुवाई में सरकार जुलाई में सत्र 2024-25 का बजट पेश करेगी। इसमें नई भर्तियों की घोषणा भी होगी। यह भर्तियां राजस्थान लोक सेवा आयोग और राजस्थान अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक सेवा चयन बोर्ड के जरिए होंगी। विभागवार होने वाली नई भर्तियों और परीक्षा की प्रक्रिया तय होनी है।

इंतजार है इन खास भर्तियों का अभ्यर्थियों और आयोग को नई भर्तियों का खास इंतजार है। इनमें आरएएस एवं अधीनस्थ सेवा भर्ती-2024, प्राध्यापक भर्ती स्कूल शिक्षा-वरिष्ठ अध्यापक भर्ती (माध्यमिक शिक्षा), कॉलेज शिक्षक भर्ती, प्रधानाध्यापक (माध्यमिक शिक्षा), चिकित्सा शिक्षा और अन्य भर्तियां शामिल हैं। मौजूदा भर्तियों और साक्षात्कार का कलैंडर आयोग जारी कर चुका है।

अब तक मिली सिर्फ 1394 भर्तियां

आयोग को इस साल जनवरी से मई तक 12 विभागों की 1394 पदों की भर्तियां ही मिली हैं। इनमें विधि रचनाकार, प्राध्यापक, सहायक सांख्यिकी अधिकारी, प्रोग्रामर, लाइब्रेरियन, पीटीआई, सहायक अभियोजन अधिकारी, जनसंपर्क अधिकारी व अन्य विभागीय भर्तियां शामिल हैं।

अभी कलैंडर में यह परीक्षाएं (आयोग के अनुसार)

संग्रहाध्यक्ष तथा खोज एवं उत्खनन अधिकारी : 19 जून

सहायक अभियंता यांत्रिकी परीक्षा : 30 जून

विधि रचनाकार परीक्षा : 14 जुलाई

आरएएस मेंस-2023 : 20-21 जुलाई

पुरालेखपाल, रसायनज्ञ सहायक पुरालेखपाल, शोध अध्येयता परीक्षा : 3 और 8 अगस्त

सहायक सांख्यिकी अधिकारी भर्ती परीक्षा : 25 अगस्त

सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा : 8 से 12 तथा 14-15 सितम्बर

प्रोग्रामर भर्ती परीक्षा : 27 अक्टूबर

प्राध्यापक संस्कृत शिक्षा : 17 से 21 नवम्बर

वरिष्ठ अध्यापक संस्कृत शिक्षा : 28 से 31 दिसम्बर

2025 में होंगी यह परीक्षाएं

सहायक अभियोजन अधिकारी (प्रारंभिक) परीक्षा : 19 जनवरी

पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड द्वितीय परीक्षा : 16 फरवरी

जनसंपर्क अधिकारी परीक्षा : 23 मार्च

कृषि अधिकारी परीक्षा : 20 अप्रेल को होगी

शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक परीक्षा : 4 से 6 मई

सहायक अभियोजन अधिकारी परीक्षा (मुख्य) : 1 जून

राजेश पायलट की 24वीं पुण्यतिथि पर बोले सचिन

चुनावों में जनता ने डबल इंजन की सरकारों को नकार दिया

दौसा, 11 जून (एजेंसियां)। दौसा के जीरोता में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की 24वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने अपने पिता को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर कांग्रेस के कई नेता और समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसे प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया गया।

सचिन पायलट ने अपने पिता को याद करते हुए कहा कि स्वर्गीय राजेश पायलट सभी 36 जातियों को साथ लेकर चलते थे और युवाओं के लिए प्रेरणा थे। उन्होंने खेत-खलिहान से लेकर देश की राजनीति में अहम भूमिका निभाई।

पायलट ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान की जनता ने 11 सीटों पर भाजपा को हराकर स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकारों को राजस्थान, उत्तरप्रदेश और हरियाणा में नकारा गया है और यह गठजोड़ की सरकार है, जिसमें किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला है।

पायलट ने संसद में कांग्रेस के 147 सांसदों के निलंबन को जनता द्वारा नापसंद किए जाने की बात कही और भाजपा की 400 सीटों के दावे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आज उनकी संख्या 200 के करीब है। नीट परीक्षा पर सरकार के स्पष्टीकरण से ना विपक्ष और ना ही आमजन संतुष्ट है।

सचिन पायलट ने केंद्र सरकार को अहंकार त्यागकर समर्पण भाव से काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में घमंड और अहंकार की सरकार चली है, जिसे जनता ने अब नकार दिया है। इस अवसर पर कई नवनिर्वाचित सांसद, विधायक और पूर्व विधायक मौजूद रहे।

जम्मू के आतंकी हमले में मृतकों के परिजनों ने चौमूं में धरना दिया

आर्थिक मुआवजे की मांग की

जयपुर, 11 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में हुए आतंकी हमले में चौमूं और हरमाड़ा के 5 लोग शिकार हो गए, जिनमें से 4 की मौत हो गई। इस दुखद घटना के बाद ग्रामीण और मृतकों के परिजन चौमूं पुलिस थाने के बाहर धरने पर बैठ गए और परिजनों को सरकारी आर्थिक मुआवजे और सरकारी नौकरी की मांग की।

धरनास्थल पर पहुंचे चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला और आरएलपी प्रदेश महामंत्री छुट्टन यादव ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। चौमूं SDM दिलीप सिंह राठौड़ और एसीपी अशोक चौहान ने भी परिजनों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। आक्रोशित ग्रामीण मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग पर अड़े हुए हैं।

बेरोजगारी भत्ते को लेकर गहलोत ने सरकार पर निशाना साधा

कहा- कई महीनों से नहीं मिल रहा है भत्ता

जयपुर, 11 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'X' पर पोस्ट करके प्रदेश के युवाओं के लिए बेरोजगारी भत्ते की मौजूदा स्थिति पर गहरा चिंता व्यक्त की है। गहलोत ने लिखा है कि उनके कार्यकाल के दौरान राज्य में बेरोजगार युवाओं को 4500 रुपये प्रति महीने का भत्ता देना शुरू किया गया था, जो उनके लिए एक महत्वपूर्ण सहारा साबित हुआ।

गहलोत ने बताया कि उन्हें कई युवाओं से यह जानकारी मिली है कि पिछले कई महीनों से उन्हें यह भत्ता नहीं मिल रहा है, जिसके कारण उनकी पढ़ाई में रुकावटें आ रही हैं। उन्होंने इस स्थिति को लेकर प्रदेश की वर्तमान सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल को आड़े हाथों लिया है।

गहलोत ने अपनी पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस गारंटी का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने वादा किया था कि भाजपा सरकार बनने पर कांग्रेस सरकार की किसी भी योजना को बंद नहीं किया जाएगा, बल्कि उसे और मजबूत किया जाएगा। गहलोत ने कहा कि राजस्थान के युवाओं ने इस गारंटी पर भरोसा करके भाजपा को वोट दिया था, लेकिन अब वे न तो नौकरी पा रहे हैं और न ही बेरोजगारी भत्ता, जिससे उनके पास केवल निराशा और अफसोस ही रह गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री भजनलाल से आग्रह किया कि वे जल्द से जल्द बेरोजगारी भत्ते को पुनः शुरू करें ताकि प्रदेश के युवाओं को राहत मिल सके और वे अपनी पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

गहलोत का यह बयान प्रदेश की राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे सकता है, खासकर तब जब राज्य में बेरोजगारी और युवाओं के मुद्दे पहले से ही चर्चा में हैं।

सांसद राजकुमार रोत ने सीएम भजनलाल शर्मा से की मुलाकात

इंडिया गठबंधन में हलचल

जयपुर, 11 जून (एजेंसियां)। बांसवाड़ा-डूंगरपुर से नवनिर्वाचित सांसद राजकुमार रोत ने आज सीएम भजनलाल शर्मा से मुलाकात की है। इस दौरान रोत ने सीएम के साथ में क्षेत्र के कई मुद्दों को लेकर बातचीत की है। राजकुमार रोत भारत आदिवासी पार्टी से सांसद बने हैं। चुनाव के दौरान कांग्रेस ने रोत के साथ गठबंधन की बात कही थी।

लेकिन हालिया इंडिया गठबंधन के साथ जाने की बात को लेकर उन्होंने कहा था कि वे किसी भी गठबंधन के साथ नहीं जाएंगे। स्वतंत्र चुनाव लड़ा था और आगे भी स्वतंत्र ही रहेंगे। लेकिन अब सीएम भजनलाल शर्मा से मुलाकात को लेकर कई मायने निकाले जा रहे हैं।

हालांकि रोत पहले कह चुके हैं कि परिस्थितियों वश इंडिया गठबंधन उनके साथ आया। यह देश किसी एक पार्टी या व्यक्ति का नहीं है। हम हमारे इलाके और राष्ट्रीय हित के विकास को ध्यान में रखकर आगे बढ़ेंगे।

बता दें कि कांग्रेस से भाजपा में जाने वाले दिग्गज नेता महेंद्र जीत सिंह मालवीय ने भाजपा प्रत्याशी के तौर पर बांसवाड़ा—डूंगरपुर से चुनाव लड़ा था। भारत आदिवासी पार्टी के राजकुमार रोत ने मालवीय को लोकसभा के चुनाव में हराया है।

लोकसभा में 11 सीटें हारने के बाद अभी तीन और चुनावों की चुनौती, कैसे सामना करेगी सरकार

जयपुर, 11 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों के बाद राजस्थान की नई भजनलाल सरकार को इसी साल 3 चुनावों का सामना और करना है। इनमें एक राज्यसभा सीट, विधानसभा उपचुनाव और स्थानीय निकाय चुनाव इसी साल होने की संभावना है।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के लोकसभा सांसद चुने जाने के बाद अब राजस्थान में उनकी राज्यसभा सीट खाली हो रही है। हालांकि बहुमत के आधार पर अब यह सीट बीजेपी के खाते में जाती दिख रही है। वहीं राजस्थान में राज्यसभा चुनाव के अलावा विधानसभा उपचुनाव और लोकल बॉडी चुनाव भी इसी साल होने हैं। लोकसभा चुनावों में 11 सीटें हार चुकी प्रदेश की नई भजनलाल सरकार के लिए अब इन चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने का भारी दबाव रहेगा।

इन 5 सीटों पर होने हैं उपचुनाव

राजस्थान में खींवसर, दौसा, चौरासी, झुंझुनू और देवली उनियारा में विधानसभा उपचुनाव होने हैं क्योंकि यहां के विधायक अब लोकसभा सांसद बन चुके हैं। इनमें से कोई भी सीट बीजेपी के पास नहीं है। यहां तक कि जिन लोकसभा सीटों में ये विधानसभाएं आती हैं, वहां भी बीजेपी इस चुनाव में हार गई। खींवसर से आरएलपी के हनुमान बेनीवाल, दौसा से कांग्रेस के मुरारी मीणा, चौरासी से बीएपी के राजकुमार रोत, झुंझुनू से कांग्रेस के बृजेंद्र ओला और देवली उनियारा से कांग्रेस के हरीश मीणा विधायक थे। अब ये पांचों सांसद बन चुके हैं। इसलिए इन सीटों पर उपचुनाव होने हैं।

लोकल बॉडी चुनाव सबसे बड़ी चुनौती

विधानसभा उपचुनाव और लोकल बॉडी चुनाव लगभग आसपास ही होंगे। उपचुनावों के नतीजे भले ही सरकार पर कोई असर नहीं डालने वाले लेकिन इससे सरकार के पक्ष में या खिलाफ माहौल जरूरत बनता है। वहीं यदि उपचुनाव पहले होते हैं तो इसका असर लोकल बॉडी इलेक्शन पर भी पड़ना तय है।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की कार्रवाई

पांच साल से फरार 25 हजार का इनामी भवानी सिंह पकड़ा

जयपुर, 11 जून (एजेंसियां)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने दौसा जिले के कलेक्ट्रेट सर्कल से 25 हजार के इनामी बदमाश भवानी सिंह मीणा को गिरफ्तार कर लिया है। भवानी सिंह पिछले पांच सालों से उदई मोड़ थाने में दर्ज चोरी के मामले में वांछित था और अहमदाबाद भागने की फिराक में था।

एडीजी एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध, दिनेश एमएन ने बताया कि भवानी सिंह मीणा राज्य के सात जिलों और जयपुर के सात थानों में दर्ज 18 आपराधिक मामलों में शामिल है। इनमें डकैती, अपहरण, आर्म्स एक्ट और चोरी के मामले शामिल हैं। जयपुर के सदर, लाल कोठी, आदर्श नगर, मानसरोवर, विश्वकर्मा, वैशाली नगर और चंदवाजी थानों में भी इसके खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं।

उदई मोड़ थाने में 2019 में दर्ज स्क्रैप से भरे बोलेरो पिकअप की चोरी के मामले में भवानी सिंह पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। एडीजी एमएन ने बताया कि डीआईजी योगेश यादव के सुपरविजन और एएसपी एजीटीएफ विद्या प्रकाश के नेतृत्व में एक टीम भरतपुर रेंज की ओर भेजी गई थी। एएसआई शैलेंद्र कुमार और कांस्टेबल बृजेश कुमार को सूचना मिली कि भवानी मीणा दौसा में है और अहमदाबाद भागने की योजना बना रहा है।

सूचना के आधार पर एजीटीएफ टीम ने दौसा पहुंचकर भवानी सिंह को कलेक्ट्रेट सर्कल के पास घेरकर गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम भवानी सिंह मीणा बताया। इस आगे की कार्रवाई के लिए उदई मोड़ पुलिस को सौंप दिया गया है।

इस कार्रवाई में एएसआई शैलेंद्र कुमार, कांस्टेबल बृजेश कुमार, हेड कांस्टेबल मदनलाल शर्मा, सोहन देव, कांस्टेबल अरुण कुमार और कुलदीप सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

झगड़े से परेशान पत्नी ने कुल्हाड़ी से पति की हत्या की, पुलिस की सख्ती पर जुर्म कबूला

बूंदी, 11 जून (एजेंसियां)। हाल ही में बूंदी में हुई युवक की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने युवक की पत्नी को गिरफ्तार किया है। शनिवार रात खेत पर बने मकान में सोए युवक की हत्या को लेकर उसकी पत्नी ने बयान दिया था कि कुछ बदमाशों ने लूटपाट के उद्देश्य से युवक की हत्या कर दी और भाग गए।

बूंदी में युवक की हत्या करने के मामले में पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में हत्या करने वाली मृतक की पत्नी ने अनबन और मारपीट के चलते हत्या करना कबूल किया है। पत्नी ने हत्या के बाद पति की सोने की कानों की मुर्कियों को खींच लिया ताकि बदमाशों का नाम लेकर हत्या का आरोप लगा दे लेकिन पुलिस को शुरू से ही शक था कि हत्या करने वाला कोई घर का ही हो सकता है। पत्नी द्वारा बताई गई बात पुलिस के गले नहीं उतर रही थी। इसी के चलते मृतक की पत्नी को पुलिस ने डिटेन कर सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना जुल्म कबूल लिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में पत्नी ममता गुर्जर को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है।

पुलिस पूछताछ में पत्नी ने बताया कि मृतक उसके साथ मारपीट करता था और इसी के चलते वह उससे छुटकारा पाना चाहती थी, इसलिए उसकी हत्या कर दी। नृसिंहपुरा गांव निवासी राजू उर्फ राजेंद्र गुर्जर (30) शनिवार रात खेत पर बने अपने मकान में सोया हुआ था। उसकी पत्नी ममता गुर्जर अपने तीनों बच्चों के साथ बाहर सो रही थी। जब राजू गहरी नींद में सो गया तो पत्नी ने कुल्हाड़ी से राजू की गर्दन काट दी, इसी दौरान बच्चे जाग गए और खून देखकर चीख-पुकार करने लगे। आवाज सुनकर परिजन व अन्य लोग भी दौड़कर आए, तो पत्नी ने उन्हें बताया कि अज्ञात बदमाशों ने पति पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया और कानों की मुर्कियां ले गए।

बोरवेल में गिरी मासूम बालिका

पुलिस ने लोगों के सहयोग से पाइप काटकर बचाई मासूम की जान

सीकर, 11 जून (एजेंसियां)। कहते हैं कि मारने वाले से बचाने वाला हमेशा बड़ा होता है यही कहावत आज सीकर जिले के रिंग्स कस्बे में उसे समय चरितार्थ हुई जब पुलिस और लोगों ने एक चार साल की मासूम 800 फीट गहरे बोरवेल से निकाला। जानकारी के अनुसार बारां जिले का रविंद्र कुमार सहरिया अपने परिवार के साथ रिंग्स कस्बे के बालाजी विहार कॉलोनी में रह रहा था। रविंद्र कुमार सहरिया की 4 वर्षीय बेटी परी खेलते-खेलते खुले बोरवेल में गिर गई। मासूम बालिका के बोरवेल में गिरने की सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से बोरवेल में फंसी बालिका को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन को शुरू किया गया। करीब 80 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद बालिका को बोरवेल से सकुशल बाहर निकाल लिया गया।

एसडीएम दीपांशु सांगवान ने बताया कि बोरवेल की गहराई 800 फिट है। गनीमत रही की बालिका बोरवेल में पांच फुट की गहराई पर जाकर फंस गई। इसके बाद कटर मशीन से बोरवेल को खोदकर लोहे के पाइप को काटा गया और इसके बाद बालिका को से सकुशल बाहर निकाल लिया गया।

बांसवाड़ा में दिल दहला देने वाला मामला

चार साल के बेटे को फंदे पर लटका मां ने भी की खुदकुशी

बांसवाड़ा, 11 जून (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले के आम्बापुरा थाना क्षेत्र का एक गांव कुंडला खुर्द में चर्चा का केंद्र बन गया, जब ग्रामीणों को मासूम बेटे की हत्या कर मां के आत्महत्या करने की दिल दहलाने वाली खबर मिली।

आम्बापुरा थानाधिकारी कालूराम ने बताया कि 24 वर्षीय महिला शकुंतला ने पहले अपने चार साल के मासूम बेटे पीयूष के गले में साड़ी का फंदा लगाकर लटका दिया। थानाधिकारी के मुताबिक बालक की हत्या करने के बाद शकुंतला ने खुद भी साड़ी से फंदा बनाकर जीवन लीला समाप्त कर ली।

दिन में करीब 12 बजे पड़ोसी शकुंतला के घर गया तो मां बेटे को फंदे पर लटके देख चीखने, चिल्लाने लगा। कुछ ही देर में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ लग गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। लोगों ने पुलिस के पहुंचने से पूर्व ही बालक पीयूष का शव फंदे से उतार लिया। शकुंतला का शव पुलिस की मौजूदगी में उतारा गया।

प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को घर परिवार में झगड़े जैसी जानकारी नहीं मिली। मृतका का पति नारायण लाल हैदराबाद में मजदूरी करता है।

वारदात के समय भी वह हैदराबाद ही था। वारदात के समय मृतका की सास मनरेगा के काम पर गई थी। ससुर खेत पर था। पुलिस ने मां बेटे के शव मोर्चरी में रखवाए हैं।

मृतका शकुंतला का पिता महाराष्ट्र में मजदूरी करता है। मृतका के मोबाइल फोन की जांच करने पर पता चला कि उसने अपने पिता को आखिर कॉल किया था। अपने फोन से आखिर कॉल अपने पिता को की थी। पिता और पति के आने पर बालक पियूष और मां शकुंतला की शवों के पोस्टमार्टम होंगे।

टायर फटने के बाद तेज रफ्तार बेकाबू कार ने बाइक को मारी टक्कर, हादसे में दो भाइयों की मौत

पाली, 11 जून (एजेंसियां)। पाली में सड़क हादसे में दो भाइयों की मौत हो गई। हादसा पाली में पणिहारी होटल के पास हुआ। एक कार ने आगे चल रही बाइक को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बाइक सवार दो भाई उछलकर सिर के बल सड़क पर गिरे और सिर फटने से दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शव बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए हैं। सदर थाना पुलिस के अनुसार बाइक सवार मंडली निवासी सुरेश गर्ग पुत्र चतराराम गर्ग अपने रिश्ते के भाई मंडली गांव निवासी हरीराम पुत्र खेताराम गर्ग के साथ मंडली गांव आ रहा था। इस दौरान हाइवे पर पणिहारी होटल के निकट पीछे से आ रही कार का टायर अचानक फट गया। बेकाबू हुई तेज रफ्तार कार ने आगे चल रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

इस दुर्घटना में बाइक सवार हरीराम गर्ग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सुरेश गर्ग ने बांगड़ अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया, जिसके बाद दोनों शवों को बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

स्कूल के बैंक खाते से पांच लाख रुपए का गबन

उप प्रधानाचार्य गिरफ्तार

टोंक, 11 जून (एजेंसियां)। शहर के खण्डदेवत रोड स्थित एकलव्य मॉडल बालिका आवासीय विद्यालय के बैंक खाते से पांच लाख रुपए की हेराफेरी कर गबन के आरोप में स्कूल के ही उप प्रधानाचार्य रवि मानावत (38) पुत्र रामशरण बुनकर निवासी 23 जय अंबे कॉलोनी सीकर रोड हरमाड़ा जयपुर हाल निवासी निलबिंत उप प्राचार्य शिक्षा निदेशालय बीकानेर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। निवाई थानाधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि एक वर्ष पूर्व 9 जून 2023 को एकलव्य मॉडल बालिका आवासीय विद्यालय के एलडीसी सत्येंद्र सिंह राजावत पुत्र रणजीत सिंह राजावत निवासी बड़ागांव थाना दत्तवास ने प्राथमिकी दर्ज करवाई कि विद्यालय के उप प्रधानाचार्य रवि मानावत ने पांच लाख रुपए विद्यालय के बैंक खाते से स्वयं के बैंक खाते में जमा करवा दिए। वहीं उक्त राशि बैंक स्टेटमेंट में दिखाई नहीं दे। इस हेतु उप प्रधानाचार्य ने बैंक स्टेटमेंट में उक्त राशि का आहरण छुपा कर तथा फर्जी स्टेटमेंट प्रस्तुत कर दिया गया।

आज से फिर स्कूल चलें हम!

गर्मी की छुट्टियों के बाद तेलंगाना में खुलेंगे स्कूल

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। फुर्सत और विस्तारित परिवार के सदस्यों से मिलने से भरी ताज़गीभरी गर्मियों की छुट्टी के बाद, बुधवार को स्कूल फिर से खुलते ही छात्रों के लिए स्कूल का समय वापस आ गया है। जिन छात्रों की लगभग 50 दिन की गर्मी की छुट्टियाँ थीं, वे अपनी कक्षाओं और खेल के मैदानों में वापसी के साथ नए शैक्षणिक वर्ष 2024-25 का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। जबकि कक्षाएं बुधवार से शुरू हो रही हैं, स्कूल वापस लौटने की चर्चा काफी पहले ही शुरू हो गई थी और छात्र और उनके माता-पिता पाठ्यपुस्तकों, नोटबुक और स्टेशनरी की खरीदारी में व्यस्त हो गए थे।

पिछले दो महीनों में गतिविधियों से महरूम रहे स्कूलों ने भी छात्रों के स्वागत के लिए कमर कस ली है। सरकारी और निजी दोनों स्कूलों ने अंतिम समय में कक्षाओं, शौचालयों और खेल के मैदानों की सफाई की और उन्हें छात्रों के रहने के लिए तैयार किया। कई निजी स्कूलों ने अपने शिक्षकों को जून के पहले सप्ताह में ही बुला लिया है। नामांकन कार्य देने के अलावा, शिक्षकों को पूरे शैक्षणिक वर्ष के लिए कार्य योजना - पाठ योजना, मूल्यांकन पद्धति, और कार्यपत्रक और पाठ्येतर गतिविधियों के साथ आने के लिए कहा गया था।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार, इस शैक्षणिक वर्ष में स्कूलों में 229 कार्य दिवस होंगे और 24 अप्रैल, 2025 से 11 जून, 2025 तक ग्रीष्मकालीन अवकाश निर्धारित है।

प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों का समय सुबह 9.30 बजे के बजाय सुबह 9 बजे शुरू करने के लिए संशोधित किया गया है। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों का समय क्रमशः सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे और सुबह 9 बजे से शाम 4.15 बजे तक होगा। हैदराबाद और सिकंदराबाद के मामले में, प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों का समय क्रमशः 8.45 बजे से 3.45 बजे और 8.45 बजे से 4 बजे तक है।

हाई स्कूल आमतौर पर सुबह 9.30 बजे से शाम 4.45 बजे तक संचालित होंगे। हैदराबाद और सिकंदराबाद के मामले में, समय सुबह 8.45 बजे से शाम 4 बजे तक है। हालाँकि, हाई स्कूल परिसर में संचालित प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों का समय क्रमशः सुबह 9.30 बजे से शाम 4.15 बजे और सुबह 9.30 बजे से शाम 4.45 बजे तक रहेगा।

जीएचएमसी आपदा प्रतिक्रिया टीमों की सेवाओं को ओआरआर तक बढ़ाया जाएगा : शांति कुमारी

सचिवालय में विशेष बैठक आयोजित

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने बताया कि भारी बारिश और अन्य आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने और नागरिकों को किसी भी तरह की परेशानी से बचाने के लिए जीएचएमसी आपदा प्रतिक्रिया टीमों की सेवाओं को हैदराबाद ओआरआर तक बढ़ाया जाएगा। हाल ही में, मुख्यमंत्री ने हैदराबाद शहर के बाहरी रिंग रोड तक अचानक बारिश और बाढ़ की स्थिति में लोगों को किसी भी तरह की परेशानी से बचाने के लिए एक उचित व्यवस्था स्थापित करने के निर्देश जारी किए हैं। तदनुसार आज सचिवालय में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि आपदाओं से निपटने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों और उपयुक्त मशीनरी प्रदान करके जीएचएमसी के आपदा प्रतिक्रिया विभाग को मजबूत किया जा रहा है। वर्तमान में जीएचएमसी के अधिकार क्षेत्र में 30 डीआरएफ टीमें काम कर रही हैं। 15 और टीमों को जोड़ा जाएगा और उनकी सेवाओं को ओआरआर तक बढ़ाया जाएगा। चूंकि हैदराबाद में बड़ी संख्या में फार्मा कंपनियां हैं, इसलिए सीएस ने सुझाव दिया कि रासायनिक आग की रोकथाम के लिए विशेष प्रशिक्षण वाले विशेष दल बनाए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि जीएचएमसी के अधिकारियों को नगर निगम, पुलिस, बिजली, जल बोर्ड आदि संबंधित विभागों के साथ समन्वय में कदम उठाने चाहिए और देखना चाहिए कि लोगों को किसी भी तरह की परेशानी न हो। हैदराबाद के अलावा वारंगल, करीमनगर, खम्मम और अन्य शहरों में डीआरएफ की टीमें बनाई जानी चाहिए और मौजूदा डीआरएफ टीमों को मजबूत किया जाना चाहिए। अधिकारियों को आपदाओं के दौरान एनडीआरएफ के साथ समन्वय में काम करने की सलाह दी गई। उन्होंने मुंबई, दिल्ली, चेन्नई और बेंगलुरू जैसे प्रमुख शहरों में आपदा प्रतिक्रिया टीमों के प्रदर्शन का अध्ययन करने का भी निर्देश दिया। बैठक में नगर निगम विभाग के प्रमुख सचिव दानकिशोर, जीएचएमसी प्रभारी आयुक्त आम्रपाली, जीएचएमसी ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी और अन्य शामिल हुए।

सीताक्का ने महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन का औचक दौरा किया

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज ग्रामीण विकास मंत्री सीताक्का ने आज महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन का औचक दौरा किया। महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल हुई और राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी के साथ-साथ लोगों से आवेदन प्राप्त किए। प्रजावाणी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और अपनी समस्याएं जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को बतायीं। ग्रेटर हैदराबाद ड्राइवर कम ओनर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने मौजूदा कीमतों के मुताबिक पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण पैकेज में बढ़ोतरी की मांग की है। सभी विभागों के लिए कुल 702 आवेदन पंजीकृत किये गये। अधिकारियों ने बताया कि राजस्व संबंधी 219, नगर पालिका विभाग से संबंधित 54, गृह विभाग से संबंधित 52, आवास विभाग से संबंधित 44, नागरिक आपूर्ति विभाग से संबंधित 46 और अन्य विभागों से संबंधित 287 आवेदन प्राप्त हुए हैं। विशेष प्रचार अधिकारी, नगर निगम विभाग की निदेशक श्रीमती दिव्या और अन्य अधिकारियों ने लोगों से आवेदन प्राप्त किये और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

किसानों को रायथू नेस्टम के माध्यम से सेवाओं का उपयोग करने की सलाह

आदिलाबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर राजर्षि शाह ने किसानों को रायथु नेस्टम कार्यक्रम के माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं का उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने मंगलवार को इकोडा मंडल केंद्र में आयोजित रायथु नेस्टम कार्यक्रम में भाग लिया। शाह ने कहा कि सरकार ने विभिन्न सेवाएं प्रदान करने के लिए रायथू नेस्टम कार्यक्रम के माध्यम से एक वीडियो कॉन्फ्रेंस सेवा शुरू की।

उन्होंने कहा कि किसान सेवा की मदद से वैज्ञानिकों और क्षेत्र-स्तरीय अधिकारियों के साथ अपनी समस्याओं पर चर्चा कर सकते हैं और कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बना सकते हैं।

उन्होंने बताया कि वे सुझाव और सुझाव ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक मंगलवार को अनिवार्य रूप से कार्यक्रम आयोजित करें तथा कार्यक्रम में किसानों की बड़ी संख्या में उपस्थिति सुनिश्चित करें।

उन्होंने अधिकारियों से कार्यक्रम में भाग लेने और प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान करने को कहा। बाद में उन्होंने खाद और बीज गोदाम का निरीक्षण किया और स्टॉक का विवरण जांचा। इसके बाद उन्होंने मोबाइल फोन का उपयोग करके किए गए मिशन भागीरथ योजना के घर-घर सर्वेक्षण का निरीक्षण किया और कर्मचारियों को प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कहा।

मेसराम कबीले ने प्रदान की बिजली पीड़ित परिवार को वित्तीय सहायता

आदिलाबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मेसराम कबीले के सदस्यों ने मंगलवार को इंदरवेल्ली मंडल के डोंगरगांव गांव में एक लाख रुपये की वित्तीय सहायता देकर एक किसान दंपति के परिवार की मदद की, जिनकी बिजली गिरने से मौत हो गई थी।

ओडिशा के छात्रों ने किया एनआईआईएमएच का दौरा

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उत्कलमणि होमियोपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, राउरकेला, ओडिशा के दो प्राध्यापक सदस्य डॉ अश्विनी कुमार साहू और डॉ सुभ्रांशु प्रभा मिश्रा के साथ अंतिम बीएचएमएस छात्रों ने हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान का दौरा किया। प्रभारी सहायक निदेशक डॉ जी.पी. प्रसाद ने संस्थान की गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। बैठक में डॉ वी श्रीदेवी, अनु अधि. (आयु.), डॉ अशफाक अहमद, अनु अधि. (यूनानी), डॉ टी साकेत राम, अनु अधि. (आयु.), डॉ संतोष एस. माने, अनु अधि. (आयु.) ने भी अपने विचार व्यक्त किए और इस अवसर की शोभा बढ़ाई। मुरली मनोहर, ए.आर.ओ. (क्यूरेटर) और श्रीनिवास राव, एल.आई.ए. ने छात्रों को संग्रहालय और पुस्तकालय के दौरे में सहायता की। डॉ. बिस्वो रंजन दास, आर.ओ. (होम्योपैथी) ने कार्यक्रम का समन्वय किया और होतियोपैथी में साहित्यिक शोध के दृष्टिकोणों के बारे में जानकारी प्रदान की। छात्रों और प्राध्यापक सदस्य ने संस्थान के अपने इस दौरे और आयुष प्रणाली के बारे में ज्ञान प्राप्त करने की सराहना की।

मिधानि ने उस्मानिया अस्पताल को भेंट की एम्बुलेंस

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि), रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय के तहत एक मिनीरत्न, अनुसूची बी रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र इकाई, ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत उस्मानिया जनरल अस्पताल, हैदराबाद को एडवांस कार्डियक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस प्रायोजित किया। मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ एस के झा ने 11जून को निदेशक एन गौरी शंकर राव, निदेशक टी. मुत्तुकुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. उपेंद्र वेन्नम, महाप्रबंधक ए. रामकृष्ण राव और मिधानि के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में एम्बुलेंस का उद्घाटन किया। उस्मानिया जनरल अस्पताल के अधीक्षक डॉ बी. नागेंद्र और अन्य वरिष्ठ डॉक्टर भी समारोह में उपस्थित थे। डॉ. एस के झा ने कहा कि उस्मानिया जनरल अस्पताल, जो भारत के सबसे पुराने और राज्य के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक है, को 31 लाख रुपये की एम्बुलेंस प्रायोजित करने की यह विशेष गतिविधि एक महत्वपूर्ण सहयोग का प्रतीक है। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. बी नागेंद्र और उनकी टीम ने उस्मानिया अस्पताल को ऐसी एम्बुलेंस प्रदान करने के लिए मिधानि का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रबंधक एआर रश्मि, डीएम पी. सुनील कुमार और राघवेंद्र उपस्थित थे।

बडागांव के गौरव कांतिलाल राय शिक्षा, धर्म एवं सामाजिक क्षेत्र के स्तंभ

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विद्यालय प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण व्यास की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बडागांव के समाजसेवी एवं उद्योगपति कांतिलाल राय का वैकुण्ठवास 9 जून 2024 को हो गया। उनका जीवन त्याग, परोपकार एवं समाज सेवा की भावना से ओतप्रोत था।

कांतिलाल राय का जन्म 10 मार्च 1939 को हैदराबाद के प्रतिष्ठित शिवदत्त राय गुलाब राय परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम सेठ गुलाब राय और माता का नाम श्रीमती गोमती देवी था। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शिवदत्त राय हाई स्कूल से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय से एलएलबी की पढाई पूरी की और व्यापार की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने हैदराबाद में कपडा मिलों एवं स्टील रोलिंग मिलों की स्थापना की। जल्द ही वे एक सफल उद्योगपति के रूप में ख्याति प्राप्त कर ली। उन्होंने स्टील उद्योग में कई कारखाने स्थापित किए। उन्होंने अपने व्यावसाय को वैश्विक स्तर पर पहुंचाया, जहां उन्होंने स्थानीय और प्रवासी श्रमिकों को रोजगार दिया। कांतिलाल राय समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को गहराई से समझाते थे। उन्होंने शिक्षा, धर्म और सामाजिक कार्यों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उन्होंने गडागांव में कई स्कूल और कॉलेज स्थापित किए, जिनमें श्रीमती देवी कॉलेज, डिग्री कॉलेज, पीजी कॉलेज और टीटी कॉलेज शामिल हैं। वे इन संस्थानों के अध्यक्ष और चेयरमैन भी थे। इसके अलावा उन्होंने शिवदत्तराय इंग्लिश मीडियम स्कूल, शिवदत्तराय प्राइमरी स्कूल और शिवदत्तराय प्री प्राइमरी स्कूल भी स्थापित किए। वे इन संस्थाओं के अध्यक्ष भी थे। इसके अलावा, उन्होंने हैदराबाद में शिवदत्त राय हाई स्कूल की भी स्थापना की, जो जरूरतमंद बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करता है। उनका मानना था कि केवल शिक्षा ही समाज को प्रगति के पथ पर ले जा सकती है।

कांतिलाल राय सनातन धर्म में गहरी आस्था रखते थे और अपने जीवन में धार्मिकता और आध्यात्मिकता को सर्वोपरि मानते थे। उन्होंने हरे राम हरे कृष्ण मंदिर ग्लोडेन मंदिर रोड नंबर 12 बंजारा हिल हैदराबाद नामक मंदिर के अंदर गुलाबराय कांतिलाल वैदिक संस्कार भवन नामक एक हॉल बनवाया। कांतिलाल राय गौरक्षक भी थे और उन्होंने कई गौशालाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने जरूरतमंद लडकियों की शादी में भी आर्थिक मदद की। वे प्रतिदिन 1500-1800 लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए भोजन भी दान करते थे। उन्होंने उस्मानिया अस्पताल, प्रसूति अस्पताल, नीलोफर अस्पताल और सरोजिनी देवी नेत्र अस्पताल मेहदीपट्टनम जैसे अस्पतालों में भी सेवाएं प्रदान की।

सीएसआईआर-आईआईसीटी के द्वारा तकनीकी हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को सीएसआईआर-आईआईसीटी के द्वारा तकनीकी हिंदी कार्यशाला का आयोजन एवं आईआईसीटी की "स्पंदन' पत्रिका का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-नीरी डॉ. आर. एन. सिंह ने कहा कि हमें अपनी मातृभाषा में चिंतन-मनन करना चाहिए जो कि बड़े अनुसंधान की जननी होती है। आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी जी ने पत्रिका के प्रकाशन के लिए सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी।

"राजभाषा हिंदी में कंप्यूटर पर आसानी से काम करने' विषय पर एक-दिवसीय कार्यशाला का सत्र शुरू किया गया। कार्यशाला के ज्ञानस्रोत व्यक्ति आरबीआई के सेवानिवृत्त अपर महाप्रबंधक ओ.पी.अग्रवाल ने एम.एस.वर्ड, एम.एस.एक्सल आदि में घंटों का काम मिनटों में करने के कई टूल्स से प्रतिभागियों को परिचित कराया। साथ ही उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के टूल्स जैसे चैट जीपीटी, जैमिनी आदि पर विस्तृत जानकारी दी एवं मोबाइल में हिंदी में काम करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की। इस कार्यशाला में नराकास-2 के सदस्य कार्यालयों से 80 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की।

नराकास के सदस्य-सचिव अनिता पांडे ने आईआईसीटी के हिंदी अनुभाग की सक्रियता की सराहना की। आईआईसीटी के प्रशासन नियंत्रक एम. आनंद कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हम हिंदी के विकास के लिए हिंदी नहीं सीखते हैं बल्कि अपने और संस्थान के विकास के लिए हिंदी के कार्यक्रम करते हैं।

भावसार विजन इंडिया हैदराबाद क्षेत्र की बैठक काचीगुडा में संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान जीएसटी आयुक्त सुरेन्द्र मानकोस्कर, किशनराव गडाले, मनीष सूत्रावे, विनोद फुटाने, मोहनराव देवतराज, बाबूराव गडाले, प्रशांत नीमकर, प्रवीण पतंगे, अर्चना बास्तुकर, सुरेशचंद्र पाटिल, राकेशकुमार गिते, अश्विनी पतंगे एवं सदस्य उपस्थित थे।

अभ्यर्थियों ने सीएम आवास पर घुटने टेककर दिया धरना

शिक्षक की नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थी अपनी समस्या को लेकर मुख्यमंत्री आवास पहुचे थे, लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री से मिलने की अनुमति नहीं दी गई।

प्रदर्शनकारियों के अनुसार उच्च न्यायालय ने अपने अंतरिम आदेश में सरकार को आवासीय शिक्षण संस्थानों में डिग्री लेक्चरर, जूनियर लेक्चरर, स्नातकोत्तर शिक्षक, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष और भौतिक निदेशक के गैर-ज्वाइनिंग, फॉलआउट या त्यागे गए पदों पर अगले मेधावी उम्मीदवारों की नियुक्ति पर विचार करने का निर्देश दिया।

नवनिर्वाचित एमएलसी की गाड़ी रोकी

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेशों को लागू करने की मांग के साथ आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसायटी शिक्षक नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के आवास के सामने घुटने टेककर एक अनूठा विरोध प्रदर्शन किया। अपनी मांग पर अड़े प्रदर्शनकारियों ने एमएलसी-चुने गए टीनमार मल्लन्ना की गाड़ी को सीएम आवास पर रोक दिया। एमएलसी-चुने गए टीनमार मल्लन्ना ने कथित तौर पर उम्मीदवारों से कहा कि वह सीएम के साथ बैठक की व्यवस्था करेंगे। पिछले 10 दिनों में अभ्यर्थियों का यह दूसरा विरोध प्रदर्शन है। राज्यभर से

रामकी ने जीता फिक्की का स्मार्ट शहरी नवाचार पुरस्कार

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रामकी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (रामकी) को हैदराबाद के जवाहर नगर में विरासत लीचेट के उपचार और निपटान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए 'सस्टेनेबल सिटीज' श्रेणी में फिक्की (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) स्मार्ट अर्बन इनोवेशन अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि यह पुरस्कार स्मार्ट शहरी नवाचार पुरस्कारों के पांचवें संस्करण के दौरान प्रदान किया गया, जो फिक्की के सिटीज समिट के सातवें संस्करण के साथ आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण शहरी बुनियादी ढांचे के विकास के मुद्दों पर संवाद और नवीन समाधानों को बढ़ावा देना है।

मानसून के कारण राज्य में बिजली की मांग में गिरावट

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन के साथ राज्य में बिजली की मांग में गिरावट आ रही है। ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ऑफ तेलंगाना लिमिटेड (टीजीट्रांसको) की वेबसाइट के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में बिजली की मांग जो मार्च में 298.19 मिलियन यूनिट और मई में 280 एमयू से अधिक थी, अब जून में तेजी से घटकर 191 एमयू हो गई है।

दरअसल, पिछले एक हफ्ते में राज्य में बिजली की मांग 100 म्यू से 190 म्यू के बीच रही है। सोमवार को बिजली की अधिकतम मांग 9160 मेगावाट रही, जो 8 मार्च की उच्चतम मांग 15,623 मेगावाट से काफी कम है। दरअसल, 9 जून को यह 8019 मेगावाट थी, जो हाल के दिनों में सबसे कम में से एक है। पिछले कुछ दिनों में बारिश और मध्यम मौसम ने बिजली पारेषण प्रणाली को राहत दी है और सिस्टम पर समग्र भार में कमी आई है। बिजली अधिकारियों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में बिजली की मांग और कम होगी। यह मुख्य रूप से राज्य में लगातार वर्षा के कारण है, जिसके कारण कृषि क्षेत्र को न्यूनतम बिजली की आवश्यकता होती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

मानव तस्करी नेटवर्क ...

बता दें कि मार्च में सीबीआई ने मानव तस्करी के एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया था। ये भारतीयों को विदेशों में नौकरी देने का लालच देकर उन्हें रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में लड़ने के लिए भेज रहे थे। केंद्रीय एजेंसी ने 24x7 आरएएस ओवरसीज फाउंडेशन, केजी मार्ग और इसके निदेशक सुयश मुकुट, ओएसडी ब्रोस ट्रैवल्स एंड वीजा सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई और इसके निदेशक राकेश पांडे, एडवेंचर वीजा सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, चंडीगढ़, पंजाब और इसके निदेशक मंजीत सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

चंद्रबाबू एनडीए ...

जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी को केवल 11 सीटें मिलीं। कांग्रेस राज्य में अपना खाता भी नहीं खोल सकी। इस बार जगन मोहन रेड्डी की बहन वाई एस शर्मिला रेड्डी राज्य में कांग्रेस की अगुआई कर रही थीं। वे आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष हैं। राज्य की 25 लोकसभा सीटों में से एनडीए ने 21 सीटों पर जीत दर्ज की है। इनमें टीडीपी ने 16, भाजपा ने 3 और जनसेना पार्टी ने 2 सीटें जीती हैं। वाईएसआरसीपी को 4 सीटें मिली हैं।

चीन को मोदी ...

विदेश मंत्रालय का कार्यभार एक बार फिर संभालने के बाद एस जयशंकर ने कहा है कि उनका ध्यान चीन के साथ सीमा विवाद को सुलझाने पर है।

दरअसल, एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत सरकार तिब्बत में 30 स्थानों के नाम पर बदलने के मामले में अपनी स्वीकृति दी है। ये नाम ऐतिहासिक रिसर्च और तिब्बत क्षेत्र के आधार पर रखें जाएंगे। जानकारी के मुताबिक ये सारे नाम भारतीय सेना द्वारा ही जरी किए जाएंगे और एलएसी के मैप पर इन सभी नामों को अपडेट किया जाएगी।

मोदी सरकार के इस कदम की टाइमिंग पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि चीन ने अप्रैल में ही अरुणाचल प्रदेश के 30 नामों को बदला था, जिसका उस दौरान भारत ने कड़ा विरोध किया था। रिपोर्ट के मुताबिक नामों की लिस्ट में 11 रिहायशी, 12 पहाड़, 4 नदियां, 1 झील, 1 पहाड़ी, और 1 जमीन का टुकड़ा शामिल है।

चीन की तरफ से बार-बार ये दावा किए जाने के लिए बावजूद भारत यह साफ कहता रहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है। बता दें कि आज ही मोदी सरकार के मत्रिमंडल ने एक बार फिर कामान संभाल ली है। कार्यभार संभालने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत चीन के सात सीमा पर शेष मुद्दों को हल करने के प्रयास कर रहा है।

गौरतलब है कि पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय से जारी सीमा विवाद के कारण दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में तनाव की स्थिति है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान से प्रायोजित आतंकवाद का जिक्र भी किया और कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे।

विदेश मंत्री ने कहा है कि 'भारत प्रथम' और 'वसुधैव कुटुंबकम' भारतीय विदेश नीति के दो दिशानिर्देशक सिद्धांत होंगेष चीन के साथ संबंधों पर एस जयशंकर ने कहा है कि उस देश की सीमा पर कुछ मुद्दे विवादों में हैं जिन्हें सुलझाने की कोशिश की जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व कप से 1 टीम बाहर

अब इन 10 पर मंडराया खतरा

न्यूयॉर्क, 11 जून (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप का रोमांच अपने चरम पर है। इस बार विश्व कप में 20 टीमें खेल रही है। वहीं सुपर-8 के मुकाबलों से पहले कई छोटी टीमों ने अपने-अपने शानदार प्रदर्शन से चौंकाया है। विश्व कप में अभी तक 21 मैच खेले जा चुके हैं। जिसके बाद एक टीम सुपर-8 की रेस से बाहर हो गई है, जबकि अब 10 टीमों पर बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। इन 10 टीमों में 3 बड़ी टीमों के नाम भी शामिल है।

ओमान सुपर-8 से हुई बाहर

इस विश्व कप में ओमान की टीम भी पहली बार खेल रही है। ओमान को ग्रुप बी में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीमों के साथ रखा गया है। ओमान ने अभी तक विश्व कप में 3 मुकाबले खेले हैं और तीनों में ही टीम को हार का सामना करना पड़ा है। जिसके चलते ओमान सुपर-8 की रेस से बाहर हो गई है।

इन 11 टीमों पर मंडराया खतरा

विश्व कप में इस बार बारिश भी कई टीमों के लिए काल बनी है। जिसमें सबसे पहला नाम इंग्लैंड का आता है। इंग्लैंड का पहला मुकाबला बारिश के चलते रद्द हो गया था। जिसके बाद इंग्लैंड अपना अगला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी। अब डिफेंडिंग चैंपियन पर सुपर-8 की रेस से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। इंग्लैंड के 2 मुकाबले हो चुके हैं एक अंक के साथ इंग्लैंड ग्रुप बी में चौथे नंबर पर है। इंग्लैंड के अलावा दूसरा बड़ा नाम न्यूजीलैंड का है।

हालांकि अभी तक न्यूजीलैंड ने इस विश्व कप में एक ही मैच खेला है और टीम को अपने पहले ही मैच में अफगानिस्तान से हार का सामना करना पड़ा था। कीवी टीम ग्रुप सी में आखिरी पायदान पर है। तीसरा बड़ा नाम पाकिस्तान का है। पाकिस्तान की टीम ने दो मैच खेले हैं और दोनों में टीम को हार सामना करना पड़ा है। फिलहाल पाकिस्तान ग्रुप ए में चौथे स्थान पर है। इनके अलावा युगांडा, नामीबिया, नेपाल, आयरलैंड, पापुआ न्यू गुनिया, श्रीलंका और कनाडा जैसी टीमें पर भी सुपर-8 की रेस से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है।

टीम में नहीं शुभमन, अब गिल के दादा दीदार सिंह ने रोहित-विराट को लेकर कही बड़ी बात

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। विश्व कप से पहले जब टीम इंडिया के स्क्वाड का ऐलान हुआ था। तब फैंस को एक नाम ने काफी चौंकाया था। जी हां हम बात कर रहे हैं टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की। गिल को टी20 विश्व कप 2024 के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है, बल्कि शुभमन रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टीम के साथ हैं।

आईपीएल 2024 में गिल का प्रदर्शन ठीकठाक रहा था और फैंस को उम्मीद थी कि उनको विश्व कप के लिए टीम में मौका मिल सकता है। वहीं अब शुभमन गिल के दादा का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें उन्होंने टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर बड़ी बात कही है।

गिल के दादा का वीडियो आया सामने

शुभमन गिल टीम इंडिया के साथ अमेरिका और वेस्टइंडीज की यात्रा पर है लेकिन वे रिजर्व खिलाड़ी के रूप में टीम के साथ हैं। शुभमन गिल के दादा दीदार सिंह गिल का अब एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में गिल के दादा रोहित और विराट को लेकर बात करते हुए दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि रोहित और विराट शुभमन को बहुत प्यार करते हैं। खासकर विराट तो गिल को सबसे ज्यादा प्यार करते हैं।

कमाल की फॉर्म में दिख रही टीम इंडिया

अभी तक विश्व कप में टीम इंडिया कमाल की फॉर्म में दिखी है। रोहित एंड कंपनी ने 2 मैच खेले हैं और दोनों में टीम को जीत हासिल हुई है। पहले मैच में भारत ने आयरलैंड को हराया था, इसके बाद 9 जून को दूसरे मैच में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को मात दी थी। फिलहाल टीम इंडिया 4 अंक के साथ ग्रुप ए में पहले पायदान पर है। टीम इंडिया का सुपर-8 में पहुंचना लगभग तय माना जा रहा है। अब भारत का अगला मुकाबला 12 जून को मेजबान यूएसए से होगा।

नए हेड कोच के रूप में इस सीरीज से टीम के साथ जुड़ सकते हैं गौतम गंभीर!

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां)। टीम इंडिया के नए हेड कोच की तलाश लगभग खत्म होती दिखाई दे रही है। गौतम गंभीर इस सीरीज से टीम इंडिया के हेड कोच का पद संभाल सकते हैं।

टी20 विश्व कप 2024 के बाद टीम इंडिया के मौजूदा हेड कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। जिसके बाद भारतीय टीम को नया हेड कोच मिलने वाला है।

जिसमें टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर गौतम गंभीर बीसीसीआई की पहली पसंद बने हुए हैं। गंभीर के नाम पर अब फाइनल मुहर लगनी बाकी है। जिसके बाद गौतम गंभीर जिम्बाब्वे के साथ होने वाली सीरीज में टीम इंडिया के हेड हो सकते हैं। टी20 विश्व कप के बाद टीम इंडिया जिम्बाब्वे का दौरा करने वाली है। जहां टीम इंडिया 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में कई नए और युवा खिलाड़ियों को टीम में मौका मिल सकता है।

आईओए का बड़ा फैसला : ओलंपिक जाने वाले पहलवानों को देगा सहयोग, विनेश की मांग भी स्वीकारी

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। ओलंपिक जाने वाले देश के छह पहलवानों को सहायता देने पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बड़ा बयान जारी किया है। बताया जा रहा है कि संघ पहलवानों की मदद करेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट की ट्रेनिंग के लिए और अधिक मदद के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया है।

छह भारतीय पहलवानों में महिला वर्ग में विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंतिम पंघाल (53 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) तथा पुरुष वर्ग में अमन सहरावत (57 किग्रा) ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है।

आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा ने जारी एक बयान में कहा कि इस कदम का उद्देश्य पहलवानों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे पहलवानों को सर्वश्रेष्ठ संसाधन की मदद मिले जिससे वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। यह फैसला हमारी ऐसे माहौल को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है जिसमें खिलाड़ी आगे बढ़ सकें।

आईओए और डब्ल्यूएफआई पहलवानों के लिए ओलंपिक तक एक ऐसी सहयोगी टीम बनाने की योजना बना रहे हैं जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, पोषण विशेषज्ञ, मेंटल कंडिशनिंग कोच और अन्य जरूरी स्टाफ शामिल हों।

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश को पेरिस ओलंपिक की ट्रेनिंग के लिए और सहयोगी स्टाफ मुहैया कराया जायेगा।

उन्होंने कहा, हम सुनिश्चित करेंगे कि विनेश और हमारे अन्य सभी पहलवानों को अच्छा प्रदर्शन करने और भारत का तिरंगा ऊंचा रखने के लिए जरूरी सहयोगी स्टाफ मिले।

अमेरिका से वापस चले जाओ...

पाकिस्तान की हार के बाद बौखला गए वसीम अकरम

खेल डेस्क, 11 जून (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ सिर्फ 120 रनों का लक्ष्य था लेकिन पाकिस्तान की टीम इसके बावजूद मैच हार गई. टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के इतने खराब प्रदर्शन के बाद उसके फैंस और कई पूर्व खिलाड़ी बेहद नाराज हैं. वसीम अकरम ने तो पाकिस्तानी टीम को तुरंत अमेरिका छोड़कर वापस लौटने के लिए कह दिया है. उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी टीम को दुश्मनों की जरूरत नहीं है वो खुद ही अपनी बड़ी दुश्मन है. वसीम अकरम ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान जैसे अनुभवी बल्लेबाजों पर निशाना साधा.

वसीम अकरम का पाकिस्तानी टीम पर हमला

वसीम अकरम ने पाकिस्तानी टीम पर निशाना साधते हुए कहा, 'पाकिस्तान टीम को दुश्मन की जरूरत नहीं है, ये खुद ही काफी हैं. इनके मुंह में क्या जूस डालेंगे हम, इनको बताएंगे क्या किस हालात में कैसे बैटिंग की जाएगी? बाबर बताएगा, कोच बताएगा, 8-10 सालों से खेल रहे हैं. अब मैं बताऊंगा रिजवान को कि बुमराह को एक ओवर में विकेट लेने के लिए लाया गया है, उसे सिंगल-डबल खेल लें. 10 ओवर के बाद आपने चौका ही नहीं मारा. कोशिश भी नहीं की. तो 120 भी चेज नहीं हुआ.अब शर्मिंदगी होना शुरू हो गई है. बतौर पाकिस्तानी मैं चाहता हूं कि पाकिस्तानी टीम वतन वापस लौट जाए. ये तो हद ही हो गई है.'

पाकिस्तानी टीम पर बाहर होने का खतरा

पाकिस्तानी टीम अपने पहले दो मैच हार चुकी है और अब उसपर पहले ही दौर से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है. पाकिस्तान को अगला मैच कनाडा से खेलना है, अगर वो इस मैच को जीत भी जाती है तो भी उसपर बाहर होने का खतरा है. क्योंकि अमेरिकी टीम दो मैच जीत चुकी है और अगर वो बचे हुए दो में से एक मैच जीत जाती है तो वो टीम इंडिया के साथ दूसरे दौर में पहुंच जाएगी. अब पाकिस्तान को अच्छे खेल के अलावा दुआओं की भी जरूरत है. लेकिन जिस तरह का खेल पाकिस्तानी टीम दिखा रही है उसे देखकर तो ये लगता है कि कहीं वो कनाडा और आयरलैंड के खिलाफ बचे हुए मैचों में से भी कोई एक ना हार जाए.

पहले अर्शदीप पर की विवादित टिप्पणी

अब पूर्व पाकिस्तानी ने हरभजन सिंह से मांगी माफी

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां)। विश्व कप में 9 जून को भारत और पाकिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया था। जिसको टीम इंडिया ने जीत लिया था। इस मैच का आखिरी ओवर अर्शदीप सिंह ने डाला था। इस ओवर में पाकिस्तान को मैच जीतने के लिए 19 रन चाहिए थे लेकिन पाकिस्तान टीम आखिरी ओवर में 13 रन ही बना पाई थी। वहीं इस आखिरी ओवर को लेकर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने अर्शदीप सिंह पर एक विवादित टिप्पणी की थी। जिससे टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह काफी नाराज थे। जिसके बाद अब अकमल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके माफी मांगी है।

अकमल ने सिख समुदाय और हरभजन सिंह से मांगी माफी

दरअसल भारत और पाकिस्तान मैच के दौरान अर्शदीप सिंह को लेकर कामरान अकमल ने कहा था कि 12 बज गए हैं..कुछ भी हो सकता है। अकमल के इस बयान को सिख समुदाय के लिए अपमान से जोड़कर देखा गया। जिस पर अब अकमल ने माफी मांगी है। एक्स पर पोस्ट शेयर करके कामरान अकमल ने लिखा कि मुझे अपनी टिप्पणी पर काफी खेद है, मैं हरभजन सिंह और सिख समुदाय से दिल से माफी मांगता हूं। मेरे शब्द काफी अपमानजनक थे। मैं सभी सिख समुदाय के लोगों से माफी मांगना चाहता हूं।

हरभजन ने लगाई थी लताड़

अपने एक्स अकाउंट पर कामरान अकमल को लताड़ लगाते हुए हरभजन सिंह ने लिखा कि लख दी लानत तेरे कामरान अखमल.. अपना गंदा मुंह खोलने से पहले आपको सिखों का इतिहास जानने की जरूरत है। हम सिखों ने आपकी मां और बहनों को बचाया था जब उन्हें आक्रमणकारियों द्वारा अपहरण कर लिया गया था, समय हमेशा 12 बजे का था। शर्म आनी चाहिए तुम लोगों को.. कुछ आभार मानो

भारत ने पाकिस्तान को दी थी मात

भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराकर इस विश्व कप में लगातार दूसरी जीत हासिल की थी। वहीं पाकिस्तान को इस विश्व कप की अपनी लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा था। जहां एक तरफ टीम इंडिया लगभग सुपर-8 में पहुंच चुकी है तो वहीं पाकिस्तान पर सुपर-8 से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। पाकिस्तान के अगले दो मैच आयरलैंड और कनाडा के साथ होने वाले हैं।

गुलवीर सिंह ने पोर्टलैंड प्रतियोगिता में 5000 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

पोर्टलैंड, 11 जून (एजेंसियां)। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एथलीट गुलवीर सिंह ने यहां 'पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल हाई परफोरमेंस' प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर रहकर पुरुषों की 5,000 मीटर स्पर्धा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया।

'पॉल बंटा मेमोरियल रेस' में हिस्सा लेते हुए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 वर्षीय एथलीट गुलवीर ने 13:18.92 सेकेंड का समय निकाला जो अविनाश साबले के पिछले साल लास एंजिल्स में बनाये गये 13:19.30 सेकेंड के समय के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर रहा।

अब गुलवीर के नाम 10,000 मीटर और 5,000 मीटर दोनों रेस का राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। उन्होंने पिछले साल हांग्झोउ एशियाड में 28.17.21 सेकेंड के समय से 10,000 मीटर स्पर्धा का कांस्य पदक जीता था।अमेरिका के डिलन जैकब्स ने 13:18.18 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीता।

भारत के कार्तिक कुमार (13:41.07) 17वें स्थान पर रहे जबकि साबले (13:20.37) रेस पूरी नहीं कर सके। पुरुषों की 5,000 मीटर हाई परफोरमेंस स्पर्धा में अभिषेक पाल 13:41.57 सेकेंड के समय से तीसरे स्थान पर रहे।

'पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल' अमेरिका की प्रमुख ट्रैक प्रतियोगिताओं में से एक है जिसमें कई ओलंपिक चैम्पियन, विश्व रिकॉर्डधारी, राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी और ओलंपियन हिस्सा लेते हैं।

सबसे कम रन बनाकर जीता मैच

दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ बनाया नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

न्यूयॉर्क, 11 जून (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का 21वां मुकाबला दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच खेला गया था। इस मैच अफ्रीका ने 114 रनों का टोटल डिफेंड करते हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया।

दक्षिण अफ्रीका ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 21वें मुकाबले में बांग्लादेश को हरा दिया. अफ्रीका के लिए यह ऐतिहासिक जीत रही. प्रोटियाज टीम ने इस मैच में वो कर दिया, जो अब तक कई भी दूसरी टीम नहीं कर सकी. यह टी20 वर्ल्ड कप की ऐतिहासिक जीत बन गई. दरअसल बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए मैच में अफ्रीका ने टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास का सबसे छोटा टोटल डिफेंड किया. अफ्रीका ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 113/6 रन बनाए थे और फिर लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को 109/7 रनों पर रोक दिया था. अफ्रीका ने 4 रनों से जीत दर्ज की थी.

अफ्रीका ने इस जीत के बाद श्रीलंका और टीम इंडिया को पछाड़ दिया. इससे पहले टी20 विश्व कप में सबसे छोटा टोटल डिफेंड करने का रिकॉर्ड श्रीलंका और टीम इंडिया के नाम पर दर्ज था. दोनों ही टीमों ने 120 रनों के टोटल को डिफेंड करते हुए जीत दर्ज कर की थी. टीम इंडिया ने यह रिकॉर्ड बीते रविवार न्यूयॉर्क में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में बनाया था. वहीं श्रीलंका ने यह कारनामा 2014 के टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ किया था.

न्यूयॉर्क में खेले गए मुकाबले में अफ्रीका ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला किया और 20 ओवर में सिर्फ 113/6 रन बोर्ड पर लगाए. इस दौरान टीम के लिए हेनरिक क्लासेन ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 44 गेंदों में 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 46 रन बनाए थे. पहली पारी के बाद तो लगा कि अफ्रीका मुकाबला हार जाएगी, लेकिन उनके गेंदबाजों ने ऐसा होने नहीं दिया.

यानिक सिनर एटीपी रैंकिंग में जोकोविच को हटाकर पहली बार शीर्ष पर

ज्वेरेव चौथे स्थान पर

पेरिस, 11 जून (एजेंसियां)। इटली के यानिक सिनर ने जारी एटीपी रैंकिंग में चोटिल नोवाक जोकोविच को हटाकर पहली बार शीर्ष स्थान हासिल किया। सिनर एक पायदान के फायदे से पहले नंबर पर पहुंचे। इस तरह 22 साल के सिनर 1973 में शुरू हुई कम्प्यूटरीकृत रैंकिंग के बाद पहले नंबर पर काबिज होने वाले इटली के पहले खिलाड़ी हैं। उन्हें एक जुलाई से शुरू होने वाले विम्बलडन में शीर्ष वरीयता मिलेगी।

सिनर ने इस सत्र में तीन खिताब जीते जिसमें जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब भी शामिल है। कार्लोस अल्काराज तीसरे ग्रैंडस्लैम की बदौलत रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे जबकि जोकोविच तीसरे और एलेक्जेंडर ज्वेरेव चौथे स्थान पर हैं।

अल्काराज ने रविवार को ज्वेरेव को हराकर फ्रेंच ओपन खिताब जीता था। महिलाओं के वर्ग में इगा स्वियातेक रोलां गैरों पर लगातार तीसरी ट्रॉफी (पांच मेजर खिताब) की बदौलत डब्ल्यूटीए रैंकिंग में पहले स्थान पर अपनी बढ़त बढ़ाने में सफल रहीं।

अमेरिका की 20 वर्षीय कोको गॉफ तीसरे नंबर से दूसरे नंबर पर पहुंचीं जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। वह फ्रेंच ओपन एकल के सेमीफाइनल में पहुंचीं लेकिन स्वियातेक से हार गयीं। गॉफ ने कैटरीना सिनियाकोवा के साथ मिलकर पहला ग्रैंडस्लैम युगल खिताब अपने नाम किया। दो बार की आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन आर्यना सबालेंका दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गयीं। 2022 विम्बलडन विजेता एलीना रिबाकिना चौथे स्थान पर हैं।

आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी होगी अमरावती

एनडीए की बैठक में चंद्रबाबू नायुडू का एलान

अमरावती, 11 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से एक दिन पहले तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख चंद्रबाबू नायुडू ने मंगलवार को घोषणा की कि अमरावती राज्य की एकमात्र राजधानी होगी। नायुडू तेदेपा, भाजपा और जनसेना के विधायकों की एक संयुक्त बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उन्होंने आंध्र प्रदेश विधानसभा में एनडीए नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में तीन राजधानियों की आड़ में कोई खेल नहीं होगा। हमारी राजधानी अमरावती है। अमरावती राजधानी है। राज्य के बंटवारे के बाद चंद्रबाबू नायुडू पहले मुख्यमंत्री बने। वह 2014 से 2019 तक मुख्यमंत्री रहे। नायुडू ने अमरावती को राजधानी बनाने का विचार रखा था।

हालांकि, नायुडू के इस विचार को उस समय झटका लगा जब 2019 में उन्होंने सत्ता खो दी और वाई एस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी ने शानदार जीत हासिल की। फिर रेड्डी ने अमरावती शहर की योजनाओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया और तीन राजधानियों का एक नया विचार सामने रखा, जिसे नायुडू ने अब एकमात्र राजधानी रखने के फैसले के साथ बदल दिया है। आंध्र प्रदेश के हालिया विधानसभा चुनाव में तेदेपा, भाजपा और जनसेना के गठबंधन ने एकतरफा जीत हासिल की। एनडीए गठबंधन ने विधासभा चुनाव 164 सीट पर जीत दर्ज की। जबकि लोकसभा चुनाव में 21 सीट पर भारी बहुमत के साथ शानदार जीत हासिल की। इस जनादेश ने अमरावती को राजधानी बनाने की योजना में नई जान फूंक दी है।

मल्लू रवि ने अर्ध-आवासीय विद्यालय स्थापित करने के रेवंत के निर्णय का स्वागत किया

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्णय का स्वागत करते हुए, जिन्होंने कहा कि राज्य सरकार तेलंगाना राज्य भर में अर्ध-आवासीय विद्यालय स्थापित करेगी, नागरकर्नूल के सांसद मल्लू रवि ने विश्वास व्यक्त किया है कि इस निर्णय से छात्रों की संख्या में वृद्धि होगी और भविष्य में सरकारी स्कूल मजबूत होंगे। मंगलवार को यहां गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने कहा कि सरकारी आवासीय विद्यालयों में उचित सुविधाएं नहीं थीं और छात्रों को अनगिनत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने आलोचना की कि पिछली बीआरएस सरकार ने शिक्षा क्षेत्र की उपेक्षा की थी और विभिन्न कारणों से कई स्कूलों को बंद कर दिया था। कांग्रेस सांसद ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बयान को भी याद दिलाया, जिन्होंने वादा किया था कि राज्य सरकार एकल शिक्षक वाले स्कूलों को बंद नहीं करेगी और उसने सभी सरकारी स्कूल भवनों के पुनर्निर्माण के लिए 2,000 करोड़ रुपये की लागत से काम शुरू कर दिया है, जो जीर्ण-शीर्ण स्थिति में हैं। मल्लू रवि ने कहा, आने वाले दिनों में हर स्कूल में शौचालय बनाए जाएंगे और बुनियादी सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। तेलंगाना में सरकारी स्कूलों के अच्छे दिन आने वाले हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि वह बय्यारम स्टील प्लांट, काजीपेट कोच फैक्ट्री और पलामुरु रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई परियोजना को राष्ट्रीय दर्जा देने और तेलंगाना राज्य से संबंधित अन्य लंबित मुद्दों की मांगों को लेकर संसद में लड़ेंगे। उन्होंने केंद्र सरकार से आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में उल्लिखित सभी वादों को पूरा करने की भी मांग की।

सिंगरेनी ने नौकरियों के लिए आयु सीमा बढ़ाई

300 लोगों को होगा तुरंत लाभ * 9 मार्च 2018 से प्रभावी होगा यह परिवर्तन

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने अनुकंपा के आधार पर नौकरी के लिए ऊपरी आयु सीमा 35 से बढ़ाकर 40 वर्ष कर दी है। यह परिवर्तन 9 मार्च, 2018 से प्रभावी है, जो कि अनुकंपा आधारित रोजगार के प्रावधान के लिए योजना के प्रारंभ होने की तिथि है। आयु सीमा में वृद्धि से लगभग 300 आश्रितों को लाभ मिलेगा। हालांकि, सेवा के दौरान मरने वाले या चिकित्सकीय रूप से अक्षम होने वाले पूर्व कर्मचारियों के जीवनसाथी और घातक खदान दुर्घटनाओं के मामलों में ऊपरी आयु सीमा में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ऐसे मामलों में वर्तमान आयु सीमा वही रहेगी। अनुकंपा रोजगार के बजाय एकमुश्त राशि या मासिक मौद्रिक मुआवजे के भुगतान के साथ निपटाए गए मामलों को फिर से नहीं खोला जाएगा।

मंगलवार को यहां जारी एक बयान में कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक एन बलराम ने कहा कि आयु सीमा में वृद्धि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू के निर्देशानुसार की गई है। उन्होंने कहा कि अनुकंपा रोजगार के मामले जो पिछली ऊपरी आयु सीमा 35 वर्ष के कारण लंबित थे और जो 9 मार्च, 2018 के परिपत्र जारी होने के बाद उत्पन्न हुए थे, उन पर 40 वर्ष की बढ़ी हुई ऊपरी आयु सीमा के तहत विचार किया जाएगा, उन्होंने कहा कि 9 मार्च, 2018 से पहले के मामलों को फिर से नहीं खोला जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि नए परिवर्तन केवल उन मामलों पर लागू होंगे जहां पुराने ऊपरी आयु सीमा नियम के अनुसार कोई समझौता नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे 2018 से नौकरी का इंतजार कर रहे करीब 300 लोगों को तुरंत फायदा होगा। साथ ही, आने वाले दिनों में और भी लोग लाभान्वित होंगे। हाल ही में रेवंत रेड्डी और भट्टी ने एक कार्यक्रम के दौरान 441 आश्रितों को नियुक्ति आदेश सौंपे। कई ट्रेड यूनियन नेताओं ने आश्रितों की नौकरियों के लिए आयु सीमा बढ़ाने का अनुरोध करते हुए प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा था।

नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों का विरोध प्रदर्शन किया

अंतिम चयन सूची और नियुक्ति पत्र की मांग

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) से अंतिम चयन सूची और नियुक्ति पत्र की मांग को लेकर सहायक कार्यकारी अभियंता (एईई) नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों ने मंगलवार को तेलंगाना कांग्रेस पार्टी कार्यालय गांधी भवन में विरोध प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने इस बात पर अफसोस जताया कि प्रमाण पत्रों के सत्यापन का कार्य पूरा होने के दो महीने बाद भी आयोग ने अंतिम चयन सूची प्रकाशित नहीं की है।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यहां तक कि मेरिट सूची भी आयोग को कई बार ज्ञापन सौंपने के बाद ही जारी की गई। उन्होंने कहा कि क्षैतिज आरक्षण मुद्दे को सुलझाने के लिए उन्हें अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा, जो प्रमाण पत्र सत्यापन प्रक्रिया में बाधा बन गया था। प्रश्नपत्र लीक होने के कारण दो बार परीक्षा देने वाले एईई अभ्यर्थियों ने कहा कि मंत्रियों और संबंधित अधिकारियों को भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए दिए गए उनके ज्ञापनों का सकारात्मक परिणाम नहीं निकला है। दो साल पहले अधिसूचित भर्ती में देरी के कारण, उम्मीदवारों ने कहा कि वे आर्थिक और भावनात्मक तनाव में हैं। उन्होंने कहा कि हम अंतिम चयन सूची को तुरंत जारी करने की मांग करते हैं। आयोग द्वारा 3 सितंबर, 2022 को विभिन्न इंजीनियरिंग विभागों में कुल 1,540 एईई रिक्तियों को अधिसूचित किया गया था।

नवाचार और उत्पाद विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा : श्रीधर

भारत को 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में करेंगे मदद

वाशिंगटन, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा है कि उनका लक्ष्य अपने तेजी से बढ़ते आईटी क्षेत्र की ताकत का लाभ उठाकर भारत को 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करना है। तेलंगाना के उद्योग एवं वाणिज्य और विधायी मामलों के मंत्री बाबू ने कहा कि पिछले कुछ समय में हमारी औद्योगिक और सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञता बढ़ी है। हम केवल कोडिंग के लिए ही नहीं बल्कि उत्पाद विकास के लिए भी हैं। हमारे पास अपने बेस स्टेशनों से बेहतरीन उत्पाद बनाने की प्रतिभा भी है। इसलिए, इसका लाभ उठाने का समय आ गया है। वरिष्ठ मंत्री वर्तमान में उद्योग जगत के नेताओं के साथ बातचीत करने तथा अमेरिका से निवेश आकर्षित करने के लिए अमेरिका की यात्रा पर हैं।

उन्होंने बताया कि हैदराबाद ने ऐतिहासिक रूप से वैश्विक तकनीकी प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और अमेज़न जैसी तकनीकी दिग्गजों के लिए कोडिंग का अधिकांश काम शहर से ही होता रहा है, तेलंगाना के एक शीर्ष आईटी मंत्री ने कहा है कि राज्य सरकार अब नवाचार और उत्पाद विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है। बाबू ने कहा कि इन सभी वर्षों में भारत और हैदराबाद में अधिकांश सॉफ्टवेयर कोडिंग पर केंद्रित रहे हैं। उच्च-तैयार उत्पाद अमेरिका में बनाए जाते हैं और भारत और अन्य सभी देशों को वापस भेजे जाते हैं। इसलिए यह अमेरिका और अन्य सभी यूरोपीय बाजारों में आटा भेजने और उच्च लागत पर रोटी प्राप्त करने जैसा है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना का लक्ष्य अपने आईटी क्षेत्र की ताकत का लाभ उठाकर भारत को 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करना है तथा राज्य की अर्थव्यवस्था 2-3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ रही है।

एक प्रमुख पहल एआई शहर का विकास है, जहां अनुसंधान, विकास और कंपनी कार्यालयों के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए 200 एकड़ जमीन आवंटित की गई है। उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य हमारी आबादी द्वारा उत्पन्न विशाल डेटा का उपयोग करके एक मजबूत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

विभाजन के बाद से आंध्र प्रदेश के लोग कुचले गए : पवन कल्याण

अमरावती, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी प्रमुख नारा चंद्रबाबू नायुडू को आज सर्वसम्मति से एनडीए के विधायक दल का नेता चुना गया। टीडीपी, जनसेना और भाजपा गठबंधन की विधायक दल की बैठक मंगलवार सुबह विजयवाड़ा के एक कन्वेंशन हॉल में हुई। जनसेना नेता पवन कल्याण ने चंद्रबाबू नायुडू को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं, जिनके पास चार दशकों का राजनीतिक अनुभव है और उन्होंने कई उतार-चढ़ाव का सामना किया है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में राज्य के विभाजन के बाद से आंध्र प्रदेश के लोग कुचले गए थे। पिछले पांच वर्षों से, राज्य संकट की स्थिति से अवगत है। उन्होंने कहा कि हम सबने मिलकर चुनाव लड़ा और 164 विधायक और 21 संसदीय सीटों पर भारी बहुमत से जीत दर्ज की। उन्होंने यह भी कहा कि आंध्र प्रदेश में एनडीए गठबंधन की जीत ने पूरे देश को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा, हमने दिखाया है कि गठबंधन ऐसा ही होना चाहिए, जिसमें एक भी वोट न बंटे।

कार ने मंदिर के बाहर खड़े वाहनों को मारी टक्कर

किशोर के कारनामे से संकट में फंसे लोग

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार की सुबह मणिकोंडा में एक कार के नियंत्रण से बाहर हो जाने और एक मंदिर के बाहर खड़े वाहनों को टक्कर मारने से एक दर्जन से अधिक मोटरसाइकिलें क्षतिग्रस्त हो गईं।

यह घटना मणिकोंडा में स्वर्ण मंदिर के पास हुई जब एक नाबालिग लड़के द्वारा चलाई जा रही कार ने वाहनों को टक्कर मार दी। वाहनों को टक्कर मारने के बाद कार रुक गई और लड़का कार छोड़कर मौके से भाग गया। स्थानीय लोगों ने उसका पीछा किया और नाबालिग लड़के को पास के एक अपार्टमेंट से पकड़ लिया। नरसिंगी पुलिस मौके पर आई और लड़के को पुलिस स्टेशन ले गई।

भुवनगिरी के सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने सचिवालय में परिवहन विभाग और बीसी कल्याण विभाग के मंत्री पोन्नम प्रभाकर से मुलाकात की।

लोगों ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है: चंद्रबाबू नायुडु

विजयवाड़ा में टीडीपी जन सेना-भाजपा गठबंधन विधायक दल की बैठक हुई

अमरावती, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी प्रमुख नारा चंद्रबाबू नायडू ने आज कहा कि राज्य की जनता ने ऐसा फैसला सुनाया है जो आंध्र प्रदेश के इतिहास में पहले कभी नहीं सुनाया गया। विजयवाड़ा में टीडीपी जन सेना-भाजपा गठबंधन विधायक दल की बैठक हुई। इस बैठक में चंद्रबाबू को एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया। बाद में उन्होंने एनडीए विधायक दल का नेता चुने जाने पर एनडीए सहयोगियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि लोगों ने राज्य को बचाने की पहल की है। उन्होंने कहा, "लोगों द्वारा दिए गए जनादेश को कायम रखना हमारी जिम्मेदारी है। तीनों दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मिलकर 100 फीसदी काम किया। देश के इतिहास में चुनावों में 93 फीसदी सीटें जीतना दुर्लभ है। लोगों ने हमें चुनावों में 57 फीसदी वोटों से आशीर्वाद दिया। लोगों के फैसले के साथ हम सभी पर और जिम्मेदारी आ गई है।" नायडू ने कहा कि जन सेना पार्टी ने जिन 21 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा, उन सभी पर जीत हासिल की और कहा कि भाजपा ने जिन 10 सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से आठ पर जीत हासिल की। दिल्ली में हर कोई जनता द्वारा दिए गए फैसले का सम्मान करता है। जनता के फैसले से राज्य की प्रतिष्ठा बढ़ी है।

मैं पवन कल्याण की समय की पाबंदी को कभी नहीं भूलूंगा। जब मैं जेल में था, तब वह मुझसे मिलने आए थे। टीडीपी और जन सेना गठबंधन कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा, टीडीपी और जन सेना एक साथ चुनाव लड़ेंगे। हमने राज्य के हित में गठबंधन किया है। हमने बिना किसी गलती के साथ मिलकर काम किया, उन्होंने कहा, उन्होंने कहा कि वह बुधवार को पीएम नरेंद्र मोदी और एनडीए नेताओं की मौजूदगी में सीएम के रूप में शपथ लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों का कर्ज सामूहिक रूप से चुकाने का समय आ गया है। नायडू ने खुलासा किया, राज्य के विकास के लिए केंद्र सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

केंद्रीय नेताओं ने कहा है कि वे राज्य के साथ पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि गलत काम करने वालों को माफ करना एक आदत बन जाती है। उन्होंने कहा कि गलत काम करने वालों को कानूनी तौर पर दंडित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बर्बरता और प्रतिशोध की राजनीति को साफ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके परिवार का वाईएसआरसीपी नेताओं द्वारा अपमान किया गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पोलावरम परियोजना के 72 प्रतिशत काम पूरे कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि परियोजना की डायाफ्राम दीवार बह गई है। उन्होंने कहा कि परियोजना को केंद्र की मदद से पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा, "हम नदियों को जोड़ेंगे और हर एकड़ को पानी उपलब्ध कराएंगे।"

मजदूरों की बेटियों ने उत्तीर्ण की कक्षा 10 की परीक्षा

माता-पिता के लिए बनी उम्मीद की किरण

महबूबनगर, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बेघर होने और अपने माता-पिता के बंधुआ मजदूर होने के बावजूद महबूबनगर जिले के मोतीनगर कॉलोनी की दो लड़कियां हाल ही में 10वीं कक्षा पास करके अपने परिवार की पहली पीढ़ी की साक्षर बन गई हैं। वे अब अपने अशिक्षित माता-पिता के लिए उम्मीद की किरण बन गई हैं। जहां तक नंदिनी और अनुषा का सवाल है, मैट्रिकुलेशन पास करना एक ऐतिहासिक मील का पत्थर था क्योंकि उन्होंने निरक्षरता और बंधुआ मजदूरी की बेड़ियों को तोड़ दिया था जो उनके परिवार को काफी लंबे समय से जकड़े हुए थे। जहां नंदिनी ने 7.8 जीपीए हासिल किया, वहीं अनुषा ने 6 जीपीए हासिल किया, जिससे उनके परिवार को पहचान मिली और उनके माता-पिता के चेहरों पर मुस्कान आई। वे दोनों संगारेड्डी जिले के महेश्वरम में एक केजीबीवी में कक्षा छह से एसएससी तक पढ़ीं।

बच्चों को परिजनों ने नहीं बनाया मजदूर :

लड़कियों का प्रदर्शन उनके माता-पिता की दयनीय पृष्ठभूमि को देखते हुए महत्वपूर्ण है, जिन्होंने 2017 से 2019 तक कर्नाटक में एक पत्थर की खदान में बंधुआ मजदूर के रूप में काम किया था। उन्हें 2020 में बचाया गया और महबूबनगर वापस लाया गया। वे अपनी बेटियों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य देने के लिए दृढ़ थे। गरीबी से निराश होकर, उन्होंने नंदिनी और अनुषा को बाल मजदूर बनने से मना कर दिया।

माता-पिता ने पूरा जीवन खदानों में बिताया :

नंदिनी ने कहा कि हमारे माता-पिता को उनकी जन्मभूमि और मूल के बारे में भी नहीं पता। वे आजीविका की तलाश में एक खदान से दूसरी खदान में जाते रहे। उन्होंने अपना पूरा जीवन खदान में ही बिताया। उन्होंने कभी भी अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग नहीं किया क्योंकि उन्हें इसके बारे में जानकारी नहीं थी। हालांकि, उन्होंने हमें कई माता-पिता की तरह बंधुआ मजदूर नहीं बनाया और सभी बाधाओं का सामना करते हुए पढ़ाई जारी रखने में हमारा साथ दिया।

10 हजार रुपये एडवांस लेकर फंस गया था परिवार :

2017 में लड़कियों के माता-पिता ने खदान मालिक से 10,000 रुपये एडवांस के तौर पर लिए, जिससे वे कर्ज के जाल में फंस गए। हर दिन, वे अत्यधिक गर्मी में और बिना किसी सुरक्षात्मक गियर के 19 घंटे काम करते थे। उन्हें बहुत कम वेतन दिया जाता था। उनकी विकट स्थिति 2019 तक जारी रही। पुलिस ने एक सामाजिक कार्यकर्ता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए उन्हें बचाया और उन्हें महबूबनगर वापस भेज दिया।

महामारी के दौरान करना पड़ा संघर्ष :

नंदिनी ने बताया कि स्कूलिंग के दौरान, उसे इस बात का अपराधबोध था कि वह अपने माता-पिता की मदद नहीं कर पाई, जबकि वे उसकी शिक्षा का खर्च उठाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान उन्हें शिक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ा था, जब उन्हें बुनियादी अध्ययन सामग्री नहीं मिल पा रही थी। चुनौतियों से बेपरवाह, लड़कियों ने एसएससी में अच्छे अंकों से पास किया और अब उच्च शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा रखती हैं।

एक बनना चाहता है शिक्षिका, दूसरी नर्स :

नंदिनी एक शिक्षिका बनना चाहती है, जबकि अनुषा की महत्वाकांक्षा सरकारी अस्पताल में नर्स की नौकरी पाना है। दोनों साहसी लड़कियाँ अपने माता-पिता का समर्थन करना चाहती हैं और भविष्य में उन्हें खुशहाल जीवन जीने में मदद करना चाहती हैं।

साइबर जालसाजों के जाल में फंसा बैंक मैनेजर

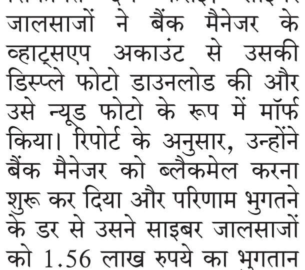

नागरकर्नूल, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर जालसाजों ने जिले के एक बैंक मैनेजर को अपने जाल में फंसाकर कथित तौर पर 1.56 लाख रुपये लूट लिए। यह घटना मंगलवार को तब सामने आई जब बैंक मैनेजर ने जिला पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। साइबर जालसाजों ने बैंक मैनेजर के व्हाट्सएप अकाउंट से उसकी डिस्प्ले फोटो डाउनलोड की और उसे न्यूड फोटो के रूप में मॉर्फ किया। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बैंक मैनेजर को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और परिणाम भुगतने के डर से उसने साइबर जालसाजों को 1.56 लाख रुपये का भुगतान किया। बैंक मैनेजर द्वारा पैसे चुकाने के बावजूद साइबर जालसाजों ने अपना उत्पीड़न जारी रखा। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बैंक मैनेजर की मॉर्फ्ड नग्न तस्वीर को उसके कॉन्टैक्ट लिस्ट में मौजूद 300 लोगों को शेयर कर दिया। बैंक मैनेजर ने इस अपमान को बर्दाश्त नहीं किया और साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। साइबर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बैंक मैनेजर ने साइबर जालसाजों द्वारा परेशान किए जाने की शिकायत की है और इस मामले में और जानकारी जुटाई जानी है।

एनटीपीसी फ्लाई ऐश परिवहन में करोड़ों का घोटाला

कौशिक रेड्डी ने लगाए गंभीर आरोप

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने मंगलवार को एनटीपीसी थर्मल इकाई से फ्लाई ऐश को उठाने और खम्मम-विजयवाड़ा ग्रीनफील्ड राजमार्ग परियोजना तक इसके परिवहन में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर की संलिप्तता में करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप लगाया। तेलंगाना भवन में पार्टी के अन्य नेताओं के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के खजाने को बड़ी लूट के कारण प्रतिदिन कम से कम 50 लाख रुपये का नुकसान हो रहा है, जिसे उन्होंने आरपी टैक्स (रेवंत-पोन्नम टैक्स) करार दिया। उन्होंने कहा कि फ्लाई ऐश के परिवहन में 300 से अधिक वाहन लगे हुए हैं और उनमें से प्रत्येक अपनी क्षमता से दोगुनी क्षमता तक ले जा रहा है।

ट्रांसपोर्टरों को एनटीपीसी इकाई से सड़क परियोजना तक ले जाने वाले भार के संबंध में यथासंभव कम मात्रा का उल्लेख करने की सुविधा देने के लिए वे-बिल को रिक्त स्थानों के साथ जारी किया जा रहा था। प्रत्येक वाहन को 36 टन तक ले जाने की अनुमति होनी चाहिए। लेकिन उन्हें दोगुनी मात्रा ले जाने की अनुमति दी जा रही थी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को एनटीपीसी इकाई के ईडी और संबंधित आरटीओ अधिकारियों के सामने उठाया गया था, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि 11 वाहनों को पकड़कर संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया, लेकिन उनमें से केवल दो के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। बाकी को मंत्री के दबाव में छोड़ दिया गया।

कौशिक रेड्डी ने आरोप लगाया कि मंत्री का भतीजा अवैध परिवहन कार्यों में सीधे तौर पर शामिल था, उन्होंने घोटाले में शामिल बड़े लोगों का समर्थन करने के खिलाफ संबंधित अधिकारियों को चेतावनी दी और उन्हें तुरंत कार्रवाई करने और घोटाले को खत्म करने के लिए कहा। अन्यथा, बीआरएस के पदाधिकारी परिवहन घोटाले में शामिल वाहनों का पता लगाएंगे और उनकी जब्ती सुनिश्चित करेंगे। बीआरएस विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही तथ्य-खोज मिशन के तहत एनटीपीसी ऐश तालाब का दौरा भी करेगा। उन्होंने कहा कि बीआरएस इस मुद्दे को केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के समक्ष उठाएगी तथा उन्हें एनटीपीसी अधिकारियों की भूमिका से भी अवगत कराएगी।

अवैध मवेशी परिवहन के आरोप में 3 गिरफ्तार

मंचेरियल, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जयपुर मंडल के मंचेरियल में सोमवार रात को कथित तौर पर क्रूर तरीके से बंधे मवेशियों को ले जाने के आरोप में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

उनके कब्जे से 19 बैल और एक वैन जब्त की गई। जयपुर के सब-इंस्पेक्टर जे श्रीधर ने बताया कि पेड्डापल्ली जिले के गोदावरीखानी के मूल निवासी गाडे महेश, गाडे सुरैया और कोमिरिननी मधु को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे रात करीब 11.30 बजे एक वैन में मवेशियों को महाराष्ट्र से तेलंगाना ले जा रहे थे।

पुलिस ने जब वाहन को रोका तो तीनों संबंधित दस्तावेज दिखाने में विफल रहे। पूछताछ करने पर तीनों ने कबूल किया कि वे मवेशियों को अवैध रूप से तेलंगाना के बूचड़खानों में बेचने के लिए ले जा रहे थे ताकि जल्दी से जल्दी पैसा कमा सकें। उन्होंने बताया कि वे महाराष्ट्र के विभिन्न इलाकों में साप्ताहिक बाजारों से सस्ते दामों पर बैल खरीदते थे। उन्होंने खुलासा किया कि वे पुलिस को झांसा देकर कहते थे कि वे बैलों को किसानों को बेच देंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.